संसेक्स	81,273.75
निफ्टी	24,876.95
सोना	1,01,180
चांदी	1,17,000
डॉलर	87.37

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
मंगलवार 19 अगस्त 2025
भाद्रपद कृष्ण 11 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 325
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

चुनाव आयोग की चुनौती पर गुस्साया विपक्ष...

विपक्ष का काम शायद चुनाव आयोग को मालूम नहीं : बीजेपी ने कहा अगर सबूत हैं तब पेश कर दें क्या दिक्कत हैं

नई दिल्ली। चुनाव आयोग और मतदाता सूची को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर अब सियासत तेज हो रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग और मतदाता सूची पर जो आरोप लगाए हैं, वे बेबुनियाद और झूठे हैं। उन्होंने चुनौती देकर कहा था कि अगर राहुल गांधी के पास अपने दावों के सबूत हैं, तब वे 7 दिन के भीतर शपथपत्र (हलफनामा) दाखिल करें, अन्यथा देश से माफी मांगें। इस बयान के बाद विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग पर पलटवार कर गंभीर सवाल उठा दिए हैं।

कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि उल्टा चोर कोतवाल को डांटे, यह साफ हो गया है। विपक्ष का काम शायद चुनाव आयोग को मालूम नहीं है। इल्जाम आप (चुनाव आयोग) पर लगे हैं और सबूत आपको देना चाहिए। राहुल गांधी जो मांग रहे हैं, वहां डाटा आप सार्वजनिक करें। हमारे द्वारा जो खामियां गिनाई जा रही हैं, उसकी जांच कराएं। लेकिन, आप जांच कराने के बजाए विपक्ष से ही हलफनामा मांग रहे हैं।

सीपीआई-एम सांसद राजाराम सिंह ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने अपराध बोध में हैं। आजादी के बाद ऐसा अपराध किसी ने नहीं किया जैसा मौजूदा चुनाव आयोग कर रहा है। उनकी प्रेसवार्ता अपराध बोध से भरी हुई थी। हर चुनाव से पहले मतदाता सूची अपडेट होती है, ताकि कोई मतदाता छूटे नहीं, लेकिन मौजूदा आयोग तब वोट काटने का काम कर रहा है। 65 लाख लोग सूची से बाहर किए गए।

समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा कि अगर नेता प्रतिपक्ष को लगता है कि वोट चोरी हो रही है, तब चुनाव आयोग को भी सबूतों के साथ सामने आना चाहिए कि ऐसा नहीं है। अखिलेश यादव ने भी एफिडेविट दिया है कि 18 हजार वोट कटे हैं। इसके बाद चुनाव आयोग की जिम्मेदारी बनती है कि वह तथ्य रखे, न कि झूठ बोले।

वहीं, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने राहुल गांधी पर निशाना साधकर कहा कि झूठ कब तक चलेगा, एक सीमा होती है। आप संवैधानिक संस्था को चोर कह रहे हैं, क्या राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस पार्टी को शर्म नहीं आती? बाबा साहब के संविधान के तहत किसी संस्था को चुनौती देकर इसतरह के शब्दों का प्रयोग करना गलत है। अगर आपके पास सबूत होते, तब अब तक पेश कर देते। आपको भी पता है कि कोई बेइमानी नहीं हुई है।

संसद परिसर में विपक्ष का जोरदार प्रदर्शन, एसआईआर और वोट चोरी मुद्दे पर सरकार को घेरा

संसद के मानसून सत्र के बीच सोमवार को विपक्षी दलों ने संसद भवन परिसर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और वोट चोरी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान इंडिया गठबंधन के सांसदों ने हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर ‘वोट चोरी बंद करो’, ‘मोदी सरकार हाय-हाय’ के नारे लगाए।

विपक्ष के इस प्रदर्शन का नेतृत्व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया। उनके साथ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), द्रमुक (डीएमके), वामपंथी दलों, राजद (आरजेडी) और समाजवादी पार्टी (एसपी) के सांसद भी शामिल हुए। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं है और यह सरकार के इशारे पर की जा रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने तमिलनाडु और तेलंगाना के मुद्दों का भी जिक्र किया। तेलंगाना के किसानों को यूरिया की कमी का सामना करना पड़ रहा है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने राज्य को 8.3 लाख मीट्रिक टन यूरिया देने का वादा किया था, लेकिन अब तक सिर्फ 5.3 लाख मीट्रिक टन ही उपलब्ध कराया गया है। विपक्षी सांसदों का कहना है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए इस तरह के प्रदर्शन जरूरी हैं। खड़गे ने कहा कि चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से काम करना चाहिए, लेकिन सरकार उसकी साख को कमजोर कर रही है।

उपराष्ट्रपति चुनाव : पीएम मोदी ने सीपी राधाकृष्णन से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि सार्वजनिक सेवा और विभिन्न क्षेत्रों में राधाकृष्णन का लंबा अनुभव देश के लिए बहुत फायदेमंद होगा।

पीएम मोदी ने सोमवार को सीपी राधाकृष्णन के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने लिखा, राधाकृष्णन से मुलाकात की। उन्हें एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने पर बधाई दी। उनके लंबे समय तक सार्वजनिक सेवा और विभिन्न क्षेत्रों में अनुभव से हमारे देश को बहुत लाभ होगा। मैं कामना करता हूं कि वे हमेशा की तरह समर्पण और दृढ़ता के साथ राष्ट्र की सेवा करते रहें, जो उन्होंने हमेशा दिखाया है।

इससे पहले, रविवार को भी पीएम मोदी ने एक्स पर राधाकृष्णन को बधाई देते हुए उनके लंबे सार्वजनिक जीवन और लोगों के लिए किए गए कार्यों की सराहना की थी।

कौन हैं सीपी राधाकृष्णन?

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सीपी राधाकृष्णन के नाम का ऐलान एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर किया था। सीपी राधाकृष्णन वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। महाराष्ट्र और झारखंड के राज्यपाल- उन्हें 31 जुलाई 2024 को महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया था। इससे पहले, उन्होंने करीब डेढ़ साल तक झारखंड के राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया है। वह तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल चुके हैं।

खास खबर

ओडिशा में ब्राह्मणी नदी में 73 भैंसों के शव नदी में मिलने से दहशत

केंद्रपाड़ा। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में ब्राह्मणी नदी में रविवार दोपहर को 73 भैंसों के शव नदी में उतराए पाए गए जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। यह घटना तटीय जिले के औल खंड के अंतर्गत एकामानिया गांव के पास हुई। एक अधिकारी ने बताया कि कटक स्थित सरकारी ‘पशु रोग अनुसंधान संस्थान (एडीआरआई) के वैज्ञानिकों ने इन भैंसों की रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत के मामले की जांच शुरू कर दी है। सोमवार दोपहर तक 44 भैंसों के शव बरामद किए जा चुके हैं।

एडीआरआई के पशु चिकित्सा अधिकारियों और वैज्ञानिकों की एक टीम भैंसों की मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए गांव पहुंच गई है।

एयरटेल नेटवर्क रहा ठप, देशभर में कॉल और इंटरनेट सेवाएं हुई प्रभावित

नई दिल्ली। देश की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी एयरटेल की सेवाएं सोमवार 18 अगस्त को अचानक ठप हो गईं। इसके चलते लाखों यूजर्स को कॉल और इंटरनेट दोनों सेवाओं में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कंपनी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सेवा बाधित होने की पुष्टि की और कहा कि तकनीकी टीम समस्या को जल्द से जल्द दूर करने में जुटी है। ऑनलाइन नेटवर्क ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर के अनुसार, शाम 4:30 बजे तक देशभर से 3,500 से ज्यादा यूजर्स ने शिकायत दर्ज कराई। इनमें सबसे ज्यादा शिकायतें दिल्ली-एनसीआर, जयपुर, कानपुर, अहमदाबाद, सूरत, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु और कोलकाता से सामने आईं।

कौन बनेगा करोड़पति को पहले सप्ताह में ही मिल गया पहला करोड़पति...

मुंबई। महानायक अमिताभ बच्चन के शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के 17वें सीजन को पहले ही हफ्ते में अपना पहला करोड़पति मिल गया है। उत्तराखंड के आदित्य कुमार ने एक करोड़ रुपये जीत लिए हैं और अब उनकी नजरें 7 करोड़ रुपये के जैकपॉट सवाल पर हैं। शो का प्रोमो भी काफी मजेदार है। इसमें आदित्य, अमिताभ के साथ अपने कॉलेज के दिनों का एक किस्सा साझा करते हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक बार अपने दोस्तों के साथ मज़ाक किया था कि उनका केबीसी में सेलेक्शन हो गया है। उनके दोस्तों ने भी इस बात पर यकीन करके नई पैंट और शर्ट तक सिलवा ली थी। जब एक हफ्ते बाद कोई टीम नहीं आई, तब उन्होंने बताया कि यह सिर्फ एक मजाक था। लेकिन इस बार जब उन्हें सच में शो से बुलावा आया, तब उनके दोस्तों को यकीन ही नहीं

कुछ ना कहना

दो घंटे की बारिश में लकवाग्रस्त हो जाती है दिल्ली, सीजेआई ने की टिप्पणी

-टोल वसूली बंद करने के केरल हाईकोर्ट के आदेश पर सुनवाई कर रहा था कोर्ट

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने कहा है कि दो घंटे की बारिश में दिल्ली को लकवाग्रस्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। याचिका केरल हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दाखिल की गई है।

सीजेआई बी आर गवई, जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ जिस मामले में सुनवाई कर रही थी, वह एक हाईवे में टोल वसूली बंद करने के केरल हाईकोर्ट के आदेश से जुड़ा है। हाईकोर्ट ने सड़क की खराब स्थिति के चलते टोल वसूली बंद करवा दी थी। इसके खिलाफ एनएचएआई की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को सुरक्षित रखा। इस दौरान एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट के बाहर लगने वाले जाम का जिक्र किया, जिस पर चीफ जस्टिस ने बारिश से जुड़ी टिप्पणी की।

एक रिपोर्ट के मुताबिक हाईकोर्ट ने नेशनल हाईवे-544 पर 65 किमी लंबी एडापल्ली-मन्नुथी रोड की खराब स्थिति की वजह से त्रिशूर जिले के पेलियेक्कारा टोल प्लाजा पर टोल वसूली बंद कर दी थी। एनएचएआई के साथ गुरुवायूर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने भी हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट उसे पर भी सुनवाई कर रहा था। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान इस बात पर जोर दिया कि इस रोड पर 12 घंटे लंबा ट्रैफिक जाम लगता है। कोर्ट ने 14 अगस्त को याचिका पर सुनवाई से अनिच्छा जताई थी और कहा था कि लोगों से यहां टोल कैसे लिया जा सकता है, जबकि रोड अच्छी हालत में नहीं हैं, जिसकी वजह से लोगों को लंबे जाम में फंसना पड़ता है। कोर्ट की टिप्पणी पर एनएचएआई की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि 12 घंटे लंबा जाम इसलिए, लगा क्योंकि वहां एक लॉरी पलट गई थी। उनके इस तर्क पर कोर्ट ने कहा कि लॉरी अपने आप नहीं पलटी, गड्ढे की वजह से पलट गई थी। मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि एनएचएआई ने उन सड़कों के लिए वैकल्पिक रोड बनाई हैं, जहां पर अंडरपास का काम चल रहा है लेकिन मानसून की वजह से अंडरपास का काम भी प्रभावित हुआ है। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने एनएचएआई से पूछा कि उस 65 किमी की रोड के लिए कितना टोल वसूला जाता है, जिस पर उन्हें बताया गया कि 150 रुपए का टोल है।

भारत, चीन और रुस की दोस्ती, अमेरिका को खल रही...भारत को दे दी धमकी

नई दिल्ली। भारत के रूस और चीन के साथ बढ़ते संबंधों को लेकर अमेरिका ने नाराजगी व्यक्त की है। हाल ही में, व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने भारत को चेतावनी देकर कहा कि वे अमेरिका का रणनीतिक साझेदार बना रहना चाहता है, तब भारत को उसी तरह का व्यवहार भी करना होगा। यह बयान तब आया है जब भारत रूस से तेल आयात जारी रखे हुए है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही चीन का दौरा करने वाले हैं।

दरअसल अमेरिका का आरोप है कि भारत की रूस से तेल खरीद मास्को को यूक्रेन युद्ध जारी रखने के लिए मदद दे रही है। नवारो ने आरोप लगाया कि भारत एक वैश्विक क्लियरिंग हाउस के रूप में काम कर रहा है। वह रूस के प्रतिबंधित तेल को संसाधित करके महंगे निर्यात में बदल रहा है और इस तरह रूस को डॉलर उपलब्ध करा रहा है।

ट्रंप प्रशासन का मानना है कि भारत का यह कदम अमेरिका के रणनीतिक हितों के खिलाफ है। इसकारण डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। इससे भारत पर अमेरिकी कुल टैरिफ बढ़कर 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है। हालाँकि, यह भी सामने आया है कि अमेरिका ने खुद रूस के साथ 20 प्रतिशत अधिक व्यापार किया है। रूस के अलावा, अमेरिका को भारत-चीन की बढ़ती नजदीकी से परेशानी है। प्रधानमंत्री मोदी इस महीने के अंत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करने वाले हैं। इसके अलावा, चीन के विदेश मंत्री वांग यी भी सीमा विवाद पर बातचीत के लिए भारत का दौरा कर रहे हैं। नवारो का कहना है कि भारत रूस और चीन दोनों से रिश्ते मजबूत करता है, तो अमेरिका के लिए भारत को आधुनिक हथियार देना जोखिम भरा हो सकता है। यह बयान स्पष्ट करता है कि ट्रंप प्रशासन भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को पसंद नहीं कर रहा है।

हैदराबाद में श्रीकृष्ण शोभा यात्रा में करंट हादसा, 5 की मौत, 4 घायल

हैदराबाद। जन्माष्टमी के अवसर पर रविवार रात को आयोजित श्रीकृष्ण शोभा यात्रा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। शोभा यात्रा में शामिल एक रथ ओवरहेड बिजली की तारों की चपेट में आ गया, जिससे करंट फैल गया। इस हादसे में पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा हैदराबाद के रामंतापुर स्थित आरटीसी कॉलोनी में देर रात हुआ। पुलिस और स्थानीय प्रशासन के अनुसार, शोभा यात्रा का रथ अचानक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन तारों से टकरा गया था। इस कारण करंट फैल गया और आसपास अफरा-तफरी मच गई और कई लोग इसकी चपेट में आ गए। इस हादसे में मृत हुए लोगों की पहचान कृष्णा उर्फ डायमंड यादव (21 वर्ष), श्रीकांत रेड्डी (35 वर्ष), सुरेश यादव (34 वर्ष), रुद्र विकास (39 वर्ष) और राजेंद्र रेड्डी (45 वर्ष) के तौर पर हुई है। सभी मृतक ओल्ड रामंतापुर इलाके के रहने वाले थे। हादसे में घायल चार लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। हादसे की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

चुनाव आयोग ने राहुल को चेताया कहा- हलफनामा दें या माफी मांगे, नहीं तो तीसरा विकल्प

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से लगाए गए वोट चोरी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने साफ शब्दों में कहा है कि राहुल गांधी को 7 दिनों के भीतर हलफनामा देना होगा या फिर देश से माफी मांगनी होगी। आयोग ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि इस मामले में कोई तीसरा विकल्प नहीं होगा।

चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि मतदाता सूची को साफ-सुथरा और पारदर्शी बनाने के लिए सर प्रक्रिया चलाई जा रही है। ज्ञानेश कुमार ने बताया, पिछले 20 वर्षों से यह प्रक्रिया नहीं हुई थी। अब जब अलग-अलग राजनीतिक दलों से शिकायतें आईं तो इसे शुरू किया गया है।

बिहार का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि वहां 22 लाख मृत मतदाताओं के नाम लिस्ट में थे, जो कई साल पहले मर चुके थे। अब उन्हें हटाया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, अगर कोई सोचता है कि सिर्फ एक पीपीटी बनाकर और बिना ठोस आंकड़ों के यह दावा कर सकता है कि एक ही व्यक्ति ने दो बार वोट डाला है, तो यह गलत है। इतने संगीन आरोपों को हम हल्के में नहीं ले सकते। उन्होंने आगे जोड़ा कि, राहुल गांधी को या तो हलफनामे के रूप में सबूत देने होंगे या फिर अपने आरोपों के लिए पूरे देश से माफी मांगनी होगी। उन्हें सात दिन का समय दिया गया है। अगर इस समय में हलफनामा नहीं आया तो मान लिया जाएगा कि उनके आरोप निराधार हैं।

राहुल गांधी ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह दावा किया कि देशभर में बड़ी मात्रा में फर्जी वोटिंग हो रही है। उन्होंने एक पीपीटी (पीपीटी) के ज़रिए आंकड़े दिखाए और कहा कि एक महिला ने दो बार वोट दिया, साथ ही यह भी आरोप लगाया कि मतदान अधिकारी ने खुद यह जानकारी दी है। इन बयानों पर चुनाव आयोग ने कड़ा ऐतराज जताया और कहा कि बिना सबूत के इतने गंभीर आरोप लगाना लोकतांत्रिक प्रणाली को कमजोर करने की कोशिश है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने साफ किया कि बिना किसी सबूत के किसी भी योग्य वोटर का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि चुनाव आयोग हर एक मतदाता के साथ चट्टान की तरह खड़ा है।

इंडिया ब्लॉक राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा को बना सकता है उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार

नई दिल्ली। इंडिया ब्लॉक राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बना सकता है। तिरुचि शिवा भी तमिलनाडु के हैं। जहां के सीपी राधाकृष्णन को एनडीए ने अपना उम्मीदवार घोषित किया है। अगर ऐसा होता है तो यह पक्की बात है कि देश के अगले उपराष्ट्रपति दक्षिण भारत से होंगे।

बताते चले कि तिरुचि शिवा तमिलनाडु की रूलिंग पार्टी द्रमुक के राज्यसभा सांसद हैं। तिरुची शिवा द्रमुक के वरिष्ठ नेता हैं। उ?हें द्रमुक का महत्वपूर्ण रणनीतिकार माना जाता है।

तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव है। एनडीए के सीपी राधाकृष्णन का नाम आगे बढ़ाने के पीछे भी इस चुनाव को

बड़ा कारण बताया जा रहा है। भाजपा सीपी राधाकृष्णन को तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में भुनाएगा। ऐसे में विपक्षी खेमा भी तमिलनाडु के वरीय नेता पर अपना दांव लगा सकता है। तिरुचि शिवा लंबे समय से दिल्ली की राजनीति में सक्रिय है।

दिल्ली में डीएमके की रीति-नीति तय करते आए हैं तिरुचि शिवा

दिल्ली में द्रमुक की रीति-नीति वही तय करते हैं। संसद में पार्टी का क्या रुख रहेगा? यह भी वहीं तय करते हैं। वह लंबे समय से राज्य और केंद्र दोनों स्तर पर पार्टी के रणनीतिक चेहरा रहे हैं। केंद्र और राज्य स्तर पर कई महत्वपूर्ण समितियों और विषयों में भूमिका निभाई है। तिरुचि शिवा को उम्मीदवार के रूप में चुनने से विपक्ष को क्षेत्रीय राजनीति की जटिलताओं से निपटने में मदद मिल सकती है।

तिरुचि शिवा ने सामाजिक न्याय, राज्यों के हित और संघीय व्यवस्था पर बहुत काम कि?या है। त?रुच? शिवा का नाम अगर इंडिया अलायंस घोषित करता है तो साफ संदेश है कि? व?पक्ष त?मिलनाडु की जमीन को फ्री नहीं छोड़ना चाहता है। ऐसे में उपराष्ट्रपति चुनाव अगले साल होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल हो सकता है।

उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी गठबंधन की ओर से डीएमके राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा के अलावा एक और नाम की चर्चा है। पूर्व इसरो वैज्ञानिक एम अन्नादुरई का नाम भी विपक्ष की ओर से उपराष्ट्रपति पद के लिए चर्चा में आया है। खास बात यह है कि यह नाम डीएमके की तरफ से सुझाया गया है।

ममता के मंत्री को सुप्रीम कोर्ट से जमानत...लेकिन रिहाई होगी तीन माह बाद

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित कैश फॉर स्कूल जॉब घोटाले में फंसे राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने भ्रष्टाचार से जुड़े सीबीआई केस में पार्थ चटर्जी को जमानत दे दी है। हालांकि, इस दौरान सीबीआई ने ममता के मंत्री चटर्जी की जमानत का जोरदार विरोध किया। लेकिन सीबीआई के विरोध को दरकिनार कर सुप्रीम कोर्ट ने ममता के मंत्री को जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद भी चटर्जी की रिहाई तुरंत नहीं होगी, बल्कि यह तीन महीने बाद निचली अदालत की ओर से तय किए जाने वाले बेल बॉन्ड पर निर्भर होगी। जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने आदेश दिया कि ट्रायल कोर्ट मामले में चार्ज फ्रेम करने की प्रक्रिया 4 हफ्तों के भीतर पूरी करे। इसके बाद अगले 2 महीने में गवाहों की गवाही भी पूरी करे। इसी प्रक्रिया के बाद चटर्जी की रिहाई हो सकेगी।

यह पहली बार नहीं है जब चटर्जी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। इसके पहले 13 दिसंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें जमानत दी थी। उस आदेश के तहत भी उनकी जमानत 1 फरवरी 2025 से लागू हुई थी, यानी लगभग तीन महीने बाद। ठीक उसी तरह अब सीबीआई केस में भी उनकी रिहाई तीन महीने बाद होगी। बता दें कि बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को स्कूल जॉब के लिए कैश मामले में 151.26 करोड़ रुपए के कुल घोटाले की राशि में सबसे ज्यादा लाभार्थी दिखाया गया है, जैसा कि इसके पांचवें और अंतिम पूरक आरोपपत्र में विस्तार से बताया गया है। कोलकाता में विशेष धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में दायर पूरक आरोपपत्र के अनुसार, ईडी ने कुल 151.26 करोड़ रुपये जब्त किए थे। इसमें चटर्जी और मुखर्जी के 103.78 करोड़ रुपये हैं। जब्त की गई रकम में नकदी और सोना के साथ कुर्क की गई अचल संपत्ति शामिल है।

चिकित्सक नहीं आदिवासी प्रसूति महिला की मौत

05 वर्ष पहले हुआ था विवाह पहली बार हुई थी गर्भवती

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। आदिवासियों के उत्थान और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के दावों के बीच बालाघाट जिले के तिरोड़ी तहसील के आयुष्मान आरोग्य मंदिर बम्हनी से ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की गंभीर खामियों को उजागर करने वाली एक घटना सामने आई है. इस घटना में जच्चा-बच्चा दोनों की मौत हो गई. अस्पताल में चिकित्सक की कमी और समय पर एंबुलेंस नहीं मिलने की वजह से एक प्रसूति आदिवासी महिला की मौत हुई है. महिला की मौत रविवार-सोमवार की मध्य रात्रि तकरीबन डेढ बजे के आसपास महाराष्ट्र के तुमसर के रास्ते में मिटेवानी के पास हुई. सोमवार को गांव में महिला का अंतिम संस्कार किया गया. मिली जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत चाकाहेटी के अर्जुन टोला की 25 वर्षीय आदिवासी प्रसूति महिला सरिता चमन लाल कुम्भरे की मौत हुई है. 05 वर्ष पूर्व सरिता का चमन लाल के साथ विवाह हुआ था और सरिता पहली बार गर्भवती हुई थी. कुम्भरे परिवार के आंगन में पहली बार किलकारी गूंजती लेकिन सरकारी अस्पताल में चिकित्सक ना होने की वजह से प्रसूति महिला की मौत हो गई. जिस आंगन में किलकारी गूंजने का ब्रेसबी से इंतजार हो रहा था. उस आंगन में अब मातम पसरा हुआ है. सवाल यह है कि इस महिला की मौत का दोषी कौन है..? क्या वह सरकार दोषी है जो बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने का दावा करती है. या वह अफसर कसूरवार है जिन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर बम्हनी में पदस्थ डॉ भूपेन्द्र गजभिए को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी में अटैच कर रखा है. इसका जवाब अभी मिलना बाकी है. इस घटना के बाद खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज दूबे कहते है कि उन्होंने डॉ भूपेन्द्र गजभिए को कटंगी अस्पताल में अटैच नहीं करवाया है. ज्ञात रहे कि इसी सप्ताह हमने बम्हनी अस्पताल में चिकित्सक ना होने

से ग्रामीणों को होने वाली परेशानियों से शासन-प्रशासन को अवगत करवाया था. शायद खबर के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की नींद टूटती तो आज एक आदिवासी प्रसूति महिला की मौत ना होती। मतृक महिला के पति चमन लाल के अनुसार रविवार की रात्रि करीब साढ़े 09 बजे उन्होंने गांव की आशा कार्यकर्ता के साथ अपनी पत्नी को बम्हनी अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती करवाया. यहां पदस्थ महिला स्वास्थ्यकर्मी ने एक घंटे के भीतर नार्मल डिलीवरी होने का भरोसा दिया. इस तरह का भरोसा देते-देते करीब ढाई घंटे बीते गए. जिसके बाद अचानक से स्वास्थ्यकर्मी ने पत्नी को रेफर कर दिया. एंबुलेंस को कॉल किया गया तो 02 घंटे बाद पहुंचने की जानकारी मिली. ऐसे में प्राइवेट वाहन से पत्नी को तुमसर लेकर जा रहे थे लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में ही मौत हो गई. भोले-भाले आदिवासी परिवार ने इस पूरी घटना की जानकारी तक पुलिस को नहीं दी बल्कि सीधे मृतक महिला को घर ले आए और सोमवार को अंतिम संस्कार भी कर दिया. इस घटना के सामने आने के बाद हमने अस्पताल के कर्मचारियों से उनका पक्ष जाना. जिन्होंने ऑफ कैमरा जानकारी देते हुए बताया कि महिला को रात्रि साढ़े 10 बजे अस्पताल लाया गया था. महिला को जब अस्पताल लाया गया था तब महिला का बहुत अधिक रक्तस्राव हो रहा था. नार्मल डिलीवरी के आसार नहीं थे महिला को रेफर किया गया लेकिन एंबुलेंस 02 घंटे बाद अस्पताल पहुंचती परिजन महिला को तुमसर लेकर जा रहे थे रास्ते में मौत हो गई। गांव के स्थाई पटले जितेन्द्र सिंह रावत बताते है कि उन्होंने कई बार सीएम हेल्पलाइन में शिकायत कर अस्पताल में चिकित्सक की नियुक्ति की मांग की. स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी चिकित्सक की नियुक्ति करने की बजाए अनाप-शनाप जवाब बनाकर शिकायत को या तो विलोपित करवा देते या फिर उन्हीं पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाते. बताना जरूरी हे कि डॉ भूपेन्द्र गजभिए की नियुक्ति बम्हनी अस्पताल में है उनका मासिक वेतन बम्हनी अस्पताल में सेवाएं देने के नाम पर निकल रहा है लेकिन उनकी सेवाएं कटंगी में ली जा रही है. उन्हें कोरोना काल के दौरान कटंगी के अस्पताल में अटैच किया गया और आज तक वह कटंगी में ही अटैच है. ग्राम पंचायत आंजनबिहरी के सरपंच और पठार संघर्ष समिति के संयोजक दीपक पुष्पतोड़े बताते कि पठार अंचल में स्वास्थ्य सेवाओं का हाल-बेहाल है. लगातार शासन-प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाने के बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है. बम्हनी अस्पताल में चिकित्सक नहीं होने से चाकाहेटी, अर्जुनटोला, सतीटोला, जामुनटोला, नीमटोला, सादाबोड़ी, रामजी टोला, आंजनबिहरी, दिग्धा, कोड़बी, हरदोली, पुलपुट्टा, छतेरा, टुईयापार, महकेपार और गोरेघाट की प्रसुति महिलाओं को प्रसव के लिए कटंगी, बालाघाट जाना पड़ता है. अब बीती रात्रि महिला स्वास्थ्य कर्मी ने एक आदिवासी महिला का प्रसव कराने की कोशिश की जब महिला की तबीयत बिगड़ गई तो उसे रेफर किया गया तुमसर अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में महिला की मौत हो गई. अगर, अब भी बम्हनी में परमानेंट चिकित्सक की नियुक्ति नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा।

लांजी क्षेत्र में खाद की किल्लत से किसान परेशान, व्यवस्था की कमी से बढ़ी मुश्किलें

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के किसान पिछले कई दिनों से यूरिया और डीएपी खाद की कमी से जूझ रहे हैं। किसान रोजाना राज्य सहकारी वितरण केंद्र के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन खाद की आपूर्ति न होने से उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। 18 अगस्त को डबल लॉक केंद्र पर हजारों किसान खाद लेने पहुंचे, लेकिन सर्वर फेल होने के कारण एक भी बोरी खाद का वितरण नहीं हो सका। इससे पहले भी कई बार किसान सुबह से कतारों में खड़े रहते हैं, लेकिन शासन-प्रशासन द्वारा खाद की आपूर्ति

सुनिश्चित नहीं की जा रही है। किसानों का कहना है कि केंद्र पर न तो बैठने की व्यवस्था है और न ही पीने के पानी की। इसके अलावा, कुछ किसानों ने आरोप लगाया कि खाद वितरण में अनियमितताएं हो रही हैं। खाद वितरण के लिए एक किसान का आधार कार्ड दूसरे के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, जो नियमों के खिलाफ है। इसकी जांच की मांग उठ रही है। किसानों की सूची तैयार, फिर भी खाद नहीं पहले गोदाम प्रभारी और अधिकारियों ने उन किसानों की सूची तैयार की थी, जिन्हें प्राथमिकता के आधार पर खाद दी जानी थी। लेकिन 18 अगस्त को इन किसानों को भी खाद नहीं मिल सका। किसानों का कहना है कि यदि प्रशासन व्यवस्थित तरीके से काम करे तो खाद की आपूर्ति आसानी से हो सकती है, लेकिन व्यवस्था बनाने की इच्छा ही नहीं दिख रही। जनपद पंचायत उपाध्यक्ष का बयान जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे ने किसानों का समर्थन करते हुए कहा कि किसान खेती छोड़कर सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। फसलों को यूरिया और डीएपी की सख्त जरूरत है, लेकिन सरकार खाद उपलब्ध कराने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा, 卐सरकार का दावा है कि खेती को लाभ का धंधा बनाएंगे, लेकिन जब फसलों के लिए खाद और बीज ही उपलब्ध नहीं होंगे, तो लाभ कैसे होगा? अवसरे ने सरकार के वादों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा घोषित प्रति हेक्टेयर 4,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि और धान का 3,100 रुपये समर्थन मूल्य आज तक लागू नहीं हुआ। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसानों को खाद और बीज जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलीं तो आंदोलन करना पड़ेगा। निजी दुकानों पर कार्रवाई पर सवाल किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि जहां निजी दुकानों से खाद आसानी से मिल रहा है, वहां प्रशासन कार्रवाई कर रहा है। अवसरे ने इसे सरकार का दोहरा रवैया करार देते हुए कहा कि यदि किसान निजी दुकानों से खाद खरीदता है तो उसे रोकना गलत है। किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए खाद का उपयोग करेगा, फिर चाहे वह कहीं से भी लाए। मांग: पंजीयन के आधार पर खाद उपलब्ध कराए सरकार किसानों ने मांग की है कि सरकार प्रत्येक पंजीकृत किसान को उनके पंजीयन के आधार पर खाद और बीज उपलब्ध कराए। साथ ही, वितरण केंद्रों पर बेहतर व्यवस्था और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए ताकि किसानों को परेशानी न हो।

अवन्तिबाई विद्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया गया वीरांगना रानी अवंतीबाई का जन्मदिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के वीरांगना रानी अवंतीबाई विद्यालय में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की प्रथम महिला वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी का जन्मदिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव समाज के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोतीचंद

कलपुरे (ब्लॉक सचिव) ने की, जबकि मुख्य अतिथि विजय कुचलाहे (पूर्व ब्लॉक लोधी समाज अध्यक्ष) और विशेष अतिथि सुखदेव बरगैया (कोषाध्यक्ष) व कवडू कचवाहे रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ वीरांगना रानी अवंतीबाई और भगवान श्रीकृष्ण के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। छात्र-छात्राओं ने श्रीकृष्ण और राधा की वेशभूषा में आकर्षक झांकियां प्रस्तुत कीं। साथ ही, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में रानी अवंतीबाई के योगदान को भाषण और गीतों के माध्यम से याद किया गया। प्रद्युम्न पंजरे ने रानी अवंतीबाई की जीवनगाथा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। गौरव सोमनकर, मानवी सोमनकर, निधि दुधबराई और झावेश डोंगरे ने भी उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि विजय कुचलाहे ने रानी अवंतीबाई और श्रीकृष्ण-राधा की झांकियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को 2000 रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रानी अवंतीबाई का किरदार निभाने वाली कुमारी आंचल एरने रही। राधा-कृष्ण की भूमिका में खुशिका कर्राहे, पवित्रा दुरुगकर, अंशिका चौहान, याशी पालंदुरकर, दुर्गा पालंदुरकर, झांसी पिपरे, जीनल पिपरे और स्वीटी घोघड़े ने नृत्य के माध्यम से सबका मन मोह लिया। श्रीकृष्ण की भूमिका में सोनू टेकाम, रुद्र पालंदुरकर, गौरव, ऋषभ लिल्हारे और श्रेयांस कचवाहे ने दही हांडी और केक काटकर जन्माष्टमी का उत्सव मनाया। कार्यक्रम में वीरेंद्र पालंदुरकर, रवि, छाया दुरुगकर, सरस्वती कुशले, संतोष पालंदुरकर सहित बड़ी संख्या में दर्शक और अभिभावक उपस्थित थे। शाला के प्रधानाचार्य विजय कुशले ने रानी अवंतीबाई और श्रीकृष्ण की कथाओं का संक्षिप्त वर्णन किया और अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

घर-घर में जन्में कन्हाई, गोंविदाओं ने फोड़ी दही हांडी

क्षेत्रभर में भक्तिभाव से मना श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व, देरशाम तक विसर्जित हुई प्रतिमाएं

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। भगवान श्री मुरलीमनोहर की आराधना का पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर सहित क्षेत्रभर में पूरे भक्तिभाव के साथ मनाया गया। दो दिवसीय पर्व के तहत शनिवार को घर-घर में भगवान श्रीकृष्ण संग माता राधा रानी की प्रतिमाएं स्थापित की गई। आधी रात में भगवान के जन्म पर उनके बाल स्वरूप लड्डू गोपाल का स्नान, श्रृंगार कर झूला झुलाकर बधाई गीत गाये गए। मनवांछित भोग लगाकर श्रीकृष्ण से मनोकामनाएं की गई। पर्व को लेकर समूचे क्षेत्र में उत्साह दिखाई दिया। बच्चों से लेकर युवा, महिलाएं और बुजुर्ग आस्था में डूबे नजर आए। सिवनी मार्ग स्थित राधा गोविंद मंदिर में इस वर्ष भी बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं का जमावड़ा रहा। भक्तों ने रात्रि जागरण कर भजन गीत गाए। पर्व की पूर्व संध्या पर शहर के बाजार गुलजार हो गए। खासकर मूर्ति, फुलेरा और साज-श्रृंगार की दुकानों पर खासी भीड़ दिखाई दी। गौरतलब है कि क्षेत्र में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर घर-घर में मूर्ति स्थापना की परम्परा है। शनिवार को प्रतिमा स्थापित की गई और रविवार को सायंकाल में घर-घर से भगवान को धूमधाम से विदाई दी गई। बैंड बाजों की थाप पर सामूहिक शोभा यात्रा निकालकर श्रद्धालु ''हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की'' के उद्घोष के साथ भगवान को विदाई देने निकल पड़े। नगर मुख्यालय स्थित छोटा तालाब घाट पर अपरान्ह 4.00 बजे से शुरू हुआ विसर्जन कर दौर देरशाम तक चलता रहा है। घाट पर मूर्ति विसर्जन को लेकर नगर परिषद् एवं सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन की व्यवस्था चाक चैबंद रही।

दही हांडी उत्सव का हुआ आयोजन

इस वर्ष भी नगर मुख्यालय में दही हांडी उत्सव का आयोजन किया गया। नगर के प्रमुख चैक चैराहों में दही हांडी उत्सव कमेटी के द्वारा ऊचाई पर मटकी बांधकर गोविंदाओं को आमंत्रित किया गया। गोंविदाओं की टोली ने भी पूरी ऊर्जा और उमंग के साथ दही हांडी उत्सव में भाग लिया। मटकी फोड़ने जोर आजमाइश की। ग्रामीण अंचलों में भी इस तरह के आयोजन हुए।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं संतरी पति स्व. दिलीप गोलेंद्र जाति झरिया वार्ड नंबर 09 ग्राम पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. की निवासी हुं। मेरे पति स्व. दिलीप गोलेंद्र की मृत्यु दिनांक 23.03.2024 को हो चुकी है और इनकी मृत्यु के उपरांत मैं पत्नि संतरी, पुत्र मिथुन कुमार गोलेंद्र, शिवानी झारिया, अश्विनी झारिया व निम्मी गोलेंद्र वारसान है एवं मुझे ग्राम पंचायत कार्यालय से वारसान प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे ग्राम पंचायत कार्यालय पांढरवानी ला. पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक
श्रीमती संतरी पति स्व. दिलीप गोलेंद्र
निवासी - वार्ड नंबर 09 ग्राम पांढरवानी
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)।

स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

खजरी-सीताखोह मार्ग पर कटाव, गहरा गड्ढा बना जानलेवा

विधायक एवं अधिकारियों के संज्ञान में लाने के बावजूद नहीं हुआ सुधार

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। विकासखंड अंतर्गत ग्राम खजरी से सीताखोह के बीच प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजनांतर्गत निर्मित सड़क पर पुलिया पर कटाव हो जाने के कारण गहरा गड्ढा बन गया है। इस कारण मार्ग से प्रतिदिन आवागमन करने वाले राहगीर एवं वाहन चालकों के लिए हादसे की आशंका बनी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार करीबन पांच वर्ष पूर्व म.प्र. शासन के लोक निर्माण विभाग ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजनांतर्गत

स्वीकृत 41.71 लाख रू. की लागत से इस मार्ग का निर्माण कराया था। इस साल की शुरूआती बारिश में मार्ग पर निर्मित पुलिया के उपर से निरंतर हुए पानी के बहाव के कारण पुलिया के ऊपर का आधा हिस्सा बह गया। वैसे तो इस मार्ग पर छोटे-बड़े मिलाकर कुल 15 पुलिया निर्मित किए गए हैं, जिनमें से एक पुलिया पानी का बहाव नहीं झेल पायी। ग्राम खजरी के सरपंच सुरेन्द्र राहंगडाले ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में क्षेत्रीय विधायक एवं जनपद के अधिकारियों को जानकारी दी थी। विधायक ने तत्कालीन एसडीओ को मार्ग की मरम्मत के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए थे लेकिन कुछ दिन बाद एसडीओ का अन्यत्र स्थानांतरण हो गया। इस कारण पुन: किसी ने इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया। मौजूदा हालात यह है कि दिन में ग्रामीण गड्ढे से बचकर पुलिया पर आवागमन करने मजबूर है लेकिन रात्रि में हादसे की आशंका बनी रहती है। सरपंच राहंगडाले बताते हैं कि बारिश होने पर पुलिया के उपर से पानी आते ही दुर्घटना का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। हमारी मांग है कि शासन के जनप्रतिनिधि एवं पीडब्ल्यूडी के अधिकारी तत्काल इस समस्या को संज्ञान में लेकर मार्ग की यथाशीघ्र मरम्मत करवाए ताकि ग्रामीणों को आवागमन में सहुलियत के साथ सुरक्षा मिल सके।

आवागमन में भारी जोखिम

खजरी से सीताखोह के मध्य स्थित इस मार्ग से बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं का आना जाना बना रहता है। प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या ग्रामीण इस मार्ग से गुजरते हैं। जिन्हें पुलिया क्षतिग्रस्त होने की जानकारी है उनके लिए तो यह एक मात्र समस्या है परंतु पहली बार इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों के लिए यह सीधे मौत को आमंत्रण है। जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता आमजन की जान पर भारी पड़ सकती है।

जर्जर हो चुके आंवलाझरी केम्प क्वार्टर, शासकीय भूमि पर पसरा है अतिक्रमण

म.प्र.राष्ट्रीय मैंगनीज मजदूर संघ महामंत्री ने मायल प्रबंधन को लिखा पत्र, डुपलेक्स क्वार्टर बनाने और मंदिर का जीर्णोद्धार कर अतिक्रमण मुक्त परिसर की करी मांग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। म.प्र.राष्ट्रीय मैंगनीज मजदूर संघ महामंत्री डीआर नागवंशी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि ग्राम आंवलाझरी क्वार्टर कैम्प क्षेत्र जो लगभग पौने 2 एकड़ भूमि पर हैं।उक्त भूमि में 30 क्वार्टर तथा शिव मंदिर है। उक्त शिव मंदिर सन् 1967 में बालाघाट के प्रबंधक के.वी.पी. सिंह ने उनके पिताश्री हेमराज नागवंशी की प्रार्थना पर बनवा दिया था। जिसका जीर्णोद्धार आंवलाझरी मंदिर निर्माण समिति द्वारा स्लैब लेवल तक बनवा दिया गया है,किन्तु आर्थिक तंगी के कारण अग्रिम निर्माण कार्य लंबित है।उन्होंने बताया कि आंवलाझरी केम्प क्वार्टर अति कमजोर एवं जर्जर हो गये है। क्वार्टर की अवधि समाप्त हो चुकी है इसलिए उन क्वाटरो के स्थान पर नये डुपलेक्स क्वार्टर बनाए जाने चाहिए वही रिक्त भूमि पर सुन्दर सा गार्डन एवं मंदिर का जीर्णोद्धार शीघ्र अति शीघ्र करना चाहीये। इतना ही नहीं साथ में एक वाचनालय अर्थात् सोशल क्लब हेतु एक भवन भी बनवाया जाना चाहिए।इसी मांग को लेकर मायल महा प्रबंधक के नाम एक पत्र भेजा गया है।क्यो की कंपनी के लीज एरिया में कुछ लोगों ने अतिक्रमण किया है। उक्त अतिक्रमण को संपदा अधिकारी के न्यायालय द्वारा ध्वस्त किया जाना न्यायहित में आवश्यक होगा।इससे आंवलाझरी ग्राम की सुंदरता में निखार आएगा। उन्होंने बताया कि म.प्र.राष्ट्रीय मैंगनीज मजदूर संघ एवं राष्ट्रीय मैंगनीज मजदूर संघ न्यायालयीन समझौता के आधार पर भाई-भाई है और मॉयल कंपनी इनकी मां एवं पिता है। उक्त न्यायालयीन समझौता का शीघ्र अति शीघ्र निराकरण न्यायहित में होगा।उन्होंने विषयांकित पत्र पर अतिशीघ्र ध्यान देकर उक्त मांगों को जल्द से जल्द पूरा कराए जाने की गुहार लगाई है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

संदिग्ध परिस्थिति में सिवनी के नीरज की हुई मौत

पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जिला सिवनी के आजाद नगर निवासी ३० वर्षीय नीरज रजक की संदिग्ध परिस्थिति में रविवार की रात्रि में मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को सुबह पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिवनी निवासी ३० वर्षीय नीरज रजक रविवार को सुबह अपनी माँ को बालाघाट जा रहा हुं कहकर घर से निकला था और बस में बैठकर बालाघाट आया था, लेकिन शाम तक वह घर नही पहुंचा। वहीं रात करीब १० बजे लालबर्रा विश्राम गृह के सामने नगर के जागरूक नागरिक एवं मार्ग से गुजरने वाले लोगों को एक व्यक्ति बेसुध अवस्था में दिखाई दिया। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई और लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। वहीं उसके पास मिले मोबाइल एवं परिचित लोगों के द्वारा उसकी पहचान सिवनी निवासी नीरज रजक के नाम से की गई। जिसके बाद उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। वहीं पुलिस अस्पताल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही कर रात हो जाने के कारण मृत व्यक्ति की लाश को शव विच्छेदन गृह में रखवा दिया गया एवं दुसरे दिन सोमवार को सुबह चिकित्सक के द्वारा मृत व्यक्ति की लाश का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक नीरज रजक के परिवार में माँ, पत्नि,

उनका एक भाई जिसे पैरालिस है एवं बज्चें है, रविवार को सुबह नीरज बालाघाट जा रहा हूं कहकर घर से निकला था और बालाघाट आने के बाद वापस सिवनी की ओर जा रहा था। जिसके जेब में बालाघाट आने एवं जाने की दोनों टिकिट भी मिली है। लेकिन लालबर्रा विश्राम गृह के पास कैसे पहुंचा इसकी जानकारी किसी को नही है। किन्तु बालाघाट से सिवनी बस में जाते समय उसके साथ बस में किसी ने मारपीट किये होगें या फिर उसकी अचानक तबियत खराब हुई होगी और बस में ही उसकी मृत्यु हो चुकी होगी। ऐसी स्थिति में बस चालक व कंडेक्टर ने सुनेपन का फायदा उठाते हुए लालबर्रा के विश्राम गृह के सामने एकांत स्थान पर छोड़कर निकल गये होगें या फिर संदिग्ध परिस्थिति में उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा कि किस कारण से नीरज की मौत हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बालाघाट आया था नीरज - नरेन्द्र

चर्चा में नरेन्द्रकुमार रजक ने बताया कि मेरे भाई का लड़का नीरज रविवार को सुबह अपनी मम्मी को बालाघाट जा रहा हूं कहकर घर से निकला था, लेकिन शाम तक घर नही आया एवं रात में हमें जानकारी मिली की उसकी मौत हो गई है। जिसके बाद लालबर्रा आये तो पता चला कि बस चालक के द्वारा उन्हे लालबर्रा विश्राम गृह के सामने उतार दिया गया था और पुलिस ने उसे अस्पताल लेकर गये थे जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया है। श्री रजक ने बताया कि डॉक्टर का कहना है कि उसकी हार्ट अटैक से मृत्यु हुई है, हमें लग रहा है कि बस में उसके साथ कुछ गलत हुआ है, पुलिस प्रशासन से मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच करें।

मामले की जांच की जा रही है - कुंवर

दूरभाष पर चर्चा में सहायक उपनिरीक्षक कुंवरसिंह टेकाम ने बताया कि रविवार की रात में पुलिस को सूचना मिली थी कि लालबर्रा विश्राम गृह के सामने एक व्यक्ति बेसुध अवस्था में पड़ा हुआ है। जिसके बाद उसे पुलिस वाहन से अस्पताल लेकर गये जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। श्री टेकाम ने बताया कि मृतक व्यक्ति नीरज रजक सिवनी निवासी है और परिजनों के बताये अनुसार वह रविवार को सुबह बालाघाट आया था, लेकिन लालबर्रा विश्राम गृह के पास कैसे पहुंचा इसकी जानकारी किसी को नही है, मृत्यु का कारण अज्ञात है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा। मृत व्यक्ति का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

रात्रि में रेस्टोरेंट बंद करने के समय बढ़ाए जाने की मांग को लेकर होटल संचालकों ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शहर के लगभग दो दर्जन से अधिक होटल संचालकों द्वारा रात्रि के समय होटल बंद किए जाने के समय पुलिसकर्मियों द्वारा अभद्रता किए जाने के विषय को लेकर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा को ज्ञापन दिया गया है। जिसमें होटल संचालकों द्वारा बताया गया कि बीते कुछ दिनों से पुलिस द्वारा जल्द ही होटल बंद करवा दी जा रही है और होटल बंद करने के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा उनके साथ अभद्रता की जाती है।

इसलिए उन्होंने पुलिस अधीक्षक से रात्रि के समय 11:00 बजे तक दुकान बंद किए जाने और 12:00 तक होटल सफाई का काम पूरा करने की परमिशन दिए जाने की पुलिस अधीक्षक से मांग की है। आपको बता दे की बीते कुछ दिनों से शहर के होटल और रेस्टोरेंट संचालक पुलिस द्वारा रात्रि के समय होटल बंद करवाए जाने को लेकर नाराज है। होटल और रेस्टोरेंट संचालकों का आरोप है कि पुलिस द्वारा इन दिनों जल्द ही होटल और रेस्टोरेंट बंद करवाए जा रहे हैं और जब कोई होटल या रेस्टोरेंट चालू रहता है तो पुलिसकर्मी अभद्रता के साथ रात्रि के समय होटल और रेस्टोरेंट बंद करवाते हैं। जिससे उन्हें बहुत अधिक परेशानी हो रही है। बीते दिनों इसी विषय को लेकर संचालकों द्वारा नगर पुलिस अधीक्षक को भी ज्ञापन दिया गया था और रात्रि के समय होटल और रेस्टोरेंट बंद करने के समय हो रही परेशानियों को भी होटल, रेस्टोरेंट के संचालकों ने नगर पुलिस अधीक्षक के सामने रखा था, किंतु उसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने पर 18 अगस्त को पुनः एक बार होटल, रेस्टोरेंट के लगभग दो दर्जन से अधिक संचालकों द्वारा पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा को ज्ञापन दिया गया है। जिसमें उन्होंने होटल रेस्टोरेंट का बंद करने का समय रात्रि 11:00 बजे तक का मांगा है और होटल की सफाई सहित बंद करने के लिए 12:00 बजे तक की अनुमति रात्रि में मांगी है। कुछ होटल संचालकों ने यह भी बताया कि इन दिनों पुलिसकर्मी उनकी होटल में आकर विवाद और अभद्रता कर रहे हैं, जो की सही नहीं है धीरज जोतवानी ने बताया कि बीते दिनों उनके रेस्टोरेंट में भी कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा आकर उनके रेस्टोरेंट का शटर उठाकर उनके स्टाफ के साथ बदतमीजी की थी। उनसे अभद्रता के साथ बातचीत की इसलिए वह चाहते हैं, उन्हें एक निश्चित समय तक होटल संचालन का समय दिया जाए। होटल संचालक अजय सोनी और संतोष जायसवाल ने बताया कि इसके पूर्व भी पुलिस द्वारा होटल बंद किए जाने को लेकर अभद्रता की जाते रही है। जबकि उन्होंने नगर पुलिस अधीक्षक से बीते दिनों बात की थी तो उन्हें 11:00 बजे तक होटल संचालक को लेकर अनुमति दी गई थी और उनकी कुछ बातों पर सहमति भी बनी थी। लेकिन अब पुनः पुलिस द्वारा पहले जैसे ही व्यवहार किया जा रहा है। इसलिए आज वह पुलिस अधीक्षक के पास अपनी समस्या को लेकर पहुंचे हैं।

बीएलओ का कार्य करने से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया मना, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। क्सीटू यूनियन से जुड़ी कुछ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा बालाघाट एसडीएम को एक ज्ञापन दिया गया है। जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि बीते कुछ दिनों से उन्हें विभाग द्वारा उन्हें बीएलओ का कार्य किए जाने को लेकर निर्देशित किया गया है, किंतु उनका कहना है कि वह बीएलओ का काम नहीं करेगी। वह सिर्फ अपने ही विभाग से दिए गए कार्य को हीं करना चाहती हैं। इस लिये उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन देते हुए अपनी बात रखी है। आपको बता दे की 18 अगस्त को सीटू यूनियन से जुड़ी कुछ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी को एक ज्ञापन दिया है। जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि वह अपने ही विभाग से संबंधित कार्य करना चाहती हैं। जबकि उन्हें विभाग द्वारा बीएलओ के कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया है। वह नहीं चाहती कि अन्य विभाग का वह कार्य करें। इसलिए उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। सीटू यूनियन की सचिव एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रत्नमाला वाहने ने मीडिया से चर्चा में बताया कि वह अपने ही विभाग के कई अन्य कार्य जैसे पोस्ट ऑफिस से सुकन्या के खाते खुलवाना, बैंक बीमा करवाना और अन्य कार्य कर रही है। उसके बावजूद भी विभाग द्वारा उन्हें अतिरिक्त बीएलओ का कार्य करें जाने को लेकर निर्देशित किया गया है। जो वह और अतिरिक्त कार्य नहीं करना चाहती। उन्होंने बताया कि आज उनकी आंगनबाड़ी बहने अधिक उम्र होने के कारण ऑनलाइन कार्य करने में असमर्थ है। धीरे-धीरे अब विभाग द्वारा ऑनलाइन काम करवाए जा रहे हैं। जिसमें उन्हें कार्य करने में परेशानी आ रही है। इसलिए वह चाहती हैं कि वह सिर्फ अपने ही विभाग का काम करें। अन्य विभागों के कार्य वह नहीं कर सकती। इसलिए उन्होंने बालाघाट एसडीएम को एक ज्ञापन दिया है और बीएलओ के काम करने से मना करने की बात आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा कही गई है।

भरवेली के लगभग आधा सैकड़ा ग्रामीणों ने सरपंच पति पर कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

15 अगस्त के भाषण में विवादित बयान दिए जाने का सरपंच पति पर लगाया आरोप

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत भरवेली के लगभग आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया है। जिसमें ग्रामीणों सहित यंग मुस्लिम कमेटी के पदाधिकारीयों द्वारा बताया गया कि भरवेली सरपंच पति द्वारा 15 अगस्त को दिए जाने वाले भाषण में एक समाज विशेष को टारगेट करते हुए बयान दिया गया है। जिससे उनकी धार्मिक भावना आहत हुई है। इसकी शिकायत करने के बाद भी भरवेली पुलिस द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसलिए उन्होंने मुख्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा को एक ज्ञापन दिया है। जल्द से जल्द कार्रवाई किए जाने की मांग की है। आपको बता दे की ग्राम पंचायत भरवेली के यंग मुस्लिम कमेटी और कुछ ग्रामीणों ने 15 अगस्त को भरवेली सरपंच गीता बिसेन के पति अनिल बिसेन पर आरोप लगाया हैं कि अनिल बिसेन द्वारा एक वर्ग विशेष को टारगेट करते हुए धार्मिक भावना को आहत करने वाली बयान बाजी, 15 अगस्त को होने वाले कार्यक्रम के दौरान की है। जिसको लेकर कमेटी के सदस्य सहित कुछ ग्रामीणों ने 15 अगस्त की रात्रि भरवेली थाने में जाकर ज्ञापन भी दिया था। जिस पर भरवेली पुलिस ने अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की तो, कमेटी सहित भरवेली के कुछ ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया और बताया कि अनिल बिसेन द्वारा 15 अगस्त के दिन जो विवादित बयान मंच के माध्यम से दिया गया

है। वह गलत है, जबकि अनिल बिसेन द्वारा ग्राम पंचायत की कुछ दुकानों को बाबरी मस्जिद का ढांचा बताया है और गलत तरीके से बयान बाजी की गई है। इससे उनकी धार्मिक भावना आहत हुई है। 15 अगस्त के दिन इस प्रकार का बयान देना कहीं ना कहीं, उनकी सामाजिक, धार्मिक भावना को आहत करता है। जबकि भरवेली में सभी समाज के लोग, शांतिपूर्वक ढंग से वहां रह रहे हैं। इस प्रकार से सरपंच पति की बयान बाजी से कहीं ना कहीं ग्रामीणों में गलत संदेश जाएगा। वह चाहते हैं कि सरपंच पति पर पुलिस कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें, किंतु पुलिस द्वारा अभी तक इस विषय पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, तो भरवेली के लगभग आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे और उन्होंने 18 अगस्त को पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा को ज्ञापन दिया। यहां ग्रामीण लगभग 1 घंटे तक पुलिस अधीक्षक का इंतजार करते उनके प्रवेश द्वार पर खड़े रहे। लगभग 3:00 बजे कुछ ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से चर्चा की और इस पूरे मामले में न्याय उचित कार्रवाई की मांग की। यहां कमेटी के पदाधिकारी शेख मंसूरी द्वारा बताया गया कि 15 अगस्त की घटना होने के बाद भी भरवेली पुलिस ने अभी तक इस विषय पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई नहीं की है। इसलिए उन्होंने आज पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया है और चर्चा के दौरान उन्होंने सारी घटना पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा से मुलाकात की है। उन्हें जल्द से जल्द नियम अनुसार कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया है। वह चाहते हैं कि इस पूरे विषय पर पुलिस जल्द से जल्द कार्रवाई करें। यदि पुलिस द्वारा जल्द से जल्द कार्रवाई नहीं की जाती तो वह अपने स्तर पर जिला मुख्यालय पहुंचकर अंबेडकर चौक में प्रदर्शन करेंगे और जब तक कार्रवाई नहीं होगी तब तक वह शांत नहीं रहेंगे।

29 से 31 अगस्त तक बालाघाट में होंगा संभाग स्तरीय कराते प्रतियोगिता का आयोजन

बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा,जबलपुर, कटनी ,नरसिंगपुर,सहित अन्य जिलों के टीम होंगी शामिल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। खेल के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहे बालाघाट जिले में हाल ही में नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। तो वही अब कराते के क्षेत्र में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन करने की जिम्मेदारी भी बालाघाट जिले को सौंपी गई है। जहां बालाघाट नगर में आगामी 29 से 31 अगस्त तक संभाग स्तरीय कराते प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 14-17 व 19 आयु वर्ग के कराते खिलाडियों के बीच संभाग स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न कराई जाएगी। इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए सोमवार को नगर के उत्कृष्ट विद्यालय सभागार में बालाघाट जिले की टीम के लिए खिलाडियों के चयन प्रक्रिया संपन्न कराई गई जहां इस चयन प्रक्रिया के दौरान 14 वर्ष ,17 वर्ष और 19 वर्ष के खिलाडियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन कर तीनों वर्गों की अलग-अलग टीमें बनाई जा रही है। बताया गया कि 29 से 31 अगस्त तक बालाघाट में आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में बालाघाट की टीम आयोजित प्रतियोगिता में जिले का नेतृत्व करेगी। बताया गया कि इस आयोजन से जिले के खिलाडियों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचने का अवसर मिलेगा।

विभिन्न प्रतियोगिता के अयोजन का मौका मिलने से जिले का नाम हो रहा रौशन

सोमवार को जिले के सभी विकासखंडों से आए कराते खिलाडियों की चयन प्रतियोगिता स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार में हुई। चयन प्रक्रिया में खिलाडियों ने एक से बढ़कर एक प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। चयनित खिलाड़ी बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व आगामी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में करेंगे। खेल प्रेमियों का मानना है कि लगातार नेशनल व संभागीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन बालाघाट को प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के खेल मानचित्र पर अग्रणी स्थान दिला रहा है। जिले के युवा खिलाड़ी विभिन्न खेल विधाओं में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे बालाघाट का नाम रोशन हो रहा है।

29 से होगी संभाग स्तरिय कराते प्रतियोगिता- गोस्वामी

जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री गोस्वामी ने बताया कि लोक शिक्षण संचानालय के निर्देशों के अनुसार आज उत्कृष्ट स्कूल सभागार में जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में 14, 17 व 19 वर्ष के खिलाड़ियों का चयन उनके उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर किया जा रहा है। अलग अलग सभी वर्षो में खिलाड़ियों का चयन कर टीम का गठन किया जाएगा। यह टीम आगामी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्होंने आगे बताया कि ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों को न सिर्फ प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलता है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ता है। कराते जैसे अनुशासन प्रधान खेल के माध्यम से युवा वर्ग में खेल भावना, आत्मरक्षा की कला और बेहतर भविष्य की संभावनाएँ भी विकसित हो रही है। जल्द ही जिले की टीम की घोषणा कर दी जाएगी।

खेत में दाना चुग रहे सारस पक्षी को आवारा कुत्तों ने किया घायल

जागरूक ग्रामीणों ने बचाई घायल सारस की जान,वन विभाग के किया हवाले

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। जिला मुख्यालय से करीब 8 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत बगदरा के गांधी चौक में सोमवार की शाम उस वक्त ग्रामीणों की भीड़ जुड़ गई। जब गांधी चौक स्थित एक किसान के खेत में उन्हें एक सारस पक्षी घायल अवस्था में दिखाई दिया। बताया गया की सारस पक्षी कहीं से उड़ता हुआ ग्राम बगदरा के गांधी चौक पहुंचा था। जहां पर वह एक किसान के खेत में दाना चुग रहा था। इसी दरमियान आवारा श्वानों (कुत्तों) ने उस पर प्राण घातक हमला कर दिया। जहां श्वानों के हमले से सारस पक्षी का पैर टूट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जो उड़ने में भी सक्षम नहीं था। जिसकी जानकारी लगते ही वहां ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। जहा के कुछ जागरूक ग्रामीणों ने सारस पक्षी की जान बचाने के लिए उसे पकड़ लिया। जहां सारस पक्षी पकड़ में आने के बाद स्थानीय जागरूक ग्रामीणों ने इस पूरे मामले की सूचना वन विभाग को दी। जहां सूचना मिलने के करीब 1 घंटे बाद वन विभाग की टीम देर शाम मौके पर पहुँची। जिन्होंने घायल पक्षी को ग्रामीणों से लिया और उसे उपचार के लिए वन विभाग कार्यालय ले जाया गया है। बताया गया की सारस पक्षी का उपचार कराकर स्वस्थ होने पर उसे पुनः खुले आसमान में उड़ने के लिए छोड़ दिया जाएगा। इस तरह सोमवार की शाम ग्राम बगदरा के जागरूक ग्रामीणों ने सारस पक्षी की जान बचा ली। जिसकी चहुओर सरहाना की जा रही है।

निर्माणाधीन मकान से गिरने से मिस्त्री यादोराव की हुई मौत

मकान से गिरने एवं 11 केव्ही तार के संपर्क में आने से मिस्त्री की मौत होने की जताई जा रही आशंका, जांच में जुटी पुलिस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया निवासी 35 वर्षीय यादोराव राउत की निर्माणाधीन मकान में काम करते समय नीचे गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने मृत व्यक्ति का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ददिया निवासी यादोराव राउत मकान निर्माण में मिस्त्री का काम करता है, जो एक महीने से संतोष राउत के साथ देवरी निवासी दुर्गा बाहेश्वर के मकान में काम कर रहे थे। यादोराव राउत जो रोजाना की तरह सोमवार को भी निर्माणाधीन मकान में काम करने गया था। वहीं गत 6 अगस्त को मकान के छत की ढलाई हो चुकी है और मकान के ऊपर से बिजली के तार गुजरे है। सोमवार को सुबह करीब 10.30 बजे अन्य मिस्त्री व मजदूर नीचे काम कर रहे थे एवं यादोराव छत की कार्नर की लोहे की सेंट्रिग खोलने के लिए लोहे की राड लेकर छत पर गया था। इसी दौरान वह अनियंत्रित होकर नीचे गिर गया और बेहोश हो गया। जिसे तत्काल मकान मालिक एवं मजदूरों ने लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर आये जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई एवं थाना प्रभारी के निर्देश पर सहायक उपनिरीक्षक दुर्गाप्रसाद झिझोते अस्पताल पहुंचे और आवश्यक कार्यवाही की एवं चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक यादोराव राउत परिवार का मुखिया था, जिसके परिवार में पत्नि, दो छोटे बच्चें है और मिस्त्री काम कर परिवार का पालन-पोषण करता था। वहीं विगत एक माह से देवरी निवासी दुर्गा बाहेश्वर के मकान में मिस्त्री काम कर रहा था। सोमवार को भी यादोराव काम पर गया था एवं जिस मकान में वह काम कर रहा था उस निर्माणाधीन मकान के ऊपर से 11 केव्ही का विद्युत तार गुजरा है। वहीं मकान की छत के कार्नर से सैट्रिंग निकलते समय नीचे गिरने या फिर सैट्रिंग निकालते समय विद्युत तार की चपेट में आने से उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। वहीं घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो चुका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृत व्यक्ति का चचेरा भाई भोलाराम राउत ने बताया कि यादोराव मिस्त्री काम करने गया था और काम करते समय छत से नीचे गिर जाने की जानकारी मिली थी, जिसे अस्पताल लेकर आये तो चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। यादोराव की निर्माणाधीन मकान से नीचे गिरने या करेंट लगने से मौत हुई है यह स्पष्ट नही हो पाया है, लेकिन मृतक परिवार का मुखिया था और उसके परिवार में पत्नि व दो छोटे-छोटे ब'चें है, उसके परिजनों को मुआवजा मिलना चाहिए।

मृतक के परिजनों को दिलवाया जायेगा योजना का लाभ - मनीराम

जनपद सदस्य प्रतिनिधि मनीराम भोयर ने बताया कि यादोराव राउत मिस्त्री था, जो मकान में काम करने गया था और काम करते समय गिर गया जिससे उसकी मौत हुई है, यह बहुत दु:खद घटना है। साथ ही यह भी बताया कि जिस मकान में वह काम कर रहा था उस मकान के ऊपर से विद्युत तार गुजरा है और छत में काम करते समय विद्युत करेंट लगने से मौत होने की बात कही जा रही है। लेकिन स्पष्ट नही हुआ है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा कि किस कारण से उसकी मौत हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। श्री भोयर ने बताया कि मृत व्यक्ति के परिजनों को शासन की योजना का लाभ दिलवाया जायेगा।

बेलगांव में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बेलगांव में 15 अगस्त को राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम सरपंच अरविंद पंचेश्वर, उपसरपंच सहित ग्राम के वरिष्ठ गणमान्यजनों व पंचायतकर्मियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने भारत माता, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व भारतरत्न डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण करने के पश्चात सरपंच अरविंद पंचेश्वर के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात उपस्थितजनों ने ध्वज को सलामी देकर देश के वीर-शहीदों व महापुरूषों को नमन कर राष्ट्रगान का गायन किया। वहीं स्कूल के बच्चों के द्वारा गीत-भाषण की प्रस्तुती भी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर ने सभी को राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश के वीर शहीदों की लड़ाई से हमारा देश आजाद हुआ है और आज हम सब 79 वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे है। इस अवसर पर ग्रामीणजन व पंचगण उपस्थित रहे।

श्रध्दा एवं उल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भक्तजनों के द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व धार्मिक श्रध्दा, भक्तिभाव एवं धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के भक्तजनों के द्वारा मुख्यालय से मूर्ति ले जाकर 16 अगस्त को अपने अपने घरों में विधि-विधान से प्रतिमा विराजित कर बार्के बिहारी को हल्दी, घी, कपूर, दही, बेलपत्ती, केसर, जल सहित अन्य सामग्री का चढ़ावा चढ़ाकर पूजन अर्चन किया गया। जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को आनंदमयी वातावरण में मनाने हेतु विविध धार्मिक आयोजन किये गये और मध्यरात्रि को 12 बजे गड्डु गोपाल को दूध का अर्घ्य देकर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर्व आस्थापूर्वक मनाया गया तत्पश्चात आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। क्षेत्र में 18 अगस्त को नंदलाला की पूजा अर्चना कर पूरे क्षेत्र में आस्थापूर्वक स्थानीय नदी, नहरों एवं तालाबों में प्रतिमा विसर्जित की गई। बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन हाथी घोड़ा पालकी.... जय कन्हैया लाल की सहित अन्य जयकारे लगाते हुए भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा को लेकर पहुंचे जहां पूजा अर्चन एवं आरती कर प्रतिमा विसर्जित कर प्रसादी का वितरण किया गया। आपकों बता दें कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को मनाने हेतु गत एक सप्ताह से हिन्दु धर्मालंबियों ने तैयारी प्रारंभ कर दी थी तथा गृहणी महिलाओं के द्वारा विभिन्न प्रकार के पकवान बनाकर गोकुल के नंदलाल को चढ़ाकर प्रसादी के रूप में ग्रहण किया गया। भगवान श्रीकृष्ण के प्रतिमा विसर्जन के दौरान नदी, तालाबों एवं नहरों के तट किनारे बड़ी संख्या मे भक्तजनों की भीड़ रही। इस दौरान उपस्थितजनों ने एक-दुसरे को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दी और प्रतिमा विसर्जन का दौर देरशाम तक जारी रहा।

घोटी में शोभायात्रा निकालकर किया गया प्रतिमा का विसर्जन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर ग्राम स्थित श्रीकृष्ण मंदिर एवं हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा अपने-अपने घरों में शुभ-मुहूर्त पर भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना कर ग्राम की सुख-समृध्दि के लिए प्रार्थना की गई और रातभर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। वहीं 17 अगस्त को शाम 5 बजे सभी श्रध्दालुजन अपने-अपने घरों से प्रतिमा लेकर ग्राम के चौक में एकत्रित हुए जिसके बाद डीजे की धुन पर शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण के भक्तजनों के द्वारा जमकर नृत्य भी किया गया। यह शोभायात्रा ग्राम का भ्रमण करते हुए ग्राम स्थित तालाब पहुंची जहां भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा की आरती कर विधिपूर्वक प्रतिमा का विसर्जन किया गया। साथ ही ग्राम घोटी में कुछेक परिवार को छोड़कर सभी परिवार में भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा विराजित कर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। जिसके कारण पुरा ग्राम भक्तिमय नजर आया और हर घर से हाथी घोड़ा पालकी.. जय कन्हैया लाल के गीत सुनाई दिये। वहीं मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर हवन-पूजन एवं महाप्रसादी का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर तीरथसिंह बिसेन (सरपंच घोटी), नेतराम गजबे, लखन नेवारे, नथन राऊत, गिरधारी गजबे, यादवराव अंगूरे, चंद्रकुमार सहारे, लक्ष्मण वाघाड़े, सीताराम गजबे, अजय बिसेन, संतोष बघेल, देवेश देशमुख, धनेंद्र नेवारे, कुंवर सहारे, दयाराम सहारे, नेवा बोरकर मारूति सहित अन्य समिति पदाधिकारी एवं श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

वोट चोरी के विरोध में कांग्रेसियों ने निकाली संविधान बचाओं आक्रोश रैली

कांग्रेसियों ने निष्पक्ष जांच एवं निष्पक्ष चुनाव की मांग को लेकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित विश्रामगृह से ब्लाक कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में 18 अगस्त को कांग्रेसियों के द्वारा वोट चोरी के मामले की निष्पक्ष जांच एवं निष्पक्ष चुनाव की मांग को लेकर संविधान बचाओं आक्रोश रैली निकाली गई। यह रैली विश्राम गृह से शुरू हुई और बस स्टैण्ड स्थित संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब के प्रतिमा स्थल पहुंची। जहां सभी कांग्रेसियों ने डॉ. बाबा साहेब के प्रतिमा में माल्यार्पण किया। जिसके बाद यह संविधान बचाओं रैली बस स्टैण्ड, आमाटोला, पांढरवानी, लालबर्रा के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए तहसील कार्यालय पहुंची। जहां नायब तहसीलदार को कांग्रेसियों के द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर वोटो की चोरी के मामले में निष्पक्ष जांच एवं निष्पक्ष चुनाव करवाने की मांग की है। इस संविधान बचाओं आक्रोश रैली के माध्यम से कांग्रेसियों के द्वारा केन्द्र की भाजपा सरकार एवं चुनाव आयोग के खिलाफ में नारे लगाते हुए वोटों की चोरी किस तरह से हो रहे है उसके बारे में लोगों को बताकर इसका विरोध करने की अपील की है। कांग्रेसियों ने बताया कि केंद्र सरकार के साथ मिलकर चुनाव आयोग वोटर लिस्ट में हेरफेर करके फर्जी मतदाताओं का नाम जोड़कर प्रधानमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी की मदद कर रहा है। जिससे यह एक तरह से लोकतंत्र की हत्या है और चुनाव आयोग व भाजपा के द्वारा फर्जी मतदाता जोड़कर महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश व हरियाणा सहित अन्य रा'यों के विधानसभा चुनाव में धांधली की गई है। वहीं जब हमारे नेता व वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के द्वारा अपने विपक्ष के लोगों के साथ वोटर लिस्ट में की गई धांधली के सम्पूर्ण तथ्यों व सबूत पेश किये गये है। उसके बावजूद चुनाव आयोग के द्वारा कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा है और राजनीतिक बयानबाजी की जा रही है। साथ ही यह भी बताया कि फर्जी मतदाताओं का नाम वोटरलिस्ट में जोड़कर भारतीय जनता पार्टी के इशारों में काम करके लोकतंत्र को खत्म करने का काम चुनाव आयोग के द्वारा किया जा रहा है जिसके विरोध में कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों के द्वारा संपूर्ण देश में विरोध प्रदर्शन व आक्रोश रैली निकाली जा रही है और इसके माध्यम से अपना आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को लालबर्रा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में कांग्रेसियों के द्वारा वोट चोरी मामले एवं संविधान बचाओं रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया है एवं महामहिम राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर चुनाव आयोग के द्वारा फर्जी मतदाताओं को जोड़कर वोटर लिस्ट तैयार करने पर वैधानिक कार्यवाही की मांग की है।

मोदी सरकार के इशारों पर काम कर रहा है चुनाव आयोग - कांग्रेसी

चर्चा में कांग्रेस कमेटी ब्लाक उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा, जनपद सदस्य देवेश गौतम, कमल शांडिल्य ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी के द्वारा संपूर्ण तथ्यों एवं सबूत के साथ चुनाव आयोग पर फर्जी वोटर लिस्ट तैयार करने एवं मतदाता जोड़कर चुनाव प्रवाहित करने की बात कही गई है। जिसे मौजूदा सरकार एवं चुनाव आयोग के द्वारा गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। जिसके विरोध में विपक्षी सांसदों के द्वारा विरोध प्रदर्शन भी किया गया था और सरकार के द्वारा लगभग 300 सांसदों को गिरफ्तार किया गया था। इस तरह से चुनाव आयोग पूरी तरह से मोदी सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। जबकि चुनाव आयोग को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए। साथ ही यह भी बताया कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर फर्जी वोटर लिस्ट तैयार कर भाजपा को लाभ पहुंचाने का काम किया जा रहा है जिससे लोकतंत्र की हत्या हो रही है, महामहिम राष्ट्रपति से मांग करते है कि वर्तमान में जो चुनाव आयोग काम कर रहा है उन्हे तत्काल बदला जाये एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करें एवं बेलेट पेपर से चुनाव करवाये।

ये रहे उपस्थित

संविधान बचाओं रैली एवं ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे, कमल शांडिल्य, जनपद सदस्य देवेश गौतम, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, नितिन साखला, दीपक तोमर, सुमित स्वामी, रामनाथ सोनी, पवन ठाकरे, संतोष पांडे, राजू पंचेश्वर, मकसुद खान, गणेश यादव, गोलु ब्रम्हे, पवन ठाकरे, बलेश राहंगडाले, दिनेश मरार, सतानंद दमाहे, तुलसीराम पंचेश्वर, गोंविद पटले, गुलाब चौधरी, भागचंद पटले सहित अन्य कांग्रेसीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खमरिया क्षेत्र में भक्तिभाव में साथ मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

खमरिया/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खमरिया सहित ग्रामीण अंचलों एवं ग्राम कोसमी में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा 16 अगस्त को देरशाम विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापना कर श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व भक्तिभाव एवं धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर श्रध्दालुओं के द्वारा अपने-अपने घरों में मूर्ति स्थापना एवं भगवान श्रीकृष्ण की फोटो की पूजा-अर्चना करने के साथ ही विभिन्न प्रकार के पकवान व लाई-चने का भोग लगाकर प्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही रातभर भजन-मंडल कार्यक्रम का आयोजन कर रतजागा भी किया गया एवं दुसरे दिन 17 अगस्त को सभी श्रध्दालु अपने-अपने घरों से प्रतिमा को लेकर ग्राम के चौक पहुंचे जहां से ग्रामीणजन एक साथ ग्राम स्थित नदी, नाले व तालाब पहुंचकर प्रतिमा विसर्जित किया। श्रध्दालुओं ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान श्रीकृष्ण का जन्माष्टमी पर्व धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 16 अगस्त को रात में भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापना कर रातभर आराधना की गई साथ ही विभिन्न प्रकार के पकवान बनाकर उसका भोग लगाया गया एवं 17 अगस्त को शाम 6 बजे सभी लोग अपने-अपने घरों में स्थापित प्रतिमा को घर के आंगन में निकालकर पूजा अर्चना करने के बाद ग्राम स्थित नदी, तालाब व नाले पहुंचे और प्रतिमाओं को विसर्जित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

अज्ञात जीव से वनरक्षक की पत्नी की मौत

परिजनों ने अस्पताल पर लगाए उपचार में लापरवाही का आरोप

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सिविल अस्पताल वारासिवनी में जहरीले जीव के काटने से वनरक्षक की पत्नी श्रीमती सपना परते की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती सपना परते को सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था। जिसमें सही उपचार नही मिलने से परिजनों के द्वारा अस्पताल में हल्ला कर स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप भी लगाया गया। मामले में पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर शव परिजनों को दे दिया है मामले में मर्ग जांच की जा रही है। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल के द्वारा उपस्थित होकर परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली गई। वहीं अस्पताल प्रबंधन से दस्तावेज मांग कर फटकार लगाई गई।

यह हैं मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार अशोक परते कोचेवाही के रहने वाले हैं उनके पत्नी सपना पति अशोक परते उम्र ४० वर्ष गांव में रहती थी। वह वारासिवनी वन विभाग में वनरक्षक के पद पर पदस्थ है उनके घर ग्राम कोचेवाही में १७ अगस्त की शाम करीब ६.३० बजे पत्नी सपना पति अशोक परते उम्र ४० वर्ष घर के देवघर में साफसफाई कर रही थी। तभी किसी के काटने से वह चिल्लाई और उन्हें हाथ में किसी जीव के द्वारा काटना दिखा। इसके बाद परिवार के द्वारा उन्हें सिविल अस्पताल वारासिवनी में लाकर भर्ती किया गया। जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई । इस दौरान परिजनों के द्वारा अस्पताल में हल्ला किया गया कि उनके द्वारा घटना के बाद तत्काल स्वास्थ हालत में अपनी पत्नी को लाया गया था। परंतु उनकी मौत कैसे हो गई इस सभी विषय को लेकर अस्पताल प्रबंधन पर भी परिजनों के द्वारा लापरवाही बरतने समय रहते उपचार नही करने का आरोप लगाया गया। इस दौरान घटना की जानकारी अस्पताल तहरीर के माध्यम से पुलिस को दी गई । जिस पर पुलिस ने रात्रि में अस्पताल में पहुंचकर घटना की जानकारी ली। वहीं शव को सुरक्षित रखवा दिया गया १८ अगस्त की सुबह आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर शव का पोस्टमार्टम कर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है।

अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही से मेरी पत्नि की मौत हुई है-अशोक परते

अशोक परते ने बताया कि मेरी पत्नी सपना परते को शाम ६.३० बजे सांप ने हाथ में काट लिया था जिसे ७ बजे करीब अस्पताल में लाया गया। नर्स ने कहा कि डॉक्टर को आने में एक घंटा लगेगा और उनके द्वारा इंजेक्शन लगाया गया आधे घंटे में डॉक्टर आए। सर्पदंश का इलाज सरकारी अस्पताल में है तो हम यहां आए थे हमने समय पर मरीज को लेकर आए पौन घंटा इलाज चला परंतु बचा नहीं पाए। ऐसे में मरीज कहां जाएगा इसमें अस्पताल की लापरवाही है ।रात ड्यूटी में विक्रम शरणागत डॉक्टर थे हम चाहते हैं कि ऐसी व्यवस्था किसी और को ना मिले मामले की जांच हो।

यहां का स्टाफअधिकांश नशे में होता है कई घटनाएं पूर्व में हो चुकी है-अभिषेक सुराना

अभिषेक सुराना ने बताया कि अस्पताल में कोई सुविधा नहीं है रिफर अस्पताल के रूप में इसे जाना जाता है। यहां का स्टाफअधिकांश नशे में होता है कई घटनाएं पूर्व में हो चुकी है हर बार नोटिस देकर इतिश्री कर ली जाती है। शिकायत बहुत सारे लोग करते है किंतु उसकी जांच भी यही लोग करते हैं और क्लीनचिट भी यही अपने आप को दे देते हैं। जिसके परिवार का व्यक्ति गया है उसे इस लापरवाही का दर्द पता है।

स्वस्थ महिला की मौत कैसे हो गई डॉक्टर की लापरवाही है-विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने बताया कि चिकित्सा की व्यवस्था सुधरे यह हमारी प्राथमिकता है एक महिला की मौत हो गई है। हम यहां पर आए और निरीक्षण किया है कैसा इलाज हुआ कौन से इंजेक्शन दिए गए यह जानकारी अभी मिली नहीं है। अस्पताल में हजारों लोग आते हैं कई कमियां है उसे पूरा करने के लिए कहा गया है। कल सीएचएमओ को भी बुलाया गया है इलाज की फाइल अभी थाने में है तो वह नहीं मिल पाई है क्यों स्वस्थ महिला की मौत हो गई इसमें डॉक्टर की क्या लापरवाही है यह जानना चाह रहे हैं। परिजनों ने तो अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाया है हम पुनः अस्पताल में आकर फाइल देखेंगे।

महिला की मौत का कारण पता नहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा-कमलेश झोड़े

बीएमओ डॉ कमलेश झोड़े ने बताया कि डॉ विक्रम शरणागत की ड्यूटी थी उन्होंने मुझे बताया कि महिला को किस जीव ने काटा है वह स्पष्ट नहीं था। मैं बाहर गया हुआ था डॉक्टर को मैंने फोन किया तो उन्होंने बताया कि ५ मिनट में वह पहुंच गए थे और उपचार भी चालू कर दिया गया था। इसी दौरान मौत हुई है महिला को स्वस्थ अस्पताल में लाया गया था। अब मौत का कारण अभी तो पता नहीं परंतु पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा।

धूमधाम से निकाली गई भगवान श्री कृष्ण की शोभायात्रा

बड़ी नहर में किया प्रतिमा का विसर्जन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जन्माष्टमी के पर्व पर भक्तों के द्वारा उपवास रखा गया और अपने.अपने घरों में भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना की गई। जहां १७ अगस्त को भगवान कृष्ण की प्रतिमाओं का विसर्जन तो किया गया। वहीं १८ अगस्त को नगर सहित क्षेत्र में विराजित आदमकद प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जिसमें नगर के वार्ड नंबर १२ स्थित खिला मुठिया से गोवारी समाज समिति के द्वारा भगवान श्री कृष्ण और राधा की प्रतिमा विराजित कर कृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई। जहां पर १६ अगस्त को प्रतिमा मूर्तिकार के यहां से बैंड बाजे पर लाई गई जिसकी स्थापना करने के उपरांत भक्तो के द्वारा तीन दिनों तक भक्ति भाव से पूजा अर्चना की गई। सोमवार को शोभायात्रा निकाली गई यह शोभायात्रा नगर के गोलीबारी चौक, आंबेडकर चौक, नेहरू चौक, जय स्तंभ चौक, बस स्टैंड, दीनदयाल चौक होते हुए लोक निर्माण विभाग ऑफिस के बाजू से बहने वाली बड़ी नहर पहुंची। जहां पर भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना कर प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस शोभायात्रा में बैंड बाजो और डीजे की धुन पर युवाओं ने जमकर नृत्य किया। वहीं सोसायटी शिव मंदिर से भी भगवान कृष्ण की शोभायात्रा विसर्जन के लिए निकाली गई। जिसे नगर के विभिन्न चौक चौराहा का भ्रमण करते हुए नहर पर प्रतिमा पहुंची जहां विधि विधान से पूजा अर्चना कर प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस शोभायात्रा में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,विधायक विवेक पटेल , नपा अध्यक्ष सरिता मनोज दांदरे, सदीप मिश्रा सहित अन्य लोग शामिल हुए। जिनके द्वारा समस्त लोगों को कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई देकर भगवान कृष्ण का आशीर्वाद ग्रहण कर क्षेत्र में सुख शांति समृद्धि के कामना की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाया

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी स्थानीय श्री राम मंदिर में स्थापित श्री राधा कृष्ण मंदिर को भव्य विद्युत साथ सजा से सुसज्जित कर जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से रात्रि १२ बजे मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तजनों की उपस्थिति में रितेश सिंह चौहान आर्केस्ट्रा ग्रुप के द्वारा भक्ति संगीत की देर रात तक समा बांधी गई। जिससे भक्ति संगीत में भक्त झूम उठे । इस ग्रूप में रितेश सिंह चौहान, रोशन सिंह चौहान ,श्रीमती सपना अमित सिंह बैस, श्रीमती पूजा वैष्णव, दीपक, सुरेश, अजय सहित अन्य कलाकारों ने अपनी आवाज का भक्ति संगीत के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव पर्व पर पुजारी रविशंकर दास वैष्णव के द्वारा भगवान का अभिषेक पूजन किया गया और महा आरती के साथ दूसरे दिन गोपाल काला का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के द्वारा दहीहंडी फोड़ी गई । इसी तरह नगर और क्षेत्र में लड्डू गोपाल की स्थापना घर.घर में की गई जहां पूजन पाठ कर दूसरे दिवस चंदन नदी के तट पर उन्हें विसर्जित किया गया। जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर लोगों ने एक दूसरे को बधाइयां देकर ढोल नगाड़ों के साथ श्री कृष्ण भगवान को विसर्जित किया।

चन्दन नदी पुल पर बने जानलेवा गड्ढे मरम्मत की दरकार

राहगीरों को हो रही परेशानी दुर्घटना की बनी हुई है संभावना

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के किनारे गुजरने वाली चंदन नदी पर बने पुल की हालत जर्जर हो गई है। जिसमें जानलेवा और खतरनाक गड्ढे भी बन चुके हैं जहां से आवागमन करना अब मुश्किल भरा हो गया है। लोगों को रोजाना कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वहीं दुर्घटनाओं में चोटिल भी होना पड़ रहा है। जहां मरम्मत किए जाने की दरकार बनी हुई है किंतु वर्तमान तक किसी भी जिम्मेदारों के द्वारा समस्या पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया है। जिसको लेकर आवागमन कर रहे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी अनुसार वारासिवनी नगर और ग्राम मेहंदीवाडा के बीच बहने वाली चंदन नदी पर यह पुल बना हुआ है। जो नगर को सीधे कम दूरी में महाराष्ट्र से जोड़ता है तो वहीं विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र को नगर मुख्यालय से जोड़ता है। जहां से हजारों लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं इसमें सर्वाधिक लोग महाराष्ट्र के लिए आना जाना करते हैं। तो वहीं छोटे.बड़े सभी प्रकार के वाहनों का भी आना जाना यहीं से लगा रहता है। ऐसे में यह पुल की स्थिति बहुत ज्यादा जर्जर और खस्ताहाल हो गई है। जिसमें दोनों तरफलोहे के एंगल के पास में डामर और कांक्रीट उखड़ गया है अंदर की सरिया दिखने लगी है। जो कभी भी दुर्घटना कर सकती है तो वहीं तेज रफ्तार वाहनों को अनियंत्रित भी कर देती है। उक्त स्थान पर छोटी दुर्घटनाएं कई बार हो चुकी है आवागमन कर रहे लोगों को हमेशा डर लगा रहता है। ऐसे में सभी के द्वारा पुलियां की मरम्मत करने की मांग की जा रही है।

प्रशासनीक अधिकारियों को इस पुल को बनाने ध्यान देना चाहियें-थानसिंह पटले

राहगीर थानसिंह पटले ने बताया कि यह वारासिवनी से नागपुर मार्ग है इस पर यह चंदन नदी का पुल बना हुआ है जो जर्जर हो गया है। जगह जगह गड्ढे हो गए हैं सरियां बाहर आ गई है बरसात के समय आने जाने में डर लगता है कि व्यक्ति कहीं भी गिर सकता है। कई साल से इसकी मरम्मत नहीं की गई है विभाग भी कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इसमें सबसे बड़ी आश्चर्य की बात है कि यहां से कलेक्टर ,एसडीएम सीईओ सहित तहसीलदार जैसे समस्त अधिकारी आना जाना करते हैं। उसके बावजूद यह समस्या उनके संज्ञान में नहीं है मतलब वह ध्यान नहीं देना चाहते हैं हमारी यही मांग है की मरम्मत होनी चाहिए।

पुल की हालत जर्जर और खस्ताहाल हो गई है-अजय नंदनवार

अजय नंदनवार ने बताया कि मैं मेहंदीवाड़ा रहता हूं रोजाना नगर मुख्यालय मेरा आना जाना है। इस चंदन नदी के पुल पर यहां जो गड्ढे हो गए यह सलाखें बहार आ गई है इससे हमें डर लगा रहता है। हमारे रोज आने जाने की रास्ता है इसलिए दुर्घटना तो हमारे साथ होती नहीं है । परंतु एक डर लगा रहता है कि कब यह सरिया किसी वाहन के टायर में घुसने से दुर्घटना हो सकती है। तीन स्थानों पर यह स्थिति बनी हुई है गड्ढे हो गए हैं डामर भी उखड़ गया है बहुत समस्या है विभाग को सुधार कार्य करवाना चाहिए।

सरपंच संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी सरपंच संघ के द्वारा जनपद पंचायत से रैली निकालकर तहसील कार्यालय पहुंचे । जहां अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी को ज्ञापन सौंप कर ग्राम पंचायत नरोड़ी सरपंच श्रीमती रेखा राणा के साथ ग्रामीण के द्वारा अभद्रता कर झूठे केस में फ साने की धमकी देने वाले पर कार्यवाही करने मांग की है। ज्ञापन में उल्लेखित हैं की ग्राम सरपंच श्रीमती रेखा मुन्ना लाल राणा को ग्राम के असामाजिक तत्वों के द्वारा महिला सरपंच ग्राम की प्रथम नागरिक को बलात्कार करने की धमकी, जातिसूचक नागरिक गाली गलौच व झूठे केस में फंसाने की धमकी दी गई। जिससे समस्त महिला सरपंचों की भावना आहत हुई है। हमारी मांग हैं की दोषी व्यक्ति पर कठोर से कठौर कार्यवाही करने की मांग की हैं।

दहेगांव की बेटी पार्ष्वा गणवीर बनेगी डॉक्टर, सागर मेडिकल कॉलेज में हुआ चयन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के प्रतिभावान विद्यार्थी हमेशा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने क्षेत्र का गौरव बढ़ाते हैं। इसी कड़ी में ग्राम दहेगांव, वार्ड नंबर-1 निवासी संतोष गणवीर और बिंदिया गणवीर की पुत्री पार्ष्वा गणवीर ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी पार्ष्वा अब बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज, सागर से एमबीबीएस की पढ़ाई करेगी। पार्ष्वा ने अपनी स्कूली शिक्षा नई दिल्ली के केंद्रीय विद्यालय, एनटीपीसी बदरपुर से पूरी की। 2023 में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने एक साल तक आकाश कोचिंग सेंटर और फिर फिजिक्स वाला से ऑनलाइन कोचिंग लेकर यह सफलता हासिल की। उनके पिता संतोष गणवीर, जो दिल्ली सरकार में प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक हैं, का सपना था कि उनकी बेटी डॉक्टर बने। पार्ष्वा ने कठिन परिश्रम कर इस सपने को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। ऑनलाइन कोचिंग के बारे में पूछे जाने पर पार्ष्वा ने कहा, एकाग्रता के साथ पढ़ाई हो तो ऑनलाइन या ऑफलाइन मायने नहीं रखता। उन्होंने रोजाना 4 घंटे ऑनलाइन कोचिंग के साथ 6-7 घंटे स्वअध्ययन किया। उनकी इस उपलब्धि ने साबित किया कि दृढ़ निश्चय के साथ कुछ भी असंभव नहीं है। इस सफलता पर परिवार, रिश्तेदारों, समाज और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने पार्ष्वा को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

आवारा कुत्तों की समस्या- सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष एक मुद्दा

भारत में अधिकांश बड़े मुद्दे—चाहे वे नीति से जुड़े हों या अधिकारों से—अंततः सर्वोच्च न्यायालय की चौखट तक पहुंचते हैं। आश्चर्य की बात है कि स्थानीय निकायों से जुड़े आवारा कुत्तों का मामला भी अब देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच गया है। यह न केवल नगरपालिका कानूनों की कमजोरी को दर्शाता है, बल्कि स्थानीय प्रशासन की अक्षमता को भी उजागर करता है। भारत में दुनिया में सबसे अधिक आवारा कुत्ते और बिल्लियां पाई जाती हैं। इसके साथ ही, भारत में रेबीज से होने वाली मौतों की संख्या भी विश्व में सबसे अधिक है—लगभग 36त्न। यह आंकड़े इस समस्या की गंभीरता और व्यापकता को दिखाते हैं, जो अब सिर्फ स्थानीय मुद्दा नहीं, बल्कि एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 और एनिमल बर्थ कंट्रोल (कुत्ते) नियम, 2001 जैसे कानून आवारा कुत्तों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करते हैं। ये कानून उनके स्थानांतरण, हटाने या मारने पर रोक लगाते हैं। हालांकि ये कानून मानवीय दृष्टिकोण से बनाए गए हैं, परंतु बढ़ती जनसंख्या और कुत्तों के हमलों के बीच ये कानून आम जनता की सुरक्षा से टकराने लगे हैं। 11 अगस्त को सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली और एनसीआर की सड़कों से सभी आवारा कुत्तों को हटाकर शेल्टर में रखने का आदेश दिया। इस आदेश के खिलाफ जानवरों के अधिकारों के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं और पालतू पशु प्रेमियों ने विरोध प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया के प्रसिद्ध पशु अधिकार कार्यकर्ता फिलिप वोलन ने भी चिंता जताते हुए कहा कि ऐसे शेल्टर यातना गृह बन सकते हैं। शहरी पालतू पशु प्रेमियों की प्रतिक्रिया भावनात्मक रूप से इस डर पर आधारित थी कि कहीं उनके पालतू 'रॉकी', जो घर के अंदर रहते हैं और अंग्रेजी कमांड जैसे कम, बैठो, शेक हैंड को समझते हैं, भी इस आदेश की चपेट में न आ जाएं। जबकि ग्रामीण 'टॉमी', जो पूरे गांव का हिस्सा है और खुले में घूमता है, उसे लेकर कोई चिंता नहीं जताई गई। इस आदेश पर तीखी प्रतिक्रिया के चलते, पहले दिए गए दो न्यायाधीशों के फैसले को रोक दिया गया और अब प्रधान न्यायाधीश ने तीन न्यायाधीशों की पीठ गठित की है। अब सभी पशु प्रेमियों को इस पर आने वाले अंतिम निर्णय का इंतजार है। यह पूरा प्रकरण शहरी मध्यम वर्ग की ताकत को भी दर्शाता है, जो मीडिया और न्यायालय के माध्यम से अपनी बात प्रभावी ढंग से उठा सकता है। लेकिन जरूरत इस बात की है कि यही वर्ग अन्य सामाजिक मुद्दों जैसे कि सड़क पर रहने वाले बच्चे, भिक्षावृत्ति, बेघर लोग, और सड़क सुरक्षा जैसे विषयों पर भी उतनी ही जागरूकता दिखाए। इन नागरिक समूहों को संस्थागत रूप देना चाहिए, ताकि ये न केवल जानवरों के लिए बल्कि अन्य जनहित मुद्दों के लिए भी आवाज़ उठा सकें और इनकी बात विधायकों तक पहुंचे, जिससे प्रभावी सार्वजनिक नीति बन सके। जो मुद्दा स्थानीय स्तर पर सुलझना चाहिए था, वह अब राष्ट्रीय बहस बन चुका है। जानवरों की सुरक्षा जरूरी है, लेकिन इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और प्रशासनिक क्षमता के साथ संतुलित करना भी उतना ही आवश्यक है। आखिरकार हमें भारतीयों को याद रखना चाहिए कि भारत एक महान लोकतंत्र भी है, जहाँ आवारा कुत्तों का मुद्दा भी सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ द्वारा सुना जाता है।

सादा जीवन उच्च विचार सहज, सरल जीवन की कुंजी है

कुदरत द्वारा रचित सृष्टि की 84 लाख़ योनियों में सबसे अनमोल बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व ख़जाना धारे मानवीय योनिं नें सृष्टि में अभूतपूर्व बौद्धिक क्षमता का प्रयोग कर इस सृष्टि को कहां से कहां पहुंचा दिया है। सूर्य, चंद्रमा, अग्नि, बारिश जैसे प्राकृतिक और कुदरती रचनाओं को भी आर्टिफिशियल बना दिया है,इतना ही नहीं एक आर्टिफिशियल रोबोट मानव भी बना दिया है बस अब एक कमीं रह गई है जो मानवीय मृत शरीर में जान फुकना और आर्टिफिशियल प्राकृतिक बच्चे प्रौद्योगिकी की तकनीकी पर बनाकर उसमें जान फ़ूककर जन्म देना रह गया है,मैं सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र माननाता कि मानवीय जीव यह कभी नहीं कर सकेगा।धन, माया, नाम शोहरत की खातिर मानव ने अपने चोबीस घंटे उसमें लगा दिए हैं जिसमें अपने जीवन को भारी तनावग्रस्त के समंदर में झोंक दिया है परंतु संतुष्टि फिर भी नहीं मिलेगी क्योंकि यह मार्ग ऐसा है कि इस पथ पर फिसलता ही चला जाता है और अंतिम लम्हों में सादा और सहज जीवन जीने की याद आती है तबतक सब कुछ निकल चुका होता है।

साथियों बात अगर हम मानवीय जीव की अभूतपूर्व प्रगति की करें तो इस विचारधारा ने अनेक सुख सुविधाओं के साथ दुख़, तकलीफों को भी जन्म दिया है जिसका जीता जागता उदाहरण है वर्तमान जलवायु परिवर्तन से होने वाली विनाशकारी तबाही,जिसके पीड़ति मानव के हृदय में यही बात आती है कि हमने प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया है अब प्रकृति हमारे साथ खिलवाड़ कर रही है,और मानसिक विचारधारा सादा जीवन उच्च विचार की ओर लौटने की सोच को रेखांकित करती है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार की करें तो यह सहज सरल जीवन की कुंजी है। सादगी से व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता, चेतना आती है। दृष्टिकोण में स्पष्टता, इच्छाओं का सही प्रबंधन कर संतुष्टि से खुशियों के द्वार खुलते हैं। मानव में द या ल ु त ा , सुविचार, मानवता, नम्रता झलकती है ऐसे मानवके समीप विक्कार जैसे द्वेष,अभिमान अहम, अहंकार जैसे अनेक विकारों को भी आने से डर लगता है क्योंकि यह रेखांकित करने वाली बात है कि जहां सादा जीवन रहेगा वहीं उच्च विचारों, गुणवत्ता, चेतना, संतुष्टि का निवास हो जाता है और जीवन सहज, सरलता खुशियों से लबालब हो जाता है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार के अर्थ को समझने की करें तो,सादा जीवन का अर्थहै अपनी सीमित आवश्यकताओं के अनुसार, न कि अपने असीमित लालच के अनुसार। सारा तनाव और तनाव इस सूत्र का पालन न करने का परिणाम है। आध्यात्मिक जीवन सादा जीवन उच्च विचार के अलावा और कुछ नहीं है। भगवत गीता कहती है कि सादा जीवन और उच्च विचार ही आर्थिक समस्याओं का समाधान है।जो व्यक्ति सादा जीवन जीने में विश्वास रखता है, वह न तो अपने लिए और न ही दूसरों के लिए समस्याएँ खड़ी करता है। जो व्यक्ति उच्च विचारों में लीन रहता है, वह वास्तव में निस्वार्थ व्यक्ति बन जाता है।

साथियों बात अगर हम सहज, सरल जीवन की करें तो बड़े -बुजुर्गों के मुंह से सुनते आए हैं- जीवन में शांति ज़रूरी है और शांति से रहना अपने हाथ में है। शांति तभी मिल सकती है, जब जीवन सरल हो। कन्फ्यूशियस का कथन है- जीवन बेहद सरल है लेकिन हम उसे जटिल बनाने पर आमादा रहते हैं। भारतीय संस्कृति में तो वैसे भी हमेशा से सादा जीवन उच्च विचारों को अहमियत दी गई है। यूं भी कोई अस्त-व्यस्त, भ्रमित, दुविधाग्रस्त और दबाव में नहीं रहना चाहता। भीड़ चाहे लोगों की हो या वस्तुओं की, इच्छाओं की हो या अपेक्षाओं की, व्यक्ति की एकाग्रता को भंग करती है और उसे जीवन के अधिक महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति उदासीन बनाती है। भीड़ में खुद को गुम होने से बचाने का प्रयास ही सहज-सरल जीवन की कुंजी है।

साथियों बात अगर हम सादगी की करें तो, सादगी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता आती है। जैसे ही उसके भीतर यह चेतना आती है कि जीवन में क्या और क्यों महत्वपूर्ण है, वह इच्छाओं का सही प्रबंधन करने लगता है। इससे दुविधाएं कम होती हैं और दृष्टिकोण में स्पष्टता आती है। समय-समय पर अपनी जरूरतों और इच्छाओं का आकलन करना जरूरी है। कई बार ऐसा भी होता है कि जिस चीज से आज सुविधा महसूस होती है, वही भविष्य में असुविधा का कारण बन जाती है। हो सकता है, बड़ा घर लेना आज किसी की ख्वाहिश हो मगर उम्र बढने के साथ यही घर असुविधाजनक हो सकता है क्योंकि वह इसका रखरखाव अच्छी तरह करने में असमर्थ होता है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार की करें तो, यह कहावत हमें सिखाती है कि हम अपने जीवन को और भी मूल्यवान बना सकते हैं सिर्फ व्यर्थ के धन और सामान आदि चीजों को नजरंदाज करके। ये हमें सच्ची खुशी और आतंरिक संतुष्टि प्रदान करता है।ये यह भी बताता है कि सच्ची खुशी हमारे विचारों में ही होती है ना कि किसी और चीजों में। ये हमें प्रेरित करती है कि हम अपनी जड़ों को पहचाने और किसी भी तरह के समृद्धि पाने वाले कार्य को नजर अंदाज करें। जीवन का सही मूल्य हमारे भौतिकवादी अधिग्रहण में नहीं है, बल्कि यह वह है जिसमें हम सोचते हैं, करते हैं, और प्रतिदिन हम कितने जीवन को छूते हैं।सादा जीवन उच्च विचार यह कहावत हमें इस बात के लिए प्रोत्साहित करती है कि हम अपने जीवन को समृद्ध के बजाय अधिक सार्थक बनायें। यहाँ जीने के साधारण तरीके से मतलब है जीवन जीने का एक सरल और गैर-महंगा मानक। हमें केवल सिर्फ उन चीजों के लिए ही चिंता करनी चाहिए जो हमारे जीवन के लिए बेहद आवश्यक है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सादा जीवन उच्च विचार भारतीय संस्कृति की हमेशा से ही नींव रही है।सादा जीवन उच्च विचार सहज सरल जीवन की कुंजी है।सादगी से व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता,चेतना आती है।दृष्टिकोण में स्पष्टता, इच्छाओं का सही प्रबंधन कर संतुष्टि से खुशियों के द्वार खुलते हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

186 वर्षों में कितनी बदल गई तस्वीरों की दुनिया ?

एक जमाना था, जब लोगों को फोटो खिंचवाने के लिए फोटो स्टूडियो तक जाना पड़ता था लेकिन अब छोटे से छोटे तबके के व्यक्तियों के पास भी कैमरे वाले फोन हैं, जिनसे बड़ी आसानी से कहीं भी और कभी भी तस्वीरें खींची जा सकती हैं और उन्हें सहेजकर रखा जा सकता है। फोटोग्राफी की दुनिया आज बिल्कुल बदल चुकी है। हालांकि यह अलग बात है हर जेब में मोबाइल होने और हर व्यक्ति के फोटोग्राफर बन जाने के बाद भी दुनियाभर में अच्छे फोटोग्राफर कम ही हैं। दरअसल एक अच्छा फोटो प्राप्त करने की पहली शर्त है आंखों से दिखाई देने वाले दृश्य को कैमरे की मदद से एक फ्रेम में बांधना, प्रकाश, छाया, कैमरे की स्थिति, उचित एक्सपोजर तथा उचित विषय का चुनाव करना इत्यादि। अच्छे फोटो के बारे में पेशेवर फोटोग्राफरों का कहना है कि कैमरे के फ्रेम में क्या लेना है, इससे ज्यादा किसी भी अच्छे फोटोग्राफर को इस बात का ज्ञान होना बेहद जरूरी है कि उसे फ्रेम के बाहर क्या-क्या छोड़ना है। कोई भी फोटो अच्छा क्यों होता है, इस तथ्य का सही ज्ञान ही किसी फोटोग्राफर को सामान्य से विशिष्ट बनाने के लिए पर्याप्त होता है। जब तक किसी फोटो में मानवीय संवेदनाएं नजर नहीं आएंगी, तब तक उसे बेहतर तस्वीर नहीं माना जा सकता। किसी भी फोटो में स्पष्ट दिखने वाली ऐसी ही मानवीय संवेदनाओं के कारण ही प्राय: कहा भी जाता है कि एक फोटो हजार शब्दों के बराबर होता है। इसलिए कोई भी फोटो तकनीकी रूप में कितना ही अच्छा क्यों न हो, वह तब तक सर्वमान्य नहीं हो सकता, जब तक कि वह मानवीय संवेदना को झकझोर न दे। किसी भी उत्पाद के प्रचार के लिए बनाए जाने वाले विज्ञापन को आकर्षक बनाने में भी एक अच्छे फोटोग्राफर का योगदान बहुत बड़ा होता है।

फोटोग्राफी के क्षेत्र में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने, फोटोग्राफी को लेकर विचारों को एक-दूसरे के बीच साझा करने, फोटोग्राफी के क्षेत्र में आने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने तथा विश्वभर के फोटोग्राफरों को एकजुट करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है, जो इस वर्ष 'मेरी पसंदीदा तस्वीर' थीम के साथ मनाया जा रहा है। दरअसल दुनियाभर में फोटोग्राफी के शौकीन ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्होंने फोटोग्राफी को ही अपना कैरियर बना लिया है। वास्तव में फोटोग्राफी दिवस उन लोगों को समर्पित है, जिन्होंने विशेष पलों को अपने कैमरे से तस्वीरों में कैद कर उन्हें सदा के लिए यादगार बना दिया। यह दिवस इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले ऐसे व्यक्तियों के कार्यों को स्मरण करने के अलावा भावी पीढ़ी को भी फोटोग्राफी में अपना कौशल दिखाने के लिए प्रेरित करता है। विश्व फोटोग्राफी दिवस की योजना की शुरुआत आस्ट्रेलियाई फोटोग्राफर कोर्स्के आरा द्वारा वर्ष 2009 में की गई थी और उसके बाद विश्व फोटोग्राफी दिवस पर 19 अगस्त 2010 को पहली वैश्विक ऑनलाइन फोटो गैलरी का आयोजन किया गया था। उस दिन दुनियाभर के 250 से भी ज्यादा फोटोग्राफरों ने अपनी खींची तस्वीरों के माध्यम से अपने विचारों को साझा किया था और 100 से भी ज्यादा देशों के लोगों ने उस ऑनलाइन फोटो गैलरी को देखा था। इसीलिए वह दिन फोटोग्राफी के शौकीनों और पेशेवर फोटोग्राफरों के लिए एक ऐतिहासिक दिन बन गया था।

'विश्व फोटोग्राफी दिवस' आज से करीब 186 वर्ष पहले फोटोग्राफी को लेकर घटी एक घटना की याद में मनाया जाने लगा। दरअसल जनवरी 1839 में फ्रांस में जोसेफ नीसपोर और लुई डागुएरे ने डॉगोरोटाइप प्रक्रिया के आविष्कार की घोषणा की थी, जिसे दुनिया की पहली 'फोटोग्राफी प्रक्रिया' माना जाता है। फोटोग्राफी शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द 'फोटोज' (प्रकाश) और 'ग्राफीन' (खींचने) से मिलकर हुई है। वर्ष 1839 में वैज्ञानिक सर जॉन एफ डब्ल्यू हश्रेल ने पहली बार 'फोटोग्राफी' शब्द का उपयोग किया था। फ्रांसीसी वैज्ञानिक आर्गो ने 7 जनवरी 1839 को फ्रैंच अकादमी ऑफ साइंस के लिए इस पर एक प्रोसेस रिपोर्ट तैयार की और फ्रांस सरकार ने यह रिपोर्ट खरीदकर 19 अगस्त 1839 को इस आविष्कार की घोषणा करते हुए इसका पेटेंट प्राप्त कर आम लोगों के लिए इस प्रक्रिया को मुफ्त घोषित किया था। इसीलिए 'विश्व फोटोग्राफी दिवस' मनाने के लिए 19 अगस्त का दिन ही निर्धारित किया गया। अपने आविष्कार के 186 वर्षों लंबे इस सफर में फोटोग्राफी ने अनेक आयाम देखे हैं।

सही मायनों में दुनियाभर की खूबसूरती को कैमरे में समेटकर उसे जब चाहें मन भरकर देखने का बेहतरीन जरिया है फोटोग्राफी। वास्तव में हमारे जीवन में फोटो ही ऐसी वस्तु हैं, जो पुरानी यादों को अपने भीतर समेटकर उन्हें बरसों तक जिंदा रखती हैं। मोबाइल कैमरे से ली जाने वाली सेल्फी का तो आज की युवा पीढ़ी पर जुनून सा छाया है लेकिन विश्व की पहली सेल्फी 186 वर्ष पूर्व अर्थात् वर्ष 1839 में ही ली गई थी और यह सेल्फी ली थी अमेरिकन फोटोग्राफर रॉबर्ट कॉर्नेलियस ने। उन्होंने अपने कैमरे को सैट करने के बाद लेंस कैंप को हटाकर फ्रेम में चलकर फोटो ली थी, जिसे अब सेल्फी कहा जाता है। हालांकि उस समय स्वयं कॉर्नेलियस को भी नहीं पता था कि उनके द्वारा उस अंदाज में खींचा गया वह फोटा भविष्य में सेल्फी के रूप में जाना जाएगा। कॉर्नेलियस द्वारा ली गई सेल्फी वाली वह तस्वीर आज भी यूनाइटेड स्टेट लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस प्रिंट में उपलब्ध है।

तकनीकी और वैज्ञानिक सफलता के इस दौर में फोटोग्राफी के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, जिनकी बदौलत अब कैमरे का एक बटन दबाने के बाद चंद पलों या मिनटों में बेहतरीन तस्वीर हमारे हाथ में होती है लेकिन तमाम तकनीकी प्रगति के बावजूद बेहतरीन क्वालिटी के प्रिंटर होने पर भी अच्छा फोटो प्राप्त करने के लिए फोटोग्राफी की कुछ बारीकियों का ज्ञान होना भी बहुत जरूरी है। वैसे फोटोग्राफी के आविष्कार ने मानव जीवन में बहुत क्रांतिकारी भूमिका निभाई है और यह इसी से समझा जा सकता है कि दुनिया के किसी भी कोने में खींचे गए चित्रों के माध्यम से अब पलभर में ही वहां के जनजीवन तथा घटनाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त हो जाती है। फोटोग्राफी का अनोखा आविष्कार न केवल दुनियाभर में लोगों को एक-दूसरे के बेहद करीब लेकर आया बल्कि इसी आविष्कार की ही बदौलत एक-दूसरे को जानने और उनकी संस्कृति को समझकर इतिहास को समृद्ध बनाने में भी बड़ी मदद मिली है।

- योगेश कुमार गोयल

गुलामी में भारत की हथकरघा उद्योग को नुकसान

भारत के गुलामी के दौरान ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत की हथकरघा संस्कृति को पूँजीपति के द्वारा कैसे नष्ट किया गया, इसके बारे में जानना आवश्यक है पुराने हस्तशिल्पों का ह्रास भारत के आर्थिक संक्रमण की सर्वाधिक नाटकीय घटना है। भारत में हस्तशिल्प उद्योग सदियों से फलता-फूलता आ रहा था। सत्रहवीं और अठारहवीं शताब्दी के आरंभ में भारत में निर्मित वस्तुएं विश्व प्रसिद्ध थीं। प्राचीनकाल से ही मिश्र वासियों, ईरानियों, चीनियों, यूनानियों, रोमनों, अरबों और यूरोपियनों ने भारत के साथ हस्तशिल्प में बने वस्तुओं के लिए व्यापारिक सम्बन्ध रखे। भारतीय हस्तशिल्प उत्पाद इन देशों में प्रशंसा और ईर्ष्या का कारण बना रहा। युगों तक इसके कारण भारत को "शानदार भारत" कहा गया। परन्तु भारत में जैसे-जैसे अंग्रेजों की राजनीतिक सत्ता में बढ़ोत्तरी हुई और जब उन्होंने भारत के आर्थिक जीवन में हस्तक्षेप करने शुरू किए, भारत के हस्तशिल्प उद्योगों का बड़ा ही आकस्मिक एवं सर्वग्राही विध्वंस होने लगा।भारतीय हस्तशिल्प उद्योगों में ह्रास के यद्यपि अनेक कारण रहे, परन्तु इसके कई कारण कतिपय रूप से महत्वपूर्ण हैं। जैसे इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप अंग्रेजों द्वारा भारत पर अपने औद्योगिक अर्थव्यवस्था को लादना, भारत में पुराने देशी दरबारों के संरक्षण का लोप, मशीन उद्योगों की शुरूआत, विदेशी शासन की भारत में स्थापना और उसका राजनीतिक दबाव, बिट्रेन की आर्थिक नीति जिसके तहत उसने भारत को मूल रूप से कृषि प्रधान बनाए रखने की कोशिश की, 1813 ई. का चार्टर एक्ट इत्यादि। अर्थशास्त्र का एक आधारभूत सिद्धांत है कि सहज श्रम से या औद्योगिक तकनीकों से वस्तुओं के उत्पादन में अपेक्षाकृत कम खर्च होता है। इस तरह मशीन उद्योगों के द्वारा कम समय में अधिक और सस्ते मालों की बिक्री प्रारंभ हुई, जिससे हस्तशिल्प से निर्मित वस्तुओं की मांग तथा बिक्री में कमी आई।मशीनीकरण से नुकसानरू हस्तशिल्प का विनाश अंग्रेजी सत्ता के राजनीतिक दबाव व विदेशी मशीन उद्योगों के सस्ते उत्पादनों के कारण हुआ। इसके परिणामस्वरूप हस्तशिल्प उद्योगों के कारीगरों की जीविका का साधन नष्ट हो गया। यद्यपि 1850 ई. के पश्चात भारत में आधुनिक उद्योगों की स्थापना भी हुई, परन्तु इतनी तेजी से नहीं कि

बेरोजगारी और बर्बादी के कगार पर पहुँचे कारीगरों और दस्तकारों को पूर्ण रोजगार मिल जाए।भारतीय हस्तशिल्पी अपने द्वारा निर्मित उत्कृष्ट किस्म की वस्तुओं को विदेश भेजते थे तो वहाँ भी केवल अभिजात और कुलीन वर्ग के लोग ही साधारणतया उसे खरीद पाते थे। इस प्रकार की सीमित मंडी तब और भी सीमित हो गई जब भारतीय वस्तुओं के प्रति विदेश में अवरोधक कानून बनाए जाने लगे। इसका भारतीय दस्तकारी व हस्तशिल्प पर बुरा प्रभाव पड़ा। रोजमर्रा की आवश्यकताओं का उत्पादन भारतीय हस्तशिल्प व दस्तकारी उत्पादन के विकास के लिए आवश्यक था, लेकिन इसे प्राथमिकता नहीं मिली।ब्रिटेन तथा अन्य देशों में मशीन से निर्मित सस्ती वस्तुओं की बाढ़ भारत के ग्रामीण इलाकों में हस्तशिल्प के पतन का मूल कारण था। रेलवे तथा परिवहन के अन्य साधनों के विकास से इस बाढ़ को फैलने में मदद मिली, क्योंकि अब ग्रामीण लोगों की पहुँच भी विदेशों में उत्पादित सस्ती वस्तुओं तक होने लगी। कारखानों में विकसित उत्पादन की सस्ती और लाभकारी तकनीक का मुकाबला हस्तशिल्प व दस्तकारी न कर सकी और प्राय: नष्ट हो गई। औद्योगिक क्रांति का दौररू इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप भारतीय हस्तशिल्प व दस्तकारी उद्योगों का जम कर विनाश हुआ। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने इंग्लैंड के उत्पादन को भारत में खपाने का प्रयास किया। 1813 ई. के कम्पनी चार्टर एक्ट के द्वारा जब भारत में कम्पनी के व्यापारिक एकाधिकार को लगभग समाप्त कर दिया गया तो भारतीय बाजारों में सस्ते दर की अच्छे किस्म की वस्तुओं की बाढ़ आ गई।इससे भारतीय हस्तशिल्प व दस्तकारी उद्योगों द्वारा बनाई गई वस्तुओं की बिक्री में भारी कमी आई। पूँजी की कमी, तकनीकी ज्ञान के अभाव आदि के कारणों से भारत औद्योगिकीकरण का लाभ न उठा सका और आर्थिक रूप से पिछड़ गया। ग्रामीण उत्पादन प्रणाली में मशीन का प्रयोग बढ़ने से भी हस्तशिल्प उद्योगों का ह्रास हुआ, मशीनों द्वारा स्वाभाविक रूप से बढ़ती मांग को पूरा किया जाने लगा।देशी रजवाड़े हस्तशिल्प उद्योगों के संरक्षक थे। उनके संरक्षण के समाप्त होने के कारण हस्तशिल्प में उत्पादित वस्तुओं के खरीददार समाप्त हो गए, जिसका दस्तकारी व हस्तशिल्प पर काफी बुरा प्रभाव पड़ा। ईस्ट इंडिया कम्पनी यद्यपि इन उद्योगों को प्रश्रय प्रदान कर सकती थी, परन्तु उसने अपने गृह राज्य के दबाव में आ कर ऐसा काम किया जो भारतीय हस्तशिल्प उद्योग के लिए अहितकर हुए। हस्तशिल्प व दस्तकारी उद्योगों का इसलिए भी विनाश हुआ कि अंग्रेजों की सीमा शुल्क नीति और परिवहन नियमन के तरीके भारत के हित के प्रतिकूल में थे, जिससे भारतीय व्यापारियों को व्यापार करने में अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। उदाहरण स्वरूप लार्ड लिंटन के शासनकाल में भारत में बनी कपास की वस्तुएं जो बाहर के देशों में भेजी जाती थी, उन पर अतिरिक्त शुल्क लगाया गया, जबकि भारत में इंग्लैंड से लाई कई कपास की वस्तुओं पर इस शुल्क को माफ कर दिया गया। इसके परिणामस्वरूप भारतीय वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि हुई, जबकि इंग्लैंड में बनी वस्तुओं के मूल्य में कमी। इससे भारतीय वस्तुओं की मांग पर काफी बुरा प्रभाव पड़ा, जिससे हस्तशिल्प उद्योग भी प्रभावित हुआ। भारतीय हस्तशिल्प और दस्तकारी उद्योगों के ह्रास का एक कारण इनके मंडी या बाजार का सीमित होना भी रहा, चूँकि भारत के हस्त शिल्प उद्योग मध्ययुगीन समाज के सीमित अभिजात्य वर्ग की पहुँच तक ही सीमित थे।ब्रिटेन की आर्थिक नीति के कारण भी परम्परागत हस्तशिल्प व दस्तकारी उद्योगों का विनाश हुआ। इस नीति के तहत भारत में नये उद्योगों को विकसित होने से रोका गया। क्योंकि भारत में नये उद्योगों के विकास से ब्रिटेन में उत्पादित वस्तुओं की भारत में खपत घट जाती। इसके अलावे एक अन्य कारण से भी ब्रिटेन ने भारत को मूलत: कृषि प्रधान बनाए रखने का प्रयास किया। चूँकि इंग्लैंड को अपने उद्योगों को चलाने के लिए भारतीय कच्चे मालों के उत्पाद की जरूरत थी। इस तरह भारत एक औद्योगिक राष्ट्र का कृषि प्रधान औपनिवेशिक उपयोग बन कर रह गया।महात्मा गांधी ने कभी कहा था, "सिर्फ यह कहना ही काफी नहीं है कि हस्तकरघा एक ऐसा उद्योग है जिसे पुनर्जीवित किये जाने की आवश्यकता है। बल्कि सबसे बड़ी आवश्यकता इस बात पर जोर देने की है कि यह हमारा केंद्रीय उद्योग है और अगर हमें अपनी ग्रामीण संस्कृति को वापस पाते हुए दोबारा स्थापित करना चाहते है तो हमें इस ओर भी ध्यान देना होगा।"चाहे वह कलाकारी हो, बुनाई या नक्काशी हो या फिर निर्माण और बढ़ईगीरी हो, जिन लोगों ने इन्हें तैयार करने में अपना अधिकतर समय बिताया होता है वही इस काम से मिलने वाली संतुष्टि को बेहतर तरीके से जान सकते हैं।

-संजय गोस्वामी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। सोमवार को माल की अक्षत के चलते किराना जिंसों में खोपरा गोला बाजार तेजी पर रहे। शक्कर में मजबूती रही। खाद्य तेलों में कीमतें कमजोर देखी गयी। तिलहन बाजार बने रहे। दलहनों में चना टिकाव पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खोपरे गोले में माल की अक्षत के चलते बाजार सुर्खी पर रहे। शक्कर में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में कीमतें कमजोर देखी गयी। तिलहनों में विशेष तेजी मंदी का अभाव रहा। दलहनों में चना पूर्वस्तर पर बना रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4250-4290, खोपरा गोला 315-350, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3700-3800, (160) 4200-4300, (200) 4700-4900, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1360-1380, मुम्बई 1390, राजकोट तेलिया 2165-2175, सोया साल्वेंट 1175-1185, सोया रिफाइंड 1240-1250, कपास्या 1325-1330, धूलिया 1330, कड़ी 1330,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1325-1330, मुम्बई पाम 1250-1255, मुम्बई सोया 1280,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7100-7300, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4750-4800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6300-6400, एवरेज 6100-6200, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6200-6250, एवरेज 6100-6150, मूंग देशी 7500-7600, पाला 7600-7700, चमकी 7700-7800, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 115200, चाँदी (99) 115100, टंच 114600, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 100200,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपया 20 पैसे की तेजी के साथ ही 87.37 रुपये पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी दिन रुपया 87.57 पर बंद हुआ था। आज सुबह रुपया तेजी और निवेशकों की सकारात्मक धारणा के चलते अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 20 पैसे की मजबूती के साथ 87.39 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.46 पर खुला और फिर 87.39 के स्तर पर पहुंचा, ये पिछले सत्र के बंद स्तर 87.59 से 20 पैसे ऊपर है। शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मुद्रा और शेयर बाजार बंद थे। कारोबारियों के अनुसार भारत और अमेरिका के बीच व्यापार शुल्क को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच बाजार सहभागियों ने सतर्क रुख अपनाया है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए साहस और पराक्रम में वृद्धि लेकर आने वाला है। व्यापार में कुछ उलझनें बनी रहेगी। मित्रों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आप कहीं घूमने-फिरने जाने की योजना बना सकते हैं। यदि आपको कोई जिम्मेदारी मिले, तो उसको लेकर आप ढील बिल्कुल ना दें और अपने कामों पर पूरा फोकस बनाएं। आपको अपने आलस्य को त्यागकर आगे बढ़ना होगा। विद्यार्थी किसी खेलकूद से संबंधित प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए धन के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आपका धन को लेकर हाथ भी खुला रहेगा और धन आगमन के रास्ते भी खुलेंगे, क्योंकि आप बिजनेस के साथ-साथ किसी दूसरे काम की भी तैयारी कर सकते हैं, लेकिन आप अपनी आंख और कान खुले रखकर काम करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आस पड़ोस में लोगों से आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सेहत में समस्याएं लेकर आएगा। आप यदि किसी बात को लेकर परेशान थे, तो आपकी वह समस्या भी दूर होगी। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। भाई-बहनों से आपकी खूब पटेगी और पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर भी आप एकमत रहेंगे। आप अपने दोस्तों के साथ कुछ सामाजिक गतिविधियों में भाग लेंगे।

कर्क- आज आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। आप अपने अनुभवों का पूरा लाभ उठाएंगे, लेकिन आप किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचें। विदेश जाकर व्यापार कर रहे लोगों को कोई अच्छा मौका मिलेगा। आप अपनी संतान की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। आप अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी में कार्यरत लोगों की सैलरी में इंक्रीमेंट हो सकता है। आपको कुछ अजनबी पर भरोसा करने से बचना होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। व्यापार में आपकी किसी योजना को लेकर आप परेशान थे, तो वह भी आपको बेहतर लाभ देगी। आप किसी के साथ पार्टनरशिप में हाथ मिला सकते हैं। वैवाहिक जीवन में नयापन आएगा, जिससे आप पुरानी समस्याओं को भूलकर आगे बढ़ेंगे। आपका रिश्ता और मजबूत होगा, लेकिन आपकी किसी बात को लेकर माताजी से आपकी झड़प हो सकती है, जिससे रिश्ते में कड़वाहट बढ़ेगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए कोर्ट-कचहरी से संबंधित मामले में सफलता दिलाने वाला रहेगा, लेकिन आप अपने धन का खास ख्याल रखें। यदि आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिले, तो आपको उसमें भी ध्यान देना होगा। आपको भगवान की भक्ति में खूब मन लगेगा और आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपको अपनी जल्दबाजी के कारण कार्यक्षेत्र में कोई गड़बड़ी हो सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपके कामों में कुछ नयी समस्याएं खड़ी हो सकती हैं, जिन्हें आप भाई व बहनों की मदद से मिलकर दूर करेंगे। आपकी जल्दबाजी की आदत के कारण समस्याएं बढ़ेंगी। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव पर मोहर लग सकती है। व्यापार कर रहे लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा। आपका कोई पारिवारिक मामला आपको टेंशन दे सकता है। आपकी कुछ नया काम करने की इच्छा जागृत हो सकते हैं। आपको किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचना होगा। आप मौज मस्ती के मूड में रहेंगे, जिससे आप अपने कामों को कल पर टालने की कोशिश करेंगे। लापरवाही आपकी समस्याओं को बढ़ा सकती है। आपको किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए धन धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। राजनीति में कार्यरत लोगों की किसी बड़े नेता से मुलाकात होगी, जिससे उनके छवि और निखरेगी। आप कार्यक्षेत्र में किसी पॉलिटिक्स का हिस्सा ना बने, नहीं तो इससे आपके विरोधी बढ़ेंगे और पारिवारिक रिश्ते में भी कड़वाहट खड़ी हो सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार पर संयम बनाए रखने के लिए रहेगा। आपको परिवार में बुजुर्गों का पूरा साथ मिलेगा, उनके आशीर्वाद से आप अपने कामो में आगे बढ़ेंगे और सिंगल लोगों की उनके साथी से मुलाकात हो सकती है। आप दोनों एक दूसरे को बेहतर जानने की कोशिश करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके कुछ विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं, जिनसे आपको सावधान रहने की आवश्यकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आप अपने खर्चों को लेकर थोड़ा योजना बनाकर चलें। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं और आप अपने किसी पुराने लेनदेन को लेकर यदि परेशान चल रहे थे, तो वह भी दूर होगा। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है।

मीन- आज का दिन व्यापार कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है, उन्होंने यदि किसी से पार्टनरशिप की थी, तो वह आपके व्यापार में अच्छा खासा ध्यान लगाएंगे, लेकिन आप योजनाओं में बदलाव थोड़ा सोच समझकर करें। आप किसी नए वाहन की खरीदारी के लिए कोई लोन अप्लाई कर सकते हैं। आप किसी अजनबी पर आंख मूंदकर भरोसा ना करें।

शब्दजाल - 7994

शब्द जाल में 10 जोड़ीदार शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

अ	ट	र	प	ट	र	धि	अ	र	प	अ
न	ग	क	म	इं	डो	ने	फ	ति	मा	ना
अ	दा	ल	ला	मा	ग	अं	रा	ह	प	प
आ	ग	ल	ब	जा	न	स	त	ह	अ	श
ना	न	अ	र	ग	न	मे	फ	का	ग	ना
जा	अं	न	र	व	ल	का	री	ह	र	प
ना	ज	ल	फ्रा	व	अ	ला	र	मा	म	ग
आ	र	पा	र	न	प	स	रा	ल	ग	ला
अ	पं	बा	अ	लं	न	र	ह	न	र	दे
र	ज	ति	मा	अ	द	ली	ब	द	ली	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	र	र

आना जाना, अदली बदली, अगर मगर, अंजर पंजर, अफरा तफरी, आर पार, अगल बगल, आनन फानन, अटर पटर अनाप शनाप

शब्दजाल - 7993 का हल

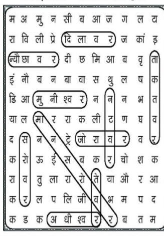

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6938

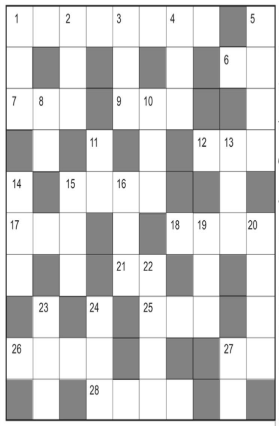

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिश्मा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6937

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

19 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

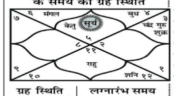

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	सिंह	05.28 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कन्या	07.44 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	09.55 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.09 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	14.25 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	16.31 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.17 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	19.50 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.20 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		वृष	23.01 बजे से
		मिथुन	00.59 बजे से
		कर्क	03.12 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 231 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि एकादशी 15.33 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 01.08 बजे को रात्र समाप्त।
योग वज्र 20.30 बजे को समाप्त।
करण बालव 15.33 बजे तदनन्तर कौलव 02.44 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 12° 45'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872441
जूलियन दिन 2460906.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर **तारीख** 24
विशेष अजा एकादशी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	05.53 से 07.22 बजे तक	काल	05.42 से 07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से 08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से 08.45 बजे तक
चर	08.15 से 10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से 10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से 11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से 11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से 01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से 01.19 बजे तक
काल	01.16 से 02.45 बजे तक	चर	01.19 से 02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से 04.13 बजे तक	रोग	02.51 से 04.22 बजे तक
रोग	04.13 से 05.42 बजे तक	काल	04.22 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: मनुष्य और ईश्वर

एक महात्मा गंगा तट पर प्रवचन कर रहे थे। भारी भीड़ जमा थी। चर्चा का विषय था-जीव और ब्रह्म की एकता। दोनों के संबंध का विश्लेषण करते हुए महात्मा ने कहा कि जीव ईश्वर का ही अंश है। जो गुण ईश्वर में हैं, वे जीव में भी मौजूद हैं। सुनने वालों में से एक ने पूछा, 'भगवन् ! ईश्वर तो सर्वज्ञ और सर्वशक्तिमान है, पर जीव तो अल्पज्ञ और अल्प सामर्थ्य वाला, फिर इस भिन्नता के रहते एकता कैसी?' यह सुनकर महात्मा जी मुस्कराए। फिर उन्होंने उस व्यक्ति से कहा, 'एक लोटा गंगाजल ले आओ।' वह व्यक्ति लोटे में गंगाजल जल भर लाया। फिर महात्मा जी ने उस व्यक्ति से पूछा, 'अच्छा यह बताओ कि गंगा के जल और इस लोटे के जल में कोई अंतर तो नहीं है?' वह व्यक्ति बोला, 'बिल्कुल नहीं।' महात्मा जी ने कहा, 'देखो, सामने गंगाजल में नावें चल रही हैं। एक नाव इस लोटे के जल में चलाओ।' यह सुनकर वह व्यक्ति भौंचक रह गया और महात्मा जी का मुंह ताकने लगा। फिर उसने साहस करके कहा, 'भगवन् लोटा तो छोटा है और इसमें थोड़ा ही जल है। इतने में भला नाव कैसे चलेगी।' महात्मा जी ने गंभीर होकर कहा, 'जीव एक छोटे दायरे में सीमाबद्ध होने के कारण लोटे के जल के समान अल्पज्ञ और अशक्त बना हुआ है। यदि यह जल फिर गंगा में लौटा दिया जाए तो उस पर नाव चलने लगेगी, इसी प्रकार यदि जीव अपनी संकीर्णता के बंधन काटकर महान बन जाए तो उसे ईश्वर जैसी सर्वज्ञता और शक्ति सहज ही प्राप्त हो सकती है।'

सूडोकू नवताल- 7247

★★★✯☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7246 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 8462

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. ......-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़ा-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -8461 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 676.09 अंकों की बढ़त के साथ ही 81,273.75 अंकों पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 245.65 अंकों की बढ़त के साथ ही 24,876.95 अंकों पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही बंद हुए। वहीं शेष सभी 10 कंपनियों के शेयर नीचे आये। इसी प्रकार निफ्टी 50 की 50 में से 38 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ऊपर आकर बंद हुए जबकि 12 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल मारुति सुजुकी के शेयर सबसे ज्यादा 8.94 फीसदी बढ़े। वहीं आईटीसी के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.26 फीसदी गिरे। आज सेंसेक्स की प्रमुख कंपनियों में बजाज फाइनेंस के शेयर 5.02 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 3.71 फीसदी, बजाज फिनसर्व 3.70 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.54 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 3.46 फीसदी, ट्रेंट 2.82 फीसदी, एशियन पेंट्स 2.29 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 2.08 फीसदी, टाइटन 1.86 फीसदीकी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, सोमवार को एलएंडटी के शेयरों में 1.18 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.02 फीसदी, एनटीपीसी 0.91 फीसदी, इंफोसिस 0.82 फीसदी, बीईएल 0.62 फीसदी, सनफार्मा 0.62 फीसदी की गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा की उछाल के साथ 81,315 पर खुला और । इसी तरह एनएसई का निफ्टी50 भी 315.85 अंक की बढ़त के साथ 24,947 पर कारोबार करता दिखा। बाजार में यह तेजी ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, फाइनेंशियल सर्विसेज और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में जोरदार खरीदारी के चलते देखी गई। आज एशियाई बाजारों में जापान और ताइवान के शेयरों में तेजी रही। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.7 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहा था। हांगकांग का हैंगसेंग 0.45 फीसदी ऊपर रहा। जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 1.23 फीसदी नीचे रहा। वहीं, अमेरिकी शेयर बाजारों में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई।

डेटा सुरक्षा और नवाचार के लिए भारत को स्वदेशी यूपीआई एप की जरूरत- एसबीआई

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के यूपीआई भुगतान क्षेत्र में फिलहाल कुछ बड़े तीसरे पक्ष एप्लिकेशन का प्रभुत्व है, जिनमें फोनपे, गूगल पे और पेटीएम शीर्ष स्थान पर हैं। जूलाई 2025 के आंकड़ों के अनुसार, फोनपे ने 8931 मिलियन लेनदेन और 12,20,141 करोड़ रुपये के मूल्य के लेनदेन किए हैं। इसके बाद गूगल पे ने 692.3 करोड़ लेनदेन और 8,91,297 करोड़ रुपये के लेनदेन किए, जबकि पेटीएम ने 136.6 करोड़ लेनदेन और 1,43,651 करोड़ रुपये के लेनदेन दर्ज किए। एसबीआई रिपोर्ट में बताया गया है कि इन प्रमुख प्लेटफार्मों पर विदेशी स्वामित्व या प्रभाव मौजूद है, जिससे यूपीआई डेटा कुछ बड़े खिलाड़ियों के पास केंद्रित हो गया है। इस स्थिति में देश के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए यह जरूरी है कि एक घरेलू, काउंटर इंट्यूटिव यूपीआई ऐप विकसित किया जाए, जो न केवल लेनदेन डेटा की सुरक्षा को सुनिश्चित करे, बल्कि फिनटेक नवाचार को भी भारत की जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुरूप बनाए। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि घरेलू यूपीआई ऐप की मौजूदगी से भारत को विदेशी प्रभाव से मुक्त होकर वित्तीय डेटा पर अधिक नियंत्रण मिलेगा। इससे देश की डिजिटल भुगतान प्रणाली की मजबूती के साथ-साथ वित्तीय स्वायत्तता भी बढ़ेगी। इसके अलावा, यह कदम भारतीय स्टार्टअप्स और फिनटेक कंपनियों को भी प्रोत्साहन देगा और नवाचार को बढ़ावा देगा।

केंद्र सरकार ने प्रस्तावित किए दो-स्तरीय जीएसटी सुधार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में बड़े सुधारों का प्रस्ताव संसद में पेश किया है, जो देश में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव लाएगा। सरकार ने 5 और 18 फीसदी की दो-स्तरीय कर दर लागू करने का सुझाव दिया है, जिससे मौजूदा 12 और 28 फीसदी की दरें समाप्त हो जाएंगी। इसके अलावा, कुछ अहितकर वस्तुओं पर 40 फीसदी कर दर जारी रहेगी। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, जीएसटी सुधारों के तहत मुआवजा उपकर को हटा दिया जाएगा और इनपुट टैक्स क्रेडिट प्रणाली को और सरल बनाया जाएगा। न्यायाधिकरणों को भी मजबूत किया जाएगा ताकि कर विवादों का समाधान बेहतर तरीके से किया जा सके। वर्तमान में पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में शामिल करने को फिलहाल टाला गया है, क्योंकि ऊर्जा क्षेत्र में अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। इस मामले पर सुधारों के अगले चरण में विचार किया जाएगा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में मंत्रियों के समूह इन प्रस्तावों की समीक्षा कर रहा है। अगर सभी राज्यों से सहमति मिलती है, तो ये सुधार जल्द लागू हो सकते हैं। वित्त मंत्रालय ने सीमेंट और वाहन उद्योग के लिए कर दर 28 से घटाकर 18 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा है, जिससे खपत बढ़ेगी, हालांकि इससे राजस्व में कमी आएगी।

नगर व क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की जयघोष के साथ किया प्रतिमाओं का विसर्जन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर व क्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी पर्व आस्था व श्रद्धा पूर्वक धूमधाम से मनाया गया । जन्माष्टमी पर्व पर घरों में 16 अगस्त को प्रतिमाएं स्थापित कर पूजा - अर्चना की गई एवं रात्रि जागरण किया गया । जन्मोंत्सव पर रात्रि में भगवान का अभिषेक कर भजनों की प्रस्तुति के साथ नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की .... गूंज के साथ पूजा अर्चना की गई । नगर के पुराने राम मंदिर व नये राम मंदिर में भी भगवान कृष्ण का झूला आकर्षक रूप से सजाकर जन्मोत्सव मनाया गया एवं प्रसादी का वितरण किया गया । इस दौरान रात्रि में जगह-जगह भजन मंडलियों द्वारा भजन - किर्तन के साथ भक्तों ने भक्तिभाव प्रस्तुत की । इस तरह नगर व क्षेत्र में धूमधाम जन्माष्टमी पर्व मनाया गया तथा 18 अगस्त को संध्या में प्रतिमाओं को बाजे गाजे के साथ विसर्जन किया गया । नगर में डीजे , धमाल के साथ शोभायात्रा निकालकर प्रतिमाओं का विसर्जन गणेशी तालाब में सार्वजनिक रूप से आरती - पूजन कर प्रतिमाओं को विसर्जन कर सबके मंगलमय जीवन की कामनाएं की गई । इसी तरह क्षेत्र के अनेक ग्रामों में भी तालाबों , नदियों एवं नहरों में देर शाम तक शांतिपूर्वक प्रतिमाएं विसर्जन करने का सीलसीला जारी रहा ।

लक्ष्मीकांता कॉलेज व भारत माता पब्लिक स्कूल में मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। श्री अन्नपूर्णा शिक्षण एवं कल्याण समिति द्वारा संचालित श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नॉलॉजी और भारत माता पब्लिक स्कूल, लांजी में 79वां स्वतंत्रता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर माँ भारती को पुष्प अर्पित कर वंदन किया गया और वीर शहीदों व महापुरुषों को नमन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. ताराचंद बड़घैया, समिति के सचिव व संस्था संचालक, ने प्रातः 7=30 बजे महाविद्यालय प्रांगण में ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गाया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती अर्चना रामटेक्कर (शिक्षाविद्), भारत माता पब्लिक स्कूल के संचालक बिनिस मैथ्यू व समस्त अध्यापकों का पुष्पगुच्छ के साथ स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. बड़घैया ने छात्र-छात्राओं को देशप्रेम, शिक्षा, कौशल और बौद्धिक विकास के लिए प्रेरित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई, जिसके बाद छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य, भाषण और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया, साथ ही उच्च शिक्षा विभाग के कार्यक्रम के लिए शीतल बसोने, आरजू सोमनकर और देवांश खरे को प्रशस्ति पत्र व उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में चितरंजन दमाहे ने आभार व्यक्त करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं और युवाओं को राष्ट्रभक्ति के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय व स्कूल के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। इस आयोजन को सफल बनाने में समस्त शैक्षणिक, अशैक्षणिक स्टाफ और छात्र-छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगॉव में हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगॉव में 15 अगस्त को 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम माँ सरस्वती, भारतमाता एवं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के छायाचित्र पर संस्था के संचालक ए.आर. कुशले पालक संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बेदरे के द्वारा दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। ततपश्चात राष्ट्रीय ध्वज की पूजा कर स्कूल की प्रधानपाठिका श्रीमती ममता कुशले के द्वारा सुबह 7.30 बजे ध्वजारोहण किया गया। स्कूल के स्काउड गाइड के छात्रो एवं समस्त शिक्षकगण, ग्रामवासीयो एवं स्कूली छात्रों के द्वारा ध्वज को सलामी दी गई। ध्वजारोहण के उपरांत स्कूली छात्र छात्राओं की प्रभात फेरी निकाली गई जो ग्राम पंचायत भानेगॉव से भ्रमण करते हुये बस स्टॉप भानेगॉव में गाँधी जी की प्रतिमा के सामने सामुहिक ध्वजारोहण किया गया। उपरोक्त कार्यकम में पालक संघ अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बेदरे, विजय पटले, उपाध्यक्ष प्रकाश पटले, रोहितलाल बिलघैया, सचिव भुमेश्वर तुरकर, गणेश बाहे, सहसचिव दुलीचन्द कावडे, खुशराज राहंगडाले महिला संघ समिति में अध्यक्ष श्रीमती सविता मिसारे, योगिता राहंगडाले उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का भरें, सुजाता रामटेके सचिव श्रीमती वर्षा पटले, सीमा इनवाती सहसचिव श्रीमती कविता कुशले, पदमा बिहोने एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं के साथ ग्राम के गणमान्य ग्रामिणों की उपस्थित रही ।

अवंती साधना मंच ने मनाया वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की 194वीं जयंती

लांजी (पद्मेश न्यूज)। अवंती साधना मंच द्वारा 16 अगस्त 2025 को लोधी गौरव वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी जी की 194वीं जयंती पर ग्राम बडगांव म के अवंती चौक में बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता डोंडूलाल लिल्हारे द्वारा किया गया तथा मुख्य अतिथि के रूप में अवंती साधना मंच के अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, विजय मस्करे पूर्व सरपंच चिचोली, धर्मेन्द्र सिंह बैंस पुलिस पटेल, कोमल भगत, डॉ टोमेश्वर बापूरे अध्यक्ष लोधी महासभा लांजी, राजेश मस्करे अध्यक्ष आलोक लांजी, चैनसिंह बैंस, चुन्नूलाल करायत, भरतलाल लिल्हारे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुवात वीरांगना रानी अवंतीबाई प्रतिमा पूजन,माल्यार्पण से किया गया। कार्यक्रम में तोमेश्वर बापूरे द्वारा अपने शब्दो में विरांगना रानी अवंतीबाई के जीवन परिचय को बताया गया तथा प्रमोद धामने द्वारा समाज की एकजुटता तथा संगठन की मजबूती पर जोर दिया गया। विजय मस्करे द्वारा वर्तमान में बच्चों के द्वारा के मोबाइल के अधिक प्रयोग के दुष्परिणाम और अन्य बुराइयों से कैसे बचे पर चर्चा किया गया, ऋषि पटेल दशरीया द्वारा अपने उद्बबोधन में समाज की एकजुटता, बुराइयों से दूर रहने की बात कही गई। कार्यक्रम में अवंती साधना मंच परिवार से साहेबदास दशरीया, भवनदास दशरीया, तोषण मस्करे, विष्णुदास दशरिया, मदन बनोठे, साथ ही ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में ग्राम समिति अध्यक्ष रामेश्वर लिल्हारे पूर्व सरपंच द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में ग्राम समिति के विजय दशरिया, रामप्रसाद चीखले, मनोहर चिखले, चंद्रशेखर लिल्हारे, लालजी लिल्हारे, जागेश्वर लिल्हारे, शुभम साउसकार, सिद्धू फुलमारे, राजकुमार लिल्हारे, राकेश लिल्हारे, निलेश लिल्हारे, शुभम लिल्हारे, राहुल चिखले, सागर लिल्हारे, जितेंद्र, नवीन, हिमांशु, कुणाल, अनुराग, सरोज, अक्षय, मधु, कुलदीप कचलरिया, प्रकाश लिल्हारे, समीर, का सहयोग रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन विजय लिल्हारे शिक्षक द्वारा किया गया।

एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगॉव में मनाया गया श्री कृष्ण जन्माष्टमी

विद्यार्थीयों ने सामूहिक गरबा नृत्य की प्रस्तुति देकर फोड़ी दही हांडी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगॉव में बलराम जयंती एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। विद्यालय के संचालक ए. आर. कुशले, प्रधानपाठिका श्रीमती ममता कुशले व पालक संघ अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बेदरे की अध्यक्षता में सर्वप्रथम माँ सरस्वती जी एवं बाल कृष्ण जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर मॉ सरस्वती जी की वंदना एवं श्री कृष्णजी की आरती के साथ कार्यकम का शुभांरभ किया गया। छात्राओं द्वारा कक्षावार राधा-कृष्ण अनेको मनमोहक झांकीयां, श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता, श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं, सामूहिक गरबा नृत्य एवं बालक बालिकाओं के अलग-अलग समूहों के द्वारा दही हांडी फोड़ का आयोजन किया गया। संस्था के संचालक ए.आर. कुशले एवं पालक संघ अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बेदरे के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, बाल लिलाओं एवं कृष्ण-सुदामा की मित्रता पर अपने व्याख्यान दिया गया। उपरोक्त कार्यकम में पालक संघ अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बेदरे, विजय पटले, उपाध्यक्ष प्रकाश पटले, रोहितलाल बिलधैया सचिव भुमेश्वर तुरकर, गणेश बाहे सहसचिव दुलीचन्द कावडे, खुशराज राहंगडाले महिला संघ समिति में अध्यक्ष श्रीमती सविता मिसारे, योगिता राहंगडाले उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का भरें, सुजाता रामटेके सचिव श्रीमती वर्षा पटले, सीमा इनवाती सहसचिव श्रीमती कविता कुशले, पदमा बिहोने एवं सहयोगी शिक्षक कमलेश ठाकरे, रोहित चंदेल, शुभम मेश्राम, सुरेन्द्र देवाहे, नरेन्द्र कटरे, सुनिता नखाते, सीमा येरपुड़े, रानू दखने, भागरता ठाकरे एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं की उपस्थित में सम्पन्न किया गया। कार्यकम के अन्त में सभी छात्र/छात्राओं को दही का प्रसाद वितरण किया गया ।

सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगाव में शान से लहराया तिरंगा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगाव लांजी में शान से तिरंगा ध्वज लहराकर 79 वा स्वतंत्रता दिवस मनाय गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य बी आर गुरदे, उपप्राचार्य प्रवीण साहु एवं गणमान्य अतिथियों द्वारा रार्ष्ट ध्वज पूजन एवं ध्वजारोहण कर किया गया। तदोपरांत विद्यालय के छात्र छात्राओं के द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई एवं देशभक्ति के नारों के साथ ग्राम का भ्रमण किया गया। तदोपरांत विद्यालय प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्राचार्य एवं गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं मां सरस्वती पूजन के साथ किया गया। विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया तथा विभिन्न प्रकार के देशभक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत बोलेगांव की सरपंच प्रतिमा अनिल भरतद्वाज,अशोक बापूरे पूर्व जनपद सदस्य, पीटीए अध्यक्ष रमेश आवरे,युवराज भटेर, चिन्तामन गोस्वामी सेवा निवृत शिक्षक, मूलचंद बापूरे, रमेश आवरे, भेरसिहं धामने, ग्राम पंचायत बोलेगाव उपसरपंच चित्ररेखा कालबेले एवं समस्त शिक्षक -शिक्षिकाए, सहशैक्षणिक स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिती रही।

शासकीय महाविद्यालय, लांजी में कृष्ण जन्माष्टमी का भव्य आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय, लांजी के सभागार में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव बड़े हर्षोल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. आर.आर. सोनवाने ने मां सरस्वती और भगवान श्रीकृष्ण के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और श्रीकृष्ण वंदना के साथ किया। मुख्य वक्ता आर.आर. टिकेश्वर ने भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोगी जीवन और उनके आदर्शों का अनुसरण करने पर बल दिया। प्रो. सुरेंद्र कुमार चिखले (समाजशास्त्र विभाग) ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन धर्म, नीति और कर्मयोग का संदेश देता है। उन्होंने आश्रम व्यवस्था के महत्व पर भी प्रकाश डाला। डॉ. गौतमा कठाने (अर्थशास्त्र विभाग) ने श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का उदाहरण देते हुए सच्ची मित्रता की महत्ता बताई। प्राचार्य प्रो. आर.आर. सोनवाने ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के आयोजन सांस्कृतिक चेतना और भारतीय परंपराओं को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण के गीता उपदेशों से प्रेरणा लेकर सत्य, धर्म और कर्म के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. डालेश कुमार विजयवार ने किया। आयोजन को सफल बनाने में नितेश मेश्राम, डॉ. ललित कामड़े, डॉ. बाऊ गोखले, शशांक पटले, ज्ञानदेव कुशले, जया कचवाहे, अंजली सोनी, रोशनी सोनवाने, लखनलाल बाहे, भागवत रघुवंशी, राहुल पारधी, हितेश बंसोड़, खेलन बाई, गीता बाई, समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राओं का विशेष योगदान रहा। अंत में डॉ. डालेश कुमार विजयवार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

ओबीसी पर सियासत भरपूर, पर आधी आबादी को अधूरा नेतृत्व

पिछड़ों को जिलों की कमान देने में भाजपा-कांग्रेस दोनों पीछे

भोपाल। मप्र कांग्रेस ने 71 शहर और ग्रामीण जिला अध्यक्षों में 12 ओबीसी नेताओं को जगह देने की जानकारी दी थी, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने सवाल पूछने पर दावा किया कि यह संख्या करीब 28 है। यदि 28 ओबीसी नेताओं की संख्या मान भी लें तो यह करीब 39 प्रतिशत ही होती है। हालांकि, अभी भी ओबीसी जिला अध्यक्षों को लेकर कोई अधिकृत आंकड़ा पार्टी ने नहीं दिया है। इसके अलावा 10 एसटी और 8 एससी वर्ग से हैं। वहीं, तीन अल्पसंख्यक और चार महिलाओं को भी मौका कांग्रेस ने दिया है।

वहीं, दूसरी तरफ भाजपा ने अपने 62 शहर और ग्रामीण जिला अध्यक्षों की सूची में 25 ओबीसी नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। यह कुल नियुक्तियों का लगभग 40 प्रतिशत है। पार्टी ने सामान्य वर्ग से 30 नेताओं (16 ब्राह्मण, 6 राजपूत, 8 वैश्य), अनुसूचित जनजाति (एसटी) से 4 और अनुसूचित जाति (एससी) से 3 नेताओं को भी जिला अध्यक्ष बनाया है। इसके अलावा, सात महिलाओं को जिला अध्यक्ष की कमान सौंपी। भाजपा ने ओबीसी और महिला दोनों को ही जिम्मेदारी देने में कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया।

महिलाओं को नेतृत्व में भाजपा आगे

कांग्रेस ने हाल ही में अपने 71 जिला अध्यक्षों (शहर और ग्रामीण) की सूची जारी की है। इसमें कांग्रेस ने 10 एसटी, 8 एससी, 3 अल्पसंख्यक और 4 महिलाओं को शामिल किया है। महिला प्रतिनिधित्व के मामले में भी भाजपा ने बाजी मारी है। जहां भाजपा ने 7 महिलाओं को जिला अध्यक्ष बनाया है, वहीं कांग्रेस ने केवल 4 महिलाओं को यह जिम्मेदारी सौंपी है।

मप्र में ओबीसी बड़ा वोट बैंक

मप्र में ओबीसी वोट बैंक को लुभाने के लिए दोनों पार्टियां पूरा जोर लगाती हैं। भाजपा 2003 से लगातार ओबीसी नेताओं को मुख्यमंत्री बनाती आ रही है। इनमें उमा भारती, बाबूलाल गौर, शिवराज सिंह चौहान और वर्तमान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस भी प्रदेश में ओबीसी, एससी, एसटी वर्ग के वोटरों को साधने के लिए अधिक प्रतिनिधित्व देने का दावा करती है, लेकिन जिला अध्यक्षों की सूची में ओबीसी नेताओं की पर्याप्त संख्या नहीं होने से सवाल खड़े हो रहे हैं।

50 प्रतिशत से अधिक है ओबीसी जनसंख्या

मप्र में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) नेताओं को जिला अध्यक्ष बनाने में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस को पछाड़ दिया है। राज्य में ओबीसी आबादी 50 प्रतिशत से अधिक होने के बावजूद, दोनों पार्टियां सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण देने का दावा करती हैं, हालांकि यह मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है।

स्वतंत्रता दिवस का उत्सव नहीं मानने दिया

- वन विभाग के वाहन चालक आंदोलन करेंगे।

भोपाल। वन विभाग वाहन चालक समिति की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लेकर आगामी रूपरेखा तैयार कर आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने की, संचालन प्रदेश सचिव राजू सिंह ने किया। मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि वन विभाग के वाहन चालक घनश्याम कटारे के साथ 14 अगस्त को वन विभाग के लिपिक सुधीर नेमा द्वारा मारपीट कर अभद्र व्यवहार किया गया है। जान से मारने की धमकी देकर 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना का बैनर वन भवन की बाउंड्री में लगाने से रोक दिया। वाहन चालकों को आजादी का उत्सव नहीं मानने दिया। देशद्रोह का काम किया। जिसकी शिकायत वन बल प्रमुख एवं थाना टीटी नगर में की गई है। लेकिन अभी तक करवाई नहीं की गई है। इस कारण वन विभाग के वाहन चालकों में रोष व्याप्त हो गया है। इस संदर्भ वाहन चालक ने बैठक आयोजित करके आंदोलन का निर्णय लिया है।इस संदर्भ में सोमवार को वन विभाग प्रशासन प्रमुख को दो सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया तथा मांग की गई की देशद्रोह का काम करने एवं वाहन चालक घनश्याम कटारे के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने वाले वन विभाग के लिपिक सुधीर नेमा को निलंबित किया जाए तथा उच्च स्तरीय जांच की जाए। यदि तीन दिवस के अंदर मांगों को मंजूर नहीं किया गया तो 21 अगस्त से आंदोलन शुरू किया जाएगा। बैठक में जेम्स एंथोनी, हीरा यादव, महेंद्र राव, घनश्याम कटारे, संतोष तिवारी, दिलीप नाथानी, नीरज मेहर, राजकुमार मीणा, ओम प्रकाश मिश्रा, राजेश कुशवाहा, राघवेंद्र नापित, इकबाल अली, गणेश डोयरे, सुरेंद्र रैकवार, मोहसिन खान, भगवान सिंह यादव, सोमदत्त, मनोज मालवीय, राजेश यादव आदि दर्जनों वाहन चालक शामिल थे।

डिफेंडर गाड़ी गिफ्ट की गई तब बनाया अध्यक्ष

भोपाल जिला अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर कांग्रेस नेता का प्रदर्शन, पार्टी के नेताओं पर लेनदेन का आरोप, कहा

भोपाल। मप्र कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की घोषणा के बाद लगातार विरोध देखने को मिल रहे हैं। राजधानी भोपाल में शहर और ग्रामीण दोनों ही अध्यक्षों को रिपीट करने पर प्रबल दावेदार मोनू सक्सेना ने विरोध में मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने पार्टी के नेताओं पर बड़ा आरोप लगाया। उनका आरोप है कि भोपाल के नए जिलाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना को लेनदेन कर पार्टी ने अध्यक्ष बनाया है। साथ ही जिला अध्यक्ष का भाजपा नेताओं से संबंध होने का भी आरोप लगाया। इस दौरान मोनू सक्सेना के समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की और प्रदर्शन आगे भी जारी रखने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी को खून से पत्र लिखेंगे। मोनू सक्सेना ने भाजपा से जुड़े हुए नेता को जिला अध्यक्ष बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने यहां तक कहा कि- डिफेंडर गाड़ी गिफ्ट की गई तब जिला अध्यक्ष बनाया गया है। दरअसल कांग्रेस हाईकमान ने प्रवीण सक्सेना को जिला अध्यक्ष बनाया है। कांग्रेस के पूर्व पार्षद मोनू सक्सेना ने कहा कि दो से तीन दिनों में सबूतों के साथ मीडिया के सामने पेश होऊंगा। भोपाल जिला अध्यक्ष भाजपा के स्लीपर सेल को बनाया गया है। शहर अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना और संजीव सक्सेना भाजपा से जुड़े हुए है। सुरेश पचौरी भाजपा में चले गए लेकिन उनके लोग आज भी कांग्रेस में पद पा रहे हैं। मोनू सक्सेना ने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए है। कहा कि एक बड़े नेता को डिफेंडर गाड़ी गिफ्ट की गई तब जिला अध्यक्ष बनाया गया, मुझे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने बताया है। उन्होंने कहा कि दो से तीन दिनों में सबूतों के साथ मीडिया के सामने पेश होऊंगा। भोपाल जिला अध्यक्ष भाजपा के स्लीपर सेल को बनाया गया है। शहर अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना और संजीव सक्सेना भाजपा से जुड़े हुए है। उन्होंने कहा कि सुरेश पचौरी भाजपा में चले गए लेकिन उनके लोग आज भी कांग्रेस में पद पा रहे हैं।

खून से पत्र लिखकर मांगेंगे न्याय

मोनू सक्सेना ने कहा कि प्रवीण सक्सेना और संजीव सक्सेना से मंत्री विश्वास के सम्बंध हैं। मंत्री विश्वास सारंग भोपाल जिला कांग्रेस को चला रहे हैं। उन्होने संगठन सृजन अभियान की सूची सार्वजनिक करने की मांग की हैं। सक्सेना का कहना है कि राहुल गांधी को खून से पत्र लिखकर न्याय की मांग करेंगे।

पार्टी फोरम में अपनी बात रखना चाहिए

गुना जिला अध्यक्ष बनने के बाद विधायक जयवर्धन सिंह बोले कि संगठन सर्जन को समझ नहीं रहे वो विरोध कर रहे हैं। तीन से चार बार विधायको को जिला अध्यक्ष बनाया है। पार्टी ने जिले के कद्दावर नेता को जिला अध्यक्ष बनाया है। ये राहुल गांधी ने पहले ही कह दिया था। जो लोग विरोध कर रहे है वो गलत है। विरोध करने वालों को पार्टी फोरम में अपनी बात रखना चाहिए। कई जगहों पर जिलाध्यक्ष दावेदारी नहीं कर रहे थे लेकिन उसके बाद बनाया गया क्योंकि वहां पर मजबूत लीडर चाहिए था। गुना का जिला अध्यक्ष बनाने से पहले मुझे संकेत मिले थे।

इस सत्र में यूजी में कम हुए एडमिशन

- कॉलेजों में 1.72 लाख सीटें रह गई खाली

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग की यूजी और पीजी की 6.50 लाख सीटों पर दो मुख्य चरण और दो अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इस सत्र में कुल 4.64 लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, जबकि 1.86 लाख सीटें अब भी रिक्त रह गई हैं। यूजी की 5.30 लाख सीटों में से 3.58 लाख पर ही प्रवेश हुए हैं। यानी 1.72 लाख सीटें खाली रह गईं। पिछले वर्ष 3.91 लाख विद्यार्थियों ने दाखिला लिया था। इस हिसाब से इस बार 33 हजार कम प्रवेश हुए हैं। यूजी की प्रवेश प्रक्रिया अब समाप्त कर दी गई है। वहीं, पीजी की 1.20 लाख सीटों में से अब तक 1.06 लाख पर दाखिले हो चुके हैं। 18 हजार सीटें अभी खाली हैं। पिछले साल पीजी में 1.15 लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था। रिक्त सीटों को भरने के लिए पीजी में एक और अवसर दिया जा रहा है।

सीएलसी के द्वितीय अतिरिक्त चरण की प्रक्रिया जारी

पीजी में प्रवेश 30 अगस्त तक स्नातकोत्तर (पीजी) कक्षाओं में प्रवेश के लिए सीएलसी के द्वितीय अतिरिक्त चरण की प्रक्रिया जारी है। विद्यार्थी मेजर/माइनर विषयों के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश के लिए 19 अगस्त तक पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे।

विनोद / 18 अगस्त 25

सारसी रिसोर्ट और सैलानी आईलैंड को चलाएंगे निवेशक

- एक को पीपीपी मॉडल और दूसरे को मैनेजमेंट मॉडल पर देने की तैयारी

भोपाल। मप्र में देशी और विदेशी पर्यटकों की संख्या साल दर साल बढ़ रही है। इसको देखते हुए एमपी टूरिज्म पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न प्रयोग भी कर रहा है। इसी कड़ी में राज्य सरकार प्रदेश के दो आइलैंड पर बने दो लग्जरी रिसॉर्ट के दरवाजे निजी निवेशकों के लिए खोलने जा रही है। एमपी टूरिज्म शहडोल के सरसी रिसॉर्ट को 60 साल के लिए पीपीपी मॉडल पर और खंडवा के सैलानी रिसॉर्ट को मैनेजमेंट मॉडल पर देने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले भोपाल स्थित लेकव्यू रेसीडेंसी (लेक व्यू अशोका) के लिए पीपीपी मोड पर देने के लिए टेंडर जारी हो चुके हैं।

गौरतलब है कि सरसी तो पिछले साल ही लॉन्च किया गया है, जबकि सैलानी सात साल पुरानी प्रॉपर्टी है। ये दोनों की लोकेशन आकर्षक हैं, इसके बावजूद दोनों प्रॉपर्टी घाटे में चल रही हैं। सारसी रिसोर्ट की शुरुआत 14 दिसंबर 2024 को हुई थी। यह शहडोल जिले में बाणसागर डैम के बैकवॉटर पर बना है। यह बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से 45, मैहर से 50 और सतना से 60 किलोमीटर की दूरी पर है। 35 हेक्टेयर में बन इस रिसॉर्ट की कुल लागत 29 करोड़ रुपए है। इसमें 10 एसी रूम, रेस्टोरेंट, कॉन्फ्रेंस हॉल, बोट क्लब, लॉन, हेलीपैड, जेटी और तीन घाट, ऑर्गनिक किचन गार्डन, वॉटर बाइक की सुविधाएं हैं। सैलानी आईलैंड की शुरुआत 24 मई 2017 को हुआ था। नर्मदा नदी पर बने इंदिरा सागर बांध के बैकवॉटर पर इसे विकसित किया गया है। यह इंदौर से 90 और ओंकारेश्वर से 12 किलोमीटर की दूरी पर है। यह 4 हेक्टेयर में बना हुआ है और इसकी कुल लागत 15 करोड़ रुपए है। इसमें 22 एसी कॉटेज, एक एसी सुइट, रेस्टोरेंट, कॉन्फ्रेंस हॉल, बोट क्लब, लॉन, हेलीपैड, जेटी और तीन घाट, ऑर्गनिक किचन गार्डन, वॉटर बाइक, प्ले एरिया की सुविधा है।

दिखाई जाएगी झलक

जानकारी के अनुसार ग्वालियर में 26-27 अगस्त को प्रस्तावित रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में इन्हें प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद अक्टूबर में भोपाल में होने वाले ट्रैवल मार्ट में भी निवेशकों को दिखाया जाएगा। एमडी मप्र राज्य पर्यटन विकास निगम डॉ. टी. इलैयाराजा का कहना है कि सरसी रिसॉर्ट आइलैंड को पीपीपी मोड पर 60 साल के लिए निवेशकों को दिया जाएगा। उसमें निवेशक मौजूदा प्रॉपर्टी और कोनिया टापू पर बने रूम और सुविधाएं जोड़ सकेंगे। वहीं सैलानी को मैनेजमेंट मोड में निवेशक को देंगे। मुनाफे के हिस्से से एमपी टूरिज्म का रेवेन्यू बढ़ेगा। दोनों प्रॉपर्टी एमपी टूरिज्म की रहेगी।

बिजली कंपनियों को लौटाने होंगे 376 करोड़

बिजली उपभोक्ताओं से अधिक वसूली पर नियामक आयोग सख्त

भोपाल। मप्र देश के सबसे अधिक बिजली उत्पादक राज्यों में शामिल है। लेकिन विडंबना यह है कि यहां के उपभोक्ताओं को कंपनियां विभिन्न तरह का घाटा दिखाकर महंगी बिजली देती हैं। इसके अलावा बिजली कंपनियां उपभोक्ताओं से एफपीपीएएस (फ्यूल एंड पॉवर पर्चेस एडजस्टमेंट सरचार्ज) के नाम पर भी हर साल अरबों रूपए की वसूली करती हैं। एक बार फिर से बिजली कंपनियों ने एफपीपीएएस वसूलने के लिए मप्र विद्युत विनियामक आयोग में याचिका दायर की है। इस पर आयोग ने सख्ती दिखाते हुए बिजली कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे उपभोक्ताओं के 376 करोड़ रूपए लौटाएं जो उन्होंने अधिक वसूली की है।

जानकारी के अनुसार, बिजली कंपनियां उपभोक्ताओं से एफपीपीएएस के नाम पर 2,137.35 करोड़ रुपए वसूलना चाहती हैं। इसको लेकर कंपनियों ने मप्र विद्युत विनियामक आयोग में याचिका दायर की थी। आयोग ने इस याचिका को खारिज कर दिया है। वहीं आयोग ने कंपनियों द्वारा 376 करोड़ की अधिक वसूली की सही ठहराया है। मप्र की बिजली कंपनियों और एमपीपीएमसीएल ने दावा किया है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में उन्हें ईधन और बिजली खरीद की लागत में 3,225.85 करोड़ रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी का सामना करना पड़ा, जबकि वे उपभोक्ताओं से सिर्फ 1,088.50 करोड़ रुपये ही एफपीपीएएस के रूप में वसूल पाई। इस आधार पर कंपनियों ने आयोग से 2137.35 करोड़ रुपये की और वसूली की अनुमति मांगी, लेकिन मप्र विद्युत नियामक आयोग ने कंपनियों का यह तर्क मानने से इंकार कर दिया।

मप्र विद्युत नियामक आयोग ने अपने 28 जून 2024 के आदेश में पाया कि कंपनियों ने उपभोक्ताओं से 376.28 करोड़ रुपये की अधिक वसूली की है। इसलिए यह राशि जुलाई 2024 से मार्च 2025 तक किस्तों में लौटाने का निर्देश दिया गया। बिजली कंपनियों ने इस आदेश की समीक्षा मांगते हुए कहा कि आयोग ने वास्तविक लागत वृद्धि की नजरअंदाज किया है, लेकिन आयोग ने साफ कर दिया कि टू-अप प्रक्रिया में लागत और एफपीपीएएस वसूली का पूरा समायोजन पहले ही किया जा चुका है। सिर्फ 11.69 करोड़ रुपये कैरीइंग कॉस्ट ही उपभोक्ताओं को लौटाना शेष है। याचिकाकर्ताओं बिजली कंपनियों ने दलील दी थी कि यदि उपभोक्ताओं से अधिक वसूली का रिफंड किया जाना है तो वह व्यक्तिगत उपभोक्ताओं के खातों में समायोजित होना चाहिए, लेकिन आयोग के आदेश में इसके लिए कोई स्पष्ट कार्यप्रणाली नहीं दी गई, जिससे आदेश लागू करना मुश्किल हो जाएगा।

दिल्ली में कांग्रेस जिला अध्यक्षों का होगा प्रशिक्षण

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के नव नियुक्त जिला अध्यक्षों को दिल्ली बुलाया गया हैं। दिल्ली में 24 अगस्त को एक दिवसीय ट्रेनिंग होगी। जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी शामिल होंगे। बिहार यात्रा से एक दिन ब्रेक कर जिला अध्यक्षों की मीटिंग लेंगे।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने जिलाध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर बड़ा दावा किया है। जयवर्धन सिंह, ओंकार सिंह मरकाम, प्रियव्रत सिंह जैसे पार्टी के दिग्गज नेताओं को जिला अध्यक्ष बनने के फैसले पर बड़ा खुलासा किया। बताया गया कि दिग्गज नेताओं को सीधे राहुल गांधी ने फोन कर जिला अध्यक्ष बनाए जाने की सूचना दी है। नेताओं की सहमति के बाद नाम जारी किए गए।

नियुक्ति में सेटिंग के आरोपों पर दिया जवाब

जीतू पटवारी ने कहा कि कुछ और बड़े नेता पूर्व मंत्रियों को भी दिल्ली से फोन गए थे। कई नेताओं ने असमर्थता भी जताई। कांग्रेस के अंदर दावेदारों के विरोध को लेकर पटवारी ने कहा कि सब पार्टी के सदस्य, उचित फोरम पर बात रख सकते हैं। पीसीसी चीफ ने जिला अध्यक्षों की नियुक्ति में सेटिंग के आरोपों पर कहा कि इसमें मेरा कोई हस्तक्षेप नहीं है। प्रभारी की फीडबैक के बाद ही नियुक्ति की गई है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान के तहत 71 शहर और जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की। भोपाल में प्रवीण सक्सेना को एक बार फिर शहर अध्यक्ष की कमान सौंपी गई है।

आर्यमन सिंधिया बन सकते हैं एमपीएससी के चेयरमैन

भोपाल। मप्र क्रिकेट एसोसिएशन की कमान सिंधिया परिवार की तीसरी पीढ़ी संभाल सकती है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महान आर्यमन सिंधिया एमपीएससी के चेयरमैन बनाए जा सकते हैं। दरअसल, एमपीएससी अध्यक्ष के लिए महान आर्यमन सिंधिया अकेले दावेदार हैं। किसी ने फॉर्म नहीं भरा तो महान आर्यमन निर्विरोध निर्वाचित कर दिए जाएंगे। 2 सितंबर को एमपीएससी की एजीएम में इसकी घोषणा होगी। जानकारी के अनुसार, मप्र क्रिकेट एसोसिएशन के त्रिवार्षिक चुनाव 2 सितंबर को इंदौर के होलकर स्टेडियम में होंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मध्यप्रदेश आने का निमंत्रण

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पार्लियामेंट हाउस नई दिल्ली में सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुलाकात कर मध्यप्रदेश आने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में हाल ही में होने वाले किसान सम्मेलन और भोपाल मेट्रो ट्रेन का शुभारंभ करने प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिवादन किया।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगीकरण का वातावरण चल रहा है। इस दिशा में स्वदेशी का अभियान भी पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। आत्मनिर्भर भारत बनाने की कड़ी में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लक्ष्य है कि स्वदेशी अभियान के तहत गुणवत्तायुक्त उत्पाद बनाए जाए। इसके लिए हम सबको अधिक काम करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पिछले सवा साल से औद्योगीकरण का प्रदेश में बड़ा अभियान चलाया जा रहा है, जिसके फलस्वरुप 30 लाख करोड़ से अधिक के एमओयू किए जा चुके हैं। इसमें 21 लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में इसी क्रम से राज्य सरकार काम करती रहेगी और निरंतर विकास की राह पर अग्रसर होती रहेगी।

मध्य प्रदेश के आगर में बनेगा एंटी वेनम सेंटर

भोपाल। भारत में दूसरा एंटी वेनम सेंटर मध्य प्रदेश के आगर जिले में बनने जा रहा है। पहला सेंटर तमिलनाडु में है। इस वेनम सेंटर में दक्षिण के राज्यों में पाए जाने वाले सांपों के जहर का विश्लेषण और विष एकत्रित करने का काम किया जाता है।

मध्य भारत में जो सांप पाए जाते हैं। उनके लिए आगर जिले में दूसरा एंटी वेनम सेंटर तैयार किया जा रहा है। उत्तर भारत और दक्षिण भारत के राज्य में सांप की प्रजाति अलग-अलग हैं। इनसे जो विष मिलता है, वह भी अलग है। इसका असर भी अलग तरीके का होता है।

आईएसआई मानक आधारित लैब में सांपों के जहर से जुड़े अनुसंधान और स्टेट स्पेसिफिक एंटी वेनम सीरम तैयार करने का काम यह संस्थान करेगा। इस केंद्र से मध्य प्रदेश राजस्थान और गुजरात के सांपों का विष एकत्रित करके उससे सीरम तैयार किया जाएगा।

आगर में सपेरा समुदाय की बहुत बड़ी प्रजाति रहती है। इस केंद्र में एक साथ 300 से अधिक सांपों को रखा जाएगा। मध्य प्रदेश में वर्ष 2023- 24 में लगभग 11000 लोग सर्प दंस के शिकार हुए हैं। 1971 लोगों की मौत सर्प दंस के कारण हुई है।

इस केंद्र के खुलने से लगभग 300 लोगों को रोजगार मिलेगा। इस केंद्र को खोलने के लिए भूमि का चयन हो चुका है।

डॉ मुकेश इंगले के अनुसार एक छोटा बच्चा सर्प दंष का शिकार हो गया था। उस पर सीरम ने कोई असर नहीं दिखाया। 50 से अधिक एंटी वेनम इंजेक्शन लगाए गए थे। उसके बाद भी उसे पर कोई असर नहीं हुआ।

उसके बाद उत्तर भारत और दक्षिण भारत के लिए अलग-अलग सीरम बनाने की योजना शुरू करने के लिए यह सेंटर शुरू किया जा रहा है। अभी दक्षिण भारत मैं एकत्रित किए गए विष से एंटी वेनम सीरम तैयार किया जा रहे थे। अब उत्तर भारत के विष धरों के विष का विश्लेषण करके नए सीरम को तैयार किये जायंगे। जो उत्तर भारत के राज्यों में प्रयोग में लाये जाएंगे।

मध्यप्रदेश में किसानों के हित में इस्तेमाल होने वाले पैसे से सहकारी गाड़ियों में भरा गया पेट्रोल

भोपाल। मध्यप्रदेश में किसानों के लिए जारी होने वाले फंड में घपलेबाजी की बात सामने आई है। यह खुलासा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने मध्य प्रदेश विधानसभा में किया। कैग के मुताबिक किसानों के कल्याण के लिए बनाया गया उर्वरक विकास कोष, सरकारी अधिकारियों की कारों के लिए एक तरह का ईंधन टैंक बना है। यानी जो पैसा प्रदेश के किसानों के हित में खर्च होना था, उसका इस्तेमाल अधिकारियों की गाड़ी में ईधन भरने, ड्राइवरों के वेतन देने जैसे कामों में खर्चों हुआ है। कैग की रिपोर्ट के अनुसार साल 2017-18 से 2021-22 तक, तीन राज्य सरकारों में 5.31 करोड़ रुपये का फंड जारी किया। इस फंड का 90 फीसदी यानी 4.79 करोड़ रुपये राज्य और जिला स्तर पर सरकारी गाड़ियों, ड्राइवरों के वेतन और रखरखाव पर खर्च हुआ। इस तरह किसानों को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान फर्टिलाइजर में मिलने वाली सब्सिडी, ट्रेनिंग या खेती से जुड़ी मशीनें खरीदने जैसे लाभ पर केवल 5.10 लाख रुपये ही खर्च हुए हैं। सिर्फ राज्य स्तर पर 2.77 करोड़ रुपये खर्च किए गए, इसमें केवल 20 वाहनों पर 2.25 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि खर्च की गई। कैग ने कहा कि उर्वरक विकास कोष (एफडीएफ) का मूल उद्देश्य किसानों को जरूरी सहायता मुहैया करना, पीएसीएस यानी लोन देने वाली समितियों को मज़बूत करना और फर्टिलाइजर को रैगुलेट में सुधार करना था।

गावसकर सहित पांच कप्तानों ने दिलायी है भारतीय टीम को एशिया कप ट्रॉफी

मुम्बई। एशिया कप अगले माह शुरु होने जा रहा है। इससे प्रशंसकों को एक बार फिर टी20 क्रिकेट का रोमांच देखने को मिलेगा। एशिया कप भारतीय टीम ने सबसे अधिक 8 बार जीता है। वहीं श्रीलंका ने 6 जबकि पाकिस्तान ने 2 बार ये खिताब अपने नाम किया है। भारतीय टीम को ये कप सबसे पहले सुनील गावस्कर की कप्तानी में मिला था। उसके बाद से ही 5 कप्तानों में इसमें जीत मिली है। 1984 में शुरु हुए एशिया कप का पहला खिताब भी भारत ने जीता था, वहीं 2023 में हुए आखिरी संस्करण में भी भारत विजयी रहा था। भारतीय टीम को इन कप्तानों ने दिलायी है जीत

सुनील गावस्कर-

सुनील गावस्कर एशिया कप का खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बने। उन्होंने यह उपलब्धि 1984 में अपने नाम की। तब भारतीय टीम ने खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी जीती। तब केवल तीन टीमों -भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका ही इसमें शामिल थीं।

दिलीप वेंगसरकर-

वहीं दिलीप वेंगसरकर की कप्तानी में भारतीय टीम ने दूसरी बार 1988 में एशिया कप जीता। इस बार टूर्नामेंट में 4 टीमों ने हिस्सा लिया था और चौथी टीम बांग्लादेश की थी। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 6 विकेट से धूल चटाई थी। नवजोत सिंह सिद्धु ने तब 76 रनों की मैच विजेता पारी खेली थी।

मोहम्मद अजहरुद्दीन-

1988 से 1995 तक एशिया कप पर भारत के पास रहा। इस दौरान कुल तीन बार टूर्नामेंट का आयोजन हुआ। 1988 के बाद मोहम्मद अजहरुद्दीन ने एशिया कप 1991 में टीम इंडिया की कमान संभाली और चैंपियन बनाया, इसके बाद उनकी अगुवाई में भारत ने 1995 में फिर से जीती। इसी के साथ मोहम्मद अजहरुद्दीन ऐसे पहले कप्तान बने जिनकी कप्तानी में भारत ने दो बार एशिया कप जीता ।

महेन्द्र सिंह धोनी

1991 और 1995 में लगातार दो एशिया कप के खिताब जीतने के बाद तो भारतीय टीम को 1997, 2000, 2004 और 2008 में भारत को लगातार हार का सामना करना पड़ा। वहीं 2004 और 08 के तो फाइनल में उसे श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2010 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम फिर विजेता बनी। धानी की कप्तानी में भातीय टीम ने 15 साल बाद फिर ये खिताब जीता। धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने साल 2016 में टी20 प्रारुप में हुए एशिया कप को जीता।

रोहित शर्मा के नाम भी दो ट्रॉफी

2018 और 2023 में रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने एशिया कप सातवी ओर आठवीं बार जीता। साल 2018 में भारतीय टीम ने बांग्लादेश जबकि 2023 में श्रीलंका को हराया था।

फिट और बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ही प्राथमिकता दें - मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अगर लगातार दो से अधिक मैच नहीं खेल सकते तो उन्हें मुख्य गेंदबाजी आक्रमण में जगह न देते हुए आराम दिना चाहिये। मांजरेकर के अनसार फिट और बेहतर प्रदर्शन करने के इच्छुक खिलाड़ियों को ही पहले प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि मेरे लिए, मैच फिट, उत्साही, और प्रदर्शन करने के इच्छुक खिलाड़ी पहले आते हैं और इन्हें बड़े खिलाड़ियों से पहले टीम में जगह देनी चाहिये। मांजरेकर ने ये बातें बुमराह के कार्यभार प्रबंधन के कारण टीम के लिए लगातार उपलब्धि न रहने को देखते हुए कही है।

बुमराह हाल में समाप्त हुई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में केवल तीन मैच ही खेले। ये भी संयोग रहा कि जिन मैचों में भी वह शामिल नहीं थे। उसमें टीम को जीत मिली। मांजरेकर ने इसी को लेकर कहा, खेल हमेशा हमें आईना दिखाएगा, चाहे हम चीजों को कितना भी बेहतर बताने का प्रयास करें।भारत ने जिन दो टेस्ट मैचों में जीत हासिल की, वे दो मैच थे जिनमें बुमराह नहीं खेले इस सीरीज ने उन्हें और हमें भी एक बड़ा सबक सिखाया है, भारत ने जिन दो टेस्ट जीत हासिल कीं उसमें युवा खिलाड़ी ही शामिल थे। संजय ने आगे कहा, इस बार टीम में विराट कोहली , रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी नहीं थे। इसने हमें खेल ने बताया कि इसी तरह भारत को बुमराह को संभालना चाहिए। अगर वह लगातार दो से अधिक मैच नहीं खेल सकते या कभी-कभी एक से भी अधिक नहीं खेल सकते, तो उन्हें मुख्य टीम में नहीं होना चाहिए। पूर्व क्रिकेटर ने जोर देकर कहा कि फिट और प्रदर्शन करने के इच्छुक खिलाड़ियों को बड़े नामों से पहले प्राथमिकता दी जानी चाहिए. मेरे लिए, मैच फिट, उत्साही, खेलने और प्रदर्शन करने के इच्छुक खिलाड़ियों को किसी भी दिन एक उच्च कुशल खिलाड़ी से पहले चुना जाना चाहिए।

बल्लेबाजों का ध्यान भटकाने ब्रश तक नहीं करते थे इंग्लैंड के विकेटकीपर जैक - टफनेल

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर फिल टफनेल ने एक ऐसा खुलासा किया है जिससे लोग हैरान हो गये हैं। टफनेल के अनुसार उनके समय में विकेटकीपर जैक रसेल की एक अजीब आदत थी। जैक कई दिनों तक अपने दांतों को ब्रश तक नहीं करते थे। रसेल के अनुसार जैक ऐसा इसलिए करते थे ताकि बल्लेबाज को उनके मुंह से आ रही दुर्गंध से परेशान हो और वह अपना विकेट खो दे। टफनेल ने कहा कि कि जैक जानबूझकर कई दिनों तक अपने दांतों में ब्रश नहीं करते थे। जब उनसे इसका कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह ऐसा इसलिए करते थे ताकि उनकी मुंह की बदबू से सामने क्रीज पर मौजूद बल्लेबाज का ध्यान भटक जाए और वह सही से खेल न पाए। रसेल के अनुसार इस तरह की हरकतों से भी मैच का रुख पर प्रभाव पड़ता था कयोंकि इससे उनके गेंदबाज को सहायता मिलती थी।

बीच के ओवरों में अपनी अच्छी बल्लेबाजी के कारण उपयोगी रहेंगे

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को अगले माह होने वाले एशिया क्रिकेट टूर्नोमेंट के लिए टीम में शामिल किये जाने की मांग की है। एशिया कप अगले माह संयुक्त अरब अमीरात में खेला जाएगा। चोपड़ा ने कहा कि श्रेयस मध्यक्रम के एक भरोसेमंद बल्लेबाज हैं। वह बीच के ओवरों में अपनी अच्छी बल्लेबाजी के करण उपयोगी रहेंगे। चोपड़ा ने कहा, श्रेयस ने चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार बल्लेबाजी की थी। बीच के ओवरों में उनसे बेहतर कोई भारतीय बल्लेबाज नहीं रहा। वह विपक्षी टीम पर आक्रमण कर रहे थे। वह जब चाहें बाउंड्री लगा रहे थे और दूसरे छोर पर खेल रहे बल्लेबाज पर से दबाव कम कर रहे थे।

चोपड़ा ने यह भी कहा कि श्रेयस ने आईपीएल 2025 में भी जबरदस्त प्रदर्शन कर टी20 में अपने को साबित किया था। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, आईपीएल में काफी दबाव के बाद भी श्रेयस के लिए सत्र काफी अच्छा रहा। हमने बार-बार देखा है कि टी20 टीम का चयन आईपीएल के प्रदर्शन के आधार पर होता है। हमने वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, हर्षित राणा, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और सभी के साथ ऐसा देखा है। अगर हम इस नजरिए से देखें, तो श्रेयस भी खेलने के अधिकारी हैं क्योंकि उन्होंन आईपीएल में पंजाब किंग्स के कप्तानी के तौर पर काफी रन बनाये हैं। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि श्रेयस ने 47 टी20ङ्घ पारियों में 136.11 के स्ट्राइक रेट से 1104 रन बनाए हैं। ऐसे में वह सक्रिय भारतीय टी20आई खिलाड़ियों में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि बीच के ओवरों में अय्यर की परिपक्वता और संयम बेजोड़ है।

बाबर को एशिया कप में इस कारण शामिल नहीं किया - हेसन

स्पिनरों के खिलाफ स्ट्राइक रेट में सुधार करें

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच माइक हेसन ने अगले माह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाली त्रिकोणीय सीरीज और उसके बाद एशिया कप के लिए घोषित 17 सदस्यीय टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को शामिल नहीं करने पर अपनी सफाई दी है। इन दोनो ही अनुभवी खिलाड़ियों को टीम में शामिल नहीं करने पर कई सवाल भी उठे हैं। बाबर टीम के कप्तान भी रहे हैं हालांकि पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। रिजवान का भी यही हाल है। वह भी लंबे समय से रन नहीं बना पाये हैं। एशिया कप की शुरुआत नौ सितंबर से यूएई में टी-20 प्रारूप में होगी। इसमें पाक टीम सलमान अली आगा की कप्तानी में उतरेगी। मुख्य कोच ने कहा हैक दोनो ही पूर्व कप्तान को स्पिनरों के खिलाफ बेहतर स्ट्राइक रेट रखने को कहा गया है। साथ ही कहा कि बाबर को वापसी के लिए बिग बैश लीग में खेलना चाहिये।

हेसन ने कहा, बाबर को कुछ क्षेत्रों में काम करने के लिए कहा गया है। खासकर स्पिन के खिलाफ और उनके स्ट्राइक रेट पर जोर दिया गया है। मैं जानता हूं कि वे इस समय इन मामलों पर बहुत अधिक काम कर रहे हैं। बाबर के पास बीबीएल में खेलने और टी20 क्रिकेट के उन क्षेत्रों में सुधार दिखाने का भी अवसर है। वह इतना अच्छा खिलाड़ी है कि हम उसे अधिक समय तक नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते पर फिलहाल उसे सुधार करना होगा।

पाकिस्तान टीम- सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी, सुफियान मोकिम।

आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे बिकेंगे कैमरन ग्रीन -आकाश चोपड़ा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईपीएल के अगले सत्र में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन सबसे महंगे खिलाड़ी हो सकते हैं। चोपड़ा का मानना है ग्रीन चोट से वापसी के बाद से ही शानदार फॉर्म में हैं जिससे वह अन्य सभी प्रतियोगियों पर भारी पड़ेंगे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में आक्रामक बल्लेबाजी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आईपीएल 2026 के लिए छोटी नीलामी इस साल के अंत या अगले साल की शुरुआत में हो सकती है। चोपड़ा ने इसी को लेकर कहा, 'मुझे लगता है कि ग्रीन नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी हो सकते हैं। चोट से वापसी के बाद से ही वह जमर रन बना रहे हैं। वह हालांकि अभी गेंदबाजी के लिए तैयार नहीं हैं पर किसी समय गेंदबाजी भी शुरू करेंगे।' ग्रीन ने आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए 12 मैचों में 143.25 की स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए थे हालांकि चोट के कारण उन्होंने आईपीएल 2025 में भाग नहीं लिया था।

आकाश ने आगे कहा, 'ग्रीन इस समय शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी कर रहे हैं पर वे अभी गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। अगर वे गेंदबाजी शुरू करते हैं और उनकी बल्लेबाजी को देखते हुए नीलामी में बड़ी रकम हासिल कर सकते हैं। टीमें उन पर काफी पैसा खर्च करना चाहेंगी। मुझे लगता है कि यह नीलामी उनके नाम हो सकती है.'

वहीं चोपड़ा ने मुंबई इंडियंस टीम को लेकर कहा कि उसे प्रतिभाओं की पहचान करना आता है। उन्होंने कहा, 'मुंबई इंडियंस टैलेंट पहचानने में बहुत आगे है, मैं चार नाम लेने जा रहा हूं, जो उनके पास थे. उनके पास डेवॉल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, टिम डेविड और ग्रीन थे और सभी एक ही साल में हालांकि उन्होंने बाद में इन चारों को जाने दिया। ऐसे में अब इनमें से एक भी खिलाड़ी उनके पास नहीं है. मुझे लगता है कि मुंबई इंडियंस को अपने विदेशी खिलाड़ियों को कुछ और समय देना था जिससे वे अपने को साबित कर पाते। '

डब्ल्यूडब्लयूई चैम्पियन लोगन पॉल की नेटवर्थ करोड़ों में पहुंची

सेन डियागो। मॉडल नीना अगडंल से शादी करने वाले डब्ल्यूडब्लयूई के अमेरिकी चैम्पियन लोगन पॉल करोड़ों की संपत्ति के भी मालिक हैं। लोगन ने रेसलर के साथ ही यूट्यूबर के तौर पर भी काम करके मोटी कमाई की है। उनकी नेटवर्थ करोड़ों में पहुंच गयी है। लोगन डब्ल्यूडब्लयूई के अलावा प्राइम हाइड्रेशन, यूट्यूब चैनल और स्पॉन्सरशिप से से भी कमाई करते हैं। उनकी कुल संपत्ति लगभग 150 मिलियन डॉलर है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, यूट्यूब से उनकी अनुमानित मासिक आय 300,000 डॉलर से 600,000 डॉलर के बीच है। वह 2017, 2018 और 2021 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले यूट्यूबर भी थे। उनका पॉडकास्ट भी बहुत लोकप्रिय है। वह अक्सर पॉडकास्ट पर डब्ल्यूडब्लयूई के आंकड़े पेश करते हैं, जिससे भी इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। इसके अलावा, उनके पास अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर 90 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जिससे उन्हें कमाई करने और स्पॉन्सरशिप डील हासिल करने में सहायता मिलती है। एक अनुमान के अनुसार वह वह प्रायोजकों से किये करार से हर महीने 150,000 डॉलर से 300,000 डॉलर कमाते हैं। लोगन पॉल एक पेशेवर मुम्केबाज भी हैं और इससे से भी उनको मोटी रकम मिलती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वह मुम्केबाजी रिंग में ही उतरकर करीब 5 मिलियन डॉलर कमाते हैं। इसका मतलब है कि लोगन पॉल अलग-अलग तरीकों से पैसा कमाते हैं। इसके अलावा उनका अपनी ब्रैंड भी है। जिससे वह अच्छी कमाई करते हैं।

वही अब जल्द ही क्लैश इन पेरिस में जॉन सीना का मुकाबला करते हुए दिखेंगे। यह दिसंबर में प्रोफेशनल कुश्ती से जॉन सीना के रिटायरमेंट से पहले प्रीमियम लाइव इवेंट में उनकी आखिरी उपस्थिति में से एक होगी। इस मुकाबले की शुरुआत समरस्लैम के बाद स्मैकडाउन में हुई थी, जब सीना ने कोडी रोड्स के साथ मिलकर लोगन पॉल और ड्रू मैकइंटायर का सामना किया था।

पाक ने एशिया कप के लिए अनलकी कहे जाने वाले हसन अली को शामिल किया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले माह होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सलमान अली आगा की कप्तानी में अपनी जो टीम घोषित की है। उसमें हसन अली को शामिल करने पर सवाल उठे हैं क्योंकि वह टीम के लिए अनलकी रहे हैं। हसन को अनलकी इनलिए कहा जाता है कि वह जीते हुए मैच भी हरवा देते हैं। इसी कारण हसन को टी20 विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल में मिले हार के बाद जमकर ट्रोल किया गया था। इसका कारण है कि सेमीफाइनल मैच में हसन ने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू वेड का एक बेहद आसान सा कैच छोड़ दिया था। इसके बाद वेड ने तीन छक्के लगाकर मैच में अपनी टीम को जीत दिला दी थी। वहीं कैच गिरने से पहले पाक टीम जीतने के करीब पहुंच गयी थी। इसके बाद से ही हसन को सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने पनौती भी करार दिया था। हसन हालांकि एक अच्छे गेंदबाज हैं। तेज गेंदबाजों शाहीन अफरीदी और हारिस रउफ के साथ मिलकर वह एशिया कप में किसी भी टीम के लिए मुश्किलें पैदा कर सकते हैं। ऐसे में इस बार वह शाहीन और हासिल के साथ बेहतर गेंदबाजी के इरादे से उतरेंगे। इन तीनों के कारण ही लेकिन गेंदबाजी में टीम की स्थिति अच्छी रही है हालांकि उसके बल्लेबाजी कमजोर है।

पाकिस्तान क्रिकेट दल-

सलमान अली आगा (कप्तान),फखर जमां, हसन नवाज, साहिबजादा फरहान,सैम अयूब, खुशदिल शाह, हुसैन तलत, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, हारिस रऊफ, हसन अली, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी और सुफियान मुकीम।

सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा आज होने की संभावना

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम का अगले माह होने वाले एशिया कप 2025 के लिए मंगलवार को चयन होने की उम्मीद है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति की बैठक में खिलाड़ियों नाम पर विचार किये जाने के बाद टीम की घोषणा होगी। इस बैठक में कप्तान सूर्यकुमार यादव भी शामिल होंगे। एशिया कप के लिए भारतीय टीम का चयन काफी कठिन रहेगा कयोंकि हाल में कई युवाओं ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार एशिया कप के लिए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल तक को जगह मिलना मुश्किल रहेगा। चयनकर्ता सलामी जोड़ी के तौर पर संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को शामिल कर सकते हैं।

वहीं बैकअप ओपनर के तौर पर यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के नाम हैं पर यशस्वी को जगह मिलने की अधिक संभावना है।

शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल की टेस्ट सीरीज में सबसे अधिक 754 रन बनाए थे। इसके अलावा आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के लिए 650 रन बनाए थे। इसके बावजूद उनकी जगह पक्की नहीं मानी जा रही। वैसे भी एशिया कप एक टी20 टूर्नामेंट है और चयनकर्ता अभिषेक और सैमसन की ही जोड़ी उतारना चाहेंगे।

एशिया कप के लिए भारतीय टीम में बल्लेबाजों के तौर पर सूर्यकुमार यादव के अलावा तिलक वर्मा की जगह पक्की है जबकि ऑलराउंडर के लिए हार्दिक पंड्या का खेलना तय है। दूसरे ऑलराउंडर के लिए शिवम दुबे और रिंकू सिंह के बीच मुकाबला है। शिवम को हालांकि बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी करने का लाभ मिल सकता है। वहीं श्रेयस अय्यर के चुने जाने की संभावना कम है. जबकि विकेटकीपर संजू सैमसन के बैकअप के तौर पर जितेश शर्मा को जगह मिल सकती है, जिन्होंने आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की लिए शानदार प्रदर्शन किया था।

इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी टीम में शायद ही जगह मिले। एशिया कप में तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह कर सकते हैं। उनके साथ अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ ही हर्षित राणा में से किसी एक को अवसर मिल सकता है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के चयन की संभावना बेहद कम है। स्पिनर के रूप में कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई और अक्षर पटेल में से किसे जगह मिलती है ये देखना होगा।

नये कोच ने छेत्री को राष्ट्रीय शिविर में शामिल नहीं करने का कारण बताया

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम के नये कोच खालिद जमील ने स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री को सीएएफए नेशंस कप राष्ट्रीय शिविर के लिए शामिल नहीं किये जाने पर उठ रहे सवालों को लेकर कहा है कि ये टूर्नामेंट अक्टूबर में होने वाले एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के मैचों की तैयारी के लिए रखा गया है। इसी कारण इसमें युवाओं को अधिक अवसर दिये गये है। कोच के अनुसार वह अन्य खिलाड़ियों को भी आजमाना चाहते थे। छेत्री ने इसी साल संन्यास से वापसी की है। वहीं जमील को हाल ही में मार्केज की जगह पर नया कोच बनाया गया था। कोच ने कहा कि छेत्री नौ अक्टूबर को (विदेश में) और 14 अक्टूबर को (घरेलू) धरती पर सिंगापुर के खिलाफ एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के मैचों में टीम में रहेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं इस फीफा विंडो के दौरान कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी आजमाना चाहता हूं। मैंने छेत्री से इस बारे में बात की थी। टीम में उनके जैसे खिलाड़ी का होना हमेशा खुशी की बात होती है और उनके लिए दरवाजे हमेशा खुले हैं।' जमील ने कहा, 'छेत्री एक महान खिलाड़ी हैं। मैं उनके खिलाफ खेला हूं, मैंने उन्हें कई अवसरों पर खेलते देखा है और वह मेरे पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह भारतीय फुटबॉल के लिए एक आदर्श हैं.' अभी राष्ट्रीय शिविर में 22 खिलाड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं जबकि बचे हुए 13 अन्य डूरंड कप के लिए क्लबों को अपनी सेवाएं दे रहे हैं और जल्द ही शिविर से जुड़ेंगे। सीएएफए नेशंस कप में जमील कोच के तौर पर पहली बार दिखेंगे। जमील ने कहा कि नेशंस कप में भारत पहली बार खेलने जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अभिमन्यु ईश्वरन कर सकते हैं भारत ए की कप्तानी

मुम्बई । अभिमन्यु ईश्वरन अगले माह ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में भारत ए टीम की कप्तानी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया ए की टीम का सितंबर में भारत दौरे का कार्यक्रम है। इस दौरे में वह भारत ए टीम के खिलाफ 16 सितंबर से 5 अक्टूबर तक एक अनौपचारिक टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में अभिमन्यु बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरुआत कर सकते हैं। इन दोनों ही खिलाड़ियों ने अब तक एक भी टेस्ट नहीं खेला है। अभिमन्यु ईश्वरन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दौरे पर जा चुके हैं पर उन्हें अवसर नहीं मिला है। वहीं ऋतुराज 2023 में वेस्टइंडीज दौरे पर गए थे पर उन्हें भी तब अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। ईश्वरन लंबे समय से अपने टेस्ट डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं। वही ऋतुराज एकदिवसीय और टी20 में डेब्यू कर चुके हैं।

वहीं साई सुदर्शन तीसरे नंबर पर खेल सकते हैं। इसके बाद वह वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज का हिस्सा होंगे। सुदर्शन ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। करुण नायर और सरफराज खान को भी इस टीम में जगह मिलना तय है। करुण ने टेस्ट टीम में जगह बनाई थी पर वह इंग्लैंड दौरे पर वह अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाये थे। ईशान किशन को भी इस बार अवसर मिल सकता है। वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के अंतिम मैच में भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाने के काफी करीब थे पर फिट नहीं होने के कारण उन्हें अवसर नहीं मिला। तब ऋषभ के रिप्लेसमेंट के तौर

पर एन जगदीशन को शामिल किया गया था। जगदीशन को भी इंडिया ए टीम में जगह मिल सकती है। इसके अलावा बल्लेबाज देवदत्त पडिकल और स्टार ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर भी इंडिया ए के लिए खेलेंगे। भारतीय टीम में वापसी का प्रयास कर रहें मोहम्मद शमी को भी टीम में जगह मिल सकती है। शुल कंबोज और खलील अहमद भारतीय दल का हिस्सा होंगे। अंशुल ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। स्पिनर के तौर पर तनुश कोटियन और मानव सुथार को जगह मिल सकती है।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट सीरीज के लिए भारत ए की संभावित टीम- अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन, करुण नायर, सरफराज खान, देवदत्त पडिक्कल, ईशान किशन, नारायण जगदीसन, शार्दुल ठाकुर, मानव सुथार, अंशुल कंबोज, मोहम्मद शमी, तनुष कोटियन, खलील अहमद, हर्ष दुबे ।

न्यायपालिका के लिए बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने में आगे रही महाराष्ट्र सरकार - सीजेआई

मुंबई। सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार राज्य में न्यायपालिका के लिए बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने में हमेशा अग्रणी रही है। वह कोल्हापुर जिले में बम्बई हाईकोर्ट की नई सर्किट पीठ का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी उपस्थित थे। सीजेआई ने कहा, कुछ लोगों ने, मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता, यह टिप्पणी की थी कि न्यायपालिका के लिए बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के मामले में महाराष्ट्र सरकार पीछे है।

उन्होंने कहा, यह गलत है। मेरा मानना है कि जब न्यायपालिका के बुनियादी ढांचे का सवाल आता है, तो इस मामले में महाराष्ट्र पीछे नहीं है। बुनियादी ढांचे के मामले में सरकार हमेशा न्यायपालिका के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित करके असंभव को संभव बना दिया है कि कोल्हापुर पीठ के लिए भवन कम समय में ही बन जाए। सीजेआई ने कहा कि जो लोग यह टिप्पणी करते हैं कि न्यायिक बुनियादी ढांचे के मामले में राज्य सरकार पिछड़

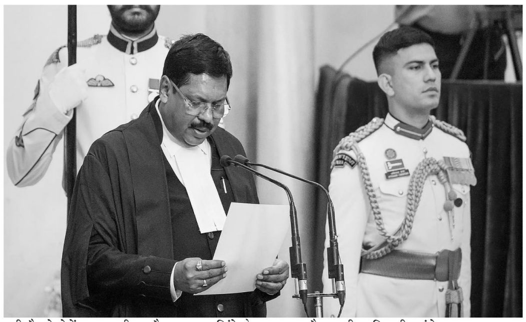

रही है, वे देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बारे में नहीं जानते।

सीजेआई गवई ने कहा, मुझे विश्वास था कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पीठ स्थापित की जाए और सभी बुनियादी ढांचे उपलब्ध कराए जाएं। सीजेआई गवई ने कहा कि उन्होंने हमेशा कोल्हापुर में एक पीठ का समर्थन किया है, क्योंकि किसी भी आम व्यक्ति को अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए मुंबई (बम्बई उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ) तक आने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए।

सीजेआई ने कहा कि अब वकीलों की ओर से पुणे में भी एक पीठ की मांग की जा रही है, लेकिन उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं होगा, क्योंकि केवल मुट्ठी भर वकीलों ने ही यह मांग की है, आम लोगों ने नहीं। कोल्हापुर में चौथी पीठ की स्थापना विभिन्न क्षेत्रों से वर्षों से उठ रही मांगों के बीच की गई है, ताकि वादियों और वकीलों पर बोझ कम किया जा सके, जिन्हें अपनी याचिकाओं की सुनवायी के लिए 380 किलोमीटर दूर मुंबई जाना पड़ता है। वर्तमान में, मुंबई में मुख्य पीठ के अलावा, हाईकोर्ट की दो और पीठ हैं - विदर्भ क्षेत्र के नागपुर में और राज्य के मराठवाड़ा क्षेत्र के औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) में। हाईकोर्ट की तीसरी पीठ निकटवर्ती गोवा में स्थित है। बम्बई हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे ने एक अगस्त को एक अधिसूचना जारी करके कोल्हापुर में एक सर्किट पीठ बनाया।

सांसद श्रीमती पारधी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से की सौजन्य भेंट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने 18 अगस्त को नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट कर संसदीय क्षेत्र की समस्याओं के निदान के लिए चर्चा की। इस दौरान उन्होंने संसदीय क्षेत्र के दोनों प्रमुख शहरों सिवनी और बालाघाट को जोड़ने वाले बालाघाट-सिवनी मार्ग पर राहगीरों को आ रही दिक्कतों को देखते हुए इस सड़क का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने की मांग की। सांसद श्रीमती पारधी ने धान एवं अन्य खरीफ फसलों की रोपाई व बोवनी के पश्चात किसानों के लिए खाद एवं उर्वरक की आपूर्ति समय पर सुनिश्चित करने की मांग करते हुए कहा कि समय पर उर्वरक मिलने से किसानो को सहुलियत होगी और उन्हें परेशानी नहीं होगी। इससे फसलों का उत्पादन भी अधिक होगा। इस अवसर पर पूर्व सांसद श्रीमति नीता पटेरिया भी उपस्थित थी।

अंतरिक्ष जैसे विषयों को दलीय राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए - रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा पर चर्चा के दौरान लोकसभा में विपक्ष के आचरण की आलोचना की। उन्होंने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निराशाजनक बताया। रक्षा मंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष जैसे विषयों को दलीय राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। विपक्ष इस चर्चा में भाग ले सकता था और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए रचनात्मक सुझाव दे सकता था।

वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा पर एक विशेष चर्चा आयोजित कर उन्हें सम्मानित करने वाला था और विपक्ष से सहयोग की अपील की थी, उनसे राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार कर एक राष्ट्रीय नायक का सम्मान करने का आग्रह किया था, लेकिन जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई, तो विपक्षी सांसदों ने चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध और नारेबाजी शुरू कर दी, जिससे कार्यवाही बाधित हुई और सभापति को दिन भर के लिए सदन स्थगित करनी पड़ी। रक्षा मंत्री ने एक्स पर कहा, आज लोकसभा में भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, इसरो मिशन पायलट की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा और उसके बाद उनकी वापसी पर विशेष चर्चा के दौरान जिस तरह से विपक्ष ने सदन में हंगामा किया और सदन को चलने नहीं दिया, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, यह चर्चा भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम और विकसित भारत 2047 में इसकी भूमिका पर थी, जो राष्ट्रीय उपलब्धि, देश के गौरव, स्वाभिमान और भविष्य में वैज्ञानिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा की संभावनाओं से जुड़ी है। आज उनका व्यवहार बेहद निराशाजनक था।

जामा मस्जिद भरवेली में शान से लहराया तिरंगा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हर साल की तरह इस साल भी जामा मस्जिद भरवेली में मुस्लिम समाज द्वारा जश्ने आजादी का महापर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां मस्जिद परिसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा झंडा फहराकर, देश की शान मे गगनचुंबी नारे लगाए गए। तो वही मिठाई बांटकर योमे आजादी की मुबारकबाद पेश की गई। आजादी के इस महापर्व के अवसर पर जामा मस्जिद भरवेली के इमाम अब्दुल अज़ीज़ रिजवी द्वारा देश के लिए शहीद हुए जवानों एवं देश में भाईचारा खुशहाली तरक्की, अमन व शांति के लिए दुआएं मांगी।इस अवसर पर मुस्लिम समाज के अध्यक्ष फरीद खान हाजी शाहिद पाशा हाजी जलील खान हाजी लाट साहब महमुद खान नासिर खान अयूब खान मोबिन बाबू सैयद लियाकत अली फारूक शेख मोबीन खान शाहिद भाई टेकाड़ी फिरोज खान शहजाद खान अरशद खान रेहान खान तौफीक खान अजहर खान समीर खान एवं आदि लोग काफी संख्या में उपस्थित रहे।

जलियांवाला बाग हत्याकांड में भी समाज की रही है अहम भूमिका-इमरान

वही मीडिया से चर्चा के दौरान यंग मुस्लिम कमेटी के अध्यक्ष और सामाजिक कार्यकर्ता इमरान खान ने मुसलमानों द्वारा देश की आजादी के लिए दिए गए बलिदान के बारे में बताया कि जब जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ था और वहां पर जो गोलियां चलाई गई थी गोलियां चलाने को लेकर खान अब्दुल गफ्फार खान ने जनरल डायर से पूछा कि आपने गोलियां क्यों चलाई तो जनरल डायर ने कहा कि पठान भाग रहे थे इसलिए हमने गोलियां चलाई तब अब्दुल गफ्फार खान ने कहा कि कोई पठान नहीं भागा है किसी एक पठान के पीठ पर बंदूक की गोली दिखा दो तो हम इस आंदोलन से अलग हो जाएंगे। तब लाशों का पोस्टमार्टम कराया गया लगातार 5 दिन तक पोस्टमार्टम चला 76 पठानों के लाश के पोस्टमार्टम किए गए हैं किसी एक पठान के भी पीठ में गोली नहीं लगी 76 के पठान शहीद हुए । उनके सीने पर गोलियां लगी थी जो इतिहास के पन्नों में दर्ज है।उन्होंने कहा कि इस्लाम धर्म देश से मोहब्बत का पैगाम देता है। हमारे नबी ने बताया है कि अगर आपको नमाज पढ़नी है और आपके पास पानी उपलब्ध नहीं है तो आप देश की मिट्टी से भी वज़ू करके नमाज पढ़ सकते हैं और कहां की इस्लाम हमेशा अमन शांति व भाईचारे वह देश से मोहब्बत का पैगाम देता आया है। जो देश के लिए मुस्लिम भाइयों ने अपनी कुर्बानियां दी है उसे कभी नहीं बुलाया जा सकता।

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बालाघाट के विद्यार्थियों का विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शिक्षा के क्षेत्र में जिले की अग्रणी संस्था पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बालाघाट, शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेलकूद के क्षेत्र में भी नए कीर्तिमान स्थापित करती आ रही है। इसी क्रम में मई 2025 में जबलपुर में संभागीय स्तर पर आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए संभागीय स्तर पर चयन हुआ है, जिनमे शतरंज के लिए तनवी रहांगडाले 11 वीं, वालीबाल (17) के लिए पीहू उड़के 9 वीं, बास्केट बाल टीम (-17) के लिए यमन मडामे 9 वीं, और सार्थक मसराम 9 वीं, का संभागीय स्तर पर चयन राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए हुआ है।

इसी तरह विद्यालय की बास्केट बाल टीम (-14) ने जबलपुर में संभागीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता और अब आगामी 20 अगस्त 2025 को राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने के लिए यह टीम कानपुर प्रस्थान करेगी। इस टीम में शामिल विद्यार्थी है आशीष भोयर 8 वीं अहसास उड़के 8 वीं, सानिध्य उड़के 8 वीं, जयंत चोपकर 8 वी मिशल उड़के 7 वीं, भावेश कुमरे 7 वीं, योजित सहारे 7 वीं, हर्ष नीलेश्वर पुंडे 8 वीं, अंश मेश्रम 8 वीं, पृथ्वी राज बिसेन 8 वीं, योगेन्द्र भलावी 8 वी। इस अवसर पर कलेक्टर एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मृणाल मीना ने विद्यालय के प्रयास को सराहा और इन बच्चों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई और आगामी प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं है। साथ ही विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार तुमसरे, खेल शिक्षक अर्जुन आर्य, स्पोर्ट कोच नितीश बारेवार सहित पूरे विद्यालय परिवार ने भी इन विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

सांसद डेलकर आत्महत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सही माना

नई दिल्ली। सांसद मोहन डेलकर आत्महत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। चीफ जस्टिस भूषण रामकृष्ण और जस्टिस एन वी अंजारिया की बेंच ने केस बंद करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सही माना है। हाई कोर्ट ने दादरा और नगर हवेली से सात बार सांसद रहे डेलकर को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में 9 लोगों पर दर्ज एफआईआर को निरस्त किया था। 58 साल के डेलकर 22 फरवरी 2021 को मरीन ड्राइव इलाके के एक होटल में मृत मिले थे। उनके बेटे अभिनव डेलकर की शिकायत पर पुलिस ने मार्च 2021 में दादरा नगर हवेली और दमन-दीव के प्रशासक प्रफुल्ल खोड़ा पटेल सहित 9 लोगों पर केस दर्ज किया था।

सीवर टैंक में गिरने से दो मजदूरों की मौत के मामले में दो ठेकेदार गिरफ्तार

नोएडा,। नोएडा के सेक्टर-115 स्थित सीवेज पंपिंग स्टेशन में गत शनिवार को सीवर टैंक में गिरने से दो श्रमिकों की मौत के मामले में दो ठेकेदारों को गिरफ्तार किया है। थाना सेक्टर-113 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जनपद अलीगढ़ के मऊआखेड़ा गांव निवासी बृजेश कुमार ने शिकायत दर्ज कराई है कि शनिवार को उनके भाई खुशाल (24) और विकास (26) ठेकेदार अजीत और पुष्पेंद्र के कहने पर सेक्टर-115 में सीवर लाइन की सफाई करने उतरे थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बृजेश ने बताया कुछ समय बाद अमित नाम के व्यक्ति का फोन आया कि खुशाल और विकास की सीवर में डूबने से मौत हो गई है। बृजेश का आरोप है कि ठेकेदारों ने दोनों को बिना सुरक्षा उपकरण के टैंक में उतार दिया। ठेकेदार की लापरवाही के कारण दोनों की मौत हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी ठेकेदार पुष्पेंद्र कुमार और अजीत को रविवार रात गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि यह पंपिंग स्टेशन नोएडा प्राधिकरण का है और जल विभाग ने इसका काम ठेकेदार को सौंपा है। वहीं, जल विभाग के महाप्रबंधक ने दावा किया कि सुरक्षा उपकरण व मानकों का पालन किया गया था।

उन्होंने यह भी दावा किया कि मृतकों के परिजन को छह-छह लाख रुपए मुआवजा और अंतिम संस्कार के लिए 50-50 हजार रुपए दिए गए हैं। साथ ही एक मृतक की पत्नी को प्राधिकरण में संविदा नौकरी देने का भी आश्वासन दिया है। खुशाल और विकास दोनों शादीशुदा थे। दोनों रोजी-रोटी की तलाश में यहां आए थे। बृजेश ने बताया कि खुशाल की दो बेटियां हैं। उसकी पत्नी सात महीने की गर्भवती है। इस बीच नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि यह स्पष्ट निर्देश हैं कि बगैर सुरक्षा उपकरण के श्रमिकों से काम न कराया जाए। ऐसे में यह हादसा चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर से डरे पाक ने ईरानी बॉर्डर पर छिपा दिए थे वॉरशिप

स्पेस टेक्नोलॉजी कंपनी मैक्सार की सैटेलाइट तस्वीर से हुआ खुलासा

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इस दौरान सौ से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। इस ऑपरेशन को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी नौसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपने वॉरशिप छिपा दिए थे। वे भारतीय मिसाइलों से इतना डर गए थे कि उन्हें ईरान बॉर्डर के पास शरण लेनी पड़ी थी। इसको लेकर सैटेलाइट तस्वीर भी सामने आई है।

अमेरिकी स्पेस टेक्नोलॉजी कंपनी मैक्सार ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की एक फोटो जारी की है। इससे खुलासा हुआ है कि पाकिस्तानी नौसेना ने अपने युद्धपोत करांची के नौसैनिक गोदाम से हटा दिए थे और उन्हें व्यावसायिक टर्मिनलों पर शिफ्ट कर दिया था। पाक नेवी ने वॉरशिप को ग्वादर के पश्चिमी बंदरगाह में शिफ्ट कर दिया था, जो कि ईरान बॉर्डर के पास है। यहां से बॉर्डर महज 100 किलोमीटर की दूरी पर है।

बता दें भारतीय सेना ने 6-7 मई की आधी रात को पाकिस्तान और पीओके में स्थित आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। इसके बाद पाक सेना ने भारतीय शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन वह कामयाब नहीं हो सकी। वहीं भारतीय सेना ने फिर से जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान पाकिस्तान घबरा गया और उसने नेवी के वॉरशिप को छिपा दिया था।

भारत के खिलाफ पाकिस्तान घुटनों पर आ गया था, आखिरी में उसने सीजफायर के लिए गुहार लगाई। रिपोर्ट के मुताबिक सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि सैटेलाइट तस्वीर से पता चलता है कि पाकिस्तान की सैन्य तैयारी में भारी कमी थी। एक रक्षा विश्लेषक ने कहा कि यह पाकिस्तान की हार को दर्शाता है, उसे ईरान की सीमा के पास शरण लेनी पड़ी। बता दें ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी कई बार आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की, लेकिन भारतीय सेना ने उनकी कोशिश को नाकाम कर दिया और कई आतंकियों को ढेर भी किया।

एमएलबी स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। नगर के शासकीय एमएलबी स्कूल बालाघाट में आयोजित जिला स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता का सोमवार की शाम समापन किया गया। एमएलबी स्कूल बालाघाट में आयोजित जिला स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रतियोगिता में सांदीपनि विद्यालय बालाघाट, सांदीपनि विद्यालय राजेगांव, एक्सीलेंस विद्यालय लालबर्रा, एम.एल.बी. विद्यालय बालाघाट, भारवेली इंग्लिश स्कूल बालाघाट, सांदीपनि विद्यालय लेंडेझरी और गुबाडगोंदी विद्यालय के खिलाडियों ने शानदार खेल प्रदर्शन किया। जहां उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर खिलाडियों का चयन कर एक टीम का गठन किया गया है। बताया गया कि इन विद्यालयों से चयनित टीमें अब 20 अगस्त को नरसिंहपुर में होने वाली संभाग स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता में बालाघाट का प्रतिनिधित्व करेंगी।इस अवसर पर मुख्य अतिथि परिषद सदस्य मनीष नेमा ,प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार जैन, वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती ममता तिवारी, जिला खेल अधिकारी श्री गिरी और खेल शिक्षिका श्रीमती कंचन महाजन की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने खिलाडियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

विदेश में बैठकर कई गैंगस्टर देश में करवा रहे है हत्याएं और जबरन वसूली

तीन बड़ी घटनाओं के बाद पुलिस की कार्यशैली और मुखबिर तंत्र पर उठ रहे सवाल

गुरुग्राम,(ईएमएस)। विदेश में बैठे कई बड़े गैंगस्टर इन दिनों गुरुग्राम पुलिस के लिए चुनौती बने हुए हैं। देश के बाहर से अपने गैंग चला रहे गिरोह के गुर्गे वसूली, दहशत फैलाने के लिए फायरिंग, सुपारी किलिंग और रंगदारी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। बीते एक महीने में एक के बाद एक हुईं तीन बड़ी घटनाएं पुलिस की कार्यशैली और मुखबिर तंत्र पर सवाल खड़े कर रही हैं।

मशहूर हरियाणवी गायक राहुल फाजिलपुरिया पर फायरिंग के 20 दिन बाद उसके करीबी रोहित शौकीन की गोली मारकर हत्या और फिर अब मशहूर यूट्यूबर व राहुल के दोस्त एल्विश यादव के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। ये तीन मामले एक महीने के अंदर ही हुए हैं। इन घटनाओं की एक-दूसरे से जुड़े हुए गैंगस्टरों ने ही जिम्मेदारी ली है। राहुल फाजिलपुरिया पर हमले के एक महीने बाद भी अब तक शूटर नहीं पकड़े गए। दो आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है जो रेकी करने वाले थे।

वहीं रोहित शौकीन की हत्या को 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त दूर हैं। गुरुग्राम पुलिस को चुनौती देती हुई अब ये तीसरी घटना रविवार सुबह हुई जिसमें पुलिस के हाथ अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। राहुल फाजिलपुरिया पर 14 जुलाई की रात फायरिंग की गई थी। कार सवार हमलावरों ने उनका पीछा किया था और एसपीआर रोड पर उनकी थार गाड़ी रुकवाकर गोलीबारी की थी। इस हमले में राहुल फाजिलपुरिया बाल-बाल बच गए थे। इस हमले के बाद गैंगस्टर सुनील सरधानिया ने जिम्मेदारी ली थी और कहा था कि अगर वह दीपक नांदल के पांच करोड़ नहीं देगा तो उसके करीबियों की हत्या की जाएगी।

इस धमकी के 20 दिन बाद ही राहुल के करीबी दिल्ली के नांगलोई के रहने वाले रोहित शौकीन की राहुल के घर के पास ही एसपीआर रोड पर 4 अगस्त की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया गया था कि दीपक नांदल ने ही रोहित को फोन कर गुरुग्राम बुलाया था। उसके बाद वारदात की गई, जिस तरह रविवार सुबह एल्विश यादव के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग हुई, इसका मकसद गैंगस्टर द्वारा इलाके में दहशत पैदा करना है।

महाराष्ट्र के नांदेड़ में बादल फटा, 15-16 जिलों में अलर्ट, फडणवीस ने कहा फसलों को भारी नुकसान

मुंबई। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में बादल फटने जैसी घटना हुई, जिससे राज्य के 15-16 जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि घटना से फसलों को भारी नुकसान हुआ है, और करीब 1 लाख हेक्टेयर से अधिक फसलें प्रभावित हुई हैं। करीब 200 गाँव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि नांदेड़ के मुखेड तालुका में बादल फटने से फसलों को काफी नुकसान हुआ है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर बचाव कार्यों में जुटी हैं, और कुछ जगहों पर सेना की भी मदद ली जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नदियों, जैसे अंबा-जगबुडी और वशिष्ठी के जलस्तर पर कड़ी नजर रखी जा रही है। तापी और हतनूर में अधिक पानी आने से रावेर क्षेत्र में भी पानी घुस गया है। मुख्यमंत्री के अनुसार, इस भयावक बारिश में जलगाँव सबसे अधिक प्रभावित जिला है। इतना ही नहीं मौसम विभाग ने 18 से 21 अगस्त के बीच और अधिक बारिश होने की संभावना जाहिर की है। जिससे प्रशासन और राज्य सरकार के लिए चिंता बढ़ गई है।

भू-अर्जन कार्य में अटका भटेरा ओवर ब्रीज का काम

212 में से 122 ने लगाई है आपत्ति, कहा.. कर्मिशियल के बजाय दिया जा रहा आवासीय मुआवजा, नहीं मंजूर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। भटेरा ओवर ब्रीज के काम की रफ्तार काफी धीमी चल रही है।जिसकी प्रमुख वजह भू अर्जन कार्य पूरा ना होना बताया जा रहा है। हालांकि भू- अर्जन के लिए प्रशासनिक अधिकारी अपना जोर लगा रहे है।लेकिन भू मालिक और प्रशासन के बीच मुआवजे की राशि के लिए आपसी तालमेल नही बैठ पा रहा है। शायद यही वजह है कि अब तक भू स्वामियों को मुआवजा नही मिल पाया है।जिसके चलते भू अर्जन का कार्य नही हो पा रहा है।वही इस कार्य के लिए दावे आपत्तियों का दौर जारी है।इसी कड़ी में 212 में से 122 भू मालिको ने भूमि अर्जन के कार्य पर अपनी आपत्ति जताते हुए, उन्हें आवासीय मुआवजे की जगह कमर्शियल के हिसाब से मुआवजा दिए जाने की मांग की है। जिनके द्वारा लगाई गई लिखित आपत्ति पर गौर करते हुए आपत्तियों के निराकरण के लिए सोमवार को प्रशासनिक अधिकारियों के टीम आपत्तिकर्ताओं के पास पहुंची और आपत्ती से संबंधित आवश्यक दस्तावेज मांगे। बताया जा रहा है कि कमर्शियल भू मालिको से मिली आपत्ति और उनसे प्राप्त हुए दस्तावेजों को एसडीएम के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा ।जिसका
निर्णय एसडीएम कोर्ट से होगा।

122 लोगों ने लगाई आपत्ति,कहा कमर्शियल के हिसाब से दिया जाए मुआवजा

बताया गया कि अवंती चौक से लेकर फारेस्ट नाका तक कुल 212 लोगों की भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, लेकिन इनमें से 122 लोगों ने मुआवजा को लेकर विरोध जताया है, और आपत्ति लगाई है।आपत्तिकर्ताओं का आरोप है कि उनका निर्माण कमर्शियल है, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उन्हें कमर्शियल का मुआवजा नहीं दिया जा रहा है।बल्कि अन्य लोगों की तरह ही उन्हें भी आवासिय मुआवजा मिल रहा है जो उन्हें मंजूर नहीं है।जिनकी आपत्तियों के निराकरण लिए तरुण कुमार बिसेन राजस्व निरीक्षक नजूल, भोजलाल राहंगडाले राजस्व निरीक्षक, अरुणा सिरयाम उपयंत्री लोक निर्माण विभाग, विशाखा मेश्राम, पटवारी अजित तिवारी,विजय बिसेन, ओमप्रकाश राणा को नियुक्त किया गया है।

डायवर्सन व गुमास्ता रहेगा कर्मिशियल की पहचान

अवंती चौक से लेकर फारेस्ट नाका तक भटेरा ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर किए जा रहे भू-अर्जन कार्य के दौरान आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए आठ सदस्यीय टीम सोमवार को घर-घर पहुंची और यहां पर उन्होंने आपत्तिकर्ताओं की आपत्ति को जानने के बाद आगे की प्रक्रिया को पूर्ण करना शुरु किया है। आपत्तियों का निराकरण करने पहुंची टीम के अनुसार दावाकर्ता के पास कर्मिशियल का डायवर्सन होना अत्यंत जरुरी है उसके साथ उसके पास नगरीय क्षेत्र का गुमास्ता होना भी जरुरी है। यदि ये दस्तावेज उसके पास है, तो वहीं उसे कर्मिशियल के आधार पर मुआवजा दिया जाएगा अन्यथा नहीं दिया जाएगा। जिसकी पहचान टीम के द्वारा की जा रही है।

तरह तरह की आपत्ति जता रहे लोग

आपको बताए कि बालाघाट से लामता-नैनपुर मार्ग पर बढ़ते आवागमन के दबाव को कम करने और जनता को रोजाना लगने वाले जाम से राहत दिलाने के लिए करोड़ों की लागत से भटेरा रेलवे फाटक पर ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर प्रक्रिया तो शुरु कर दी गई है, और फारेस्ट नाका तरफ से काम भी शुरु किया गया है, लेकिन कभी आवागमन को लेकर हो रही समस्या तो कभी ओवर ब्रिज निर्माण का विरोध तो कभी मुआवजा को लेकर विरोध का खेल चल रहा है। जिसके चलते निर्माण कार्य गति ही नहीं पकड़ पा रहा है। किसी तरह करीब 30 करोड़ की राशि शासन स्तर से मिलने के बाद भू-अर्जन के लिए मुआवजा देने का कार्य शुरु किया गया तो इस बात का अड़ंगा लगा दिया गया कि जिसकी दुकान है, लेकिन उसे आवासीय स्तर का मुआवजा दिया जा रहा है जिससे उसे नुकसान उठाना पड़ रहा है, तो कोई ये कह रहा है कि अधिक भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है।

दावे आपत्ति की जांच कर रही टीम

स्थानीय 122 लोगो के द्वारा इस तरह की आपत्ति लगाए जाने के बाद अब जिला प्रशासन ने कर्मिशियल का दावा करने वाले आपत्तिकर्ताओं के पास दावों के दस्तावेज है, या नहीं इसकी जानकारी जुटाने के लिए आठ सदस्यीय टीम का गठन किया है, जिसने सोमवार से घर-घर पहुंचकर आपत्तिकर्ताओं की दावों-आपत्तियों को परखने का भी शुरु कर दिया हैं।

एसडीएम सहाब को सौपी जाएगी रिपोर्ट , वही से होंगा अंतिम निर्णय- रहांगडाले

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान राजस्व निरीक्षक भोजलाल राहंगडाले ने बताया कि कुछ लोगों के द्वारा दावा किया जा रहा है जहां वे लोग रहते है,वह स्थान रहवासी क्षेत्र के साथ ही कर्मिर्शियल क्षेत्र भी है और कुछ लोग ये कह रहे है कि उन्हें आवासीय क्षेत्र का मुआवजा दिया जा रहा है जबकि उनका क्षेत्र कर्मिशियल है। इसके अलावा कुछ लोगों ने यह भी आपत्ति लगाई है कि अधिक भूमि का अर्जन किया जा रहा है। जिसके चलते टीम अब ये जांच में जुट गई है कि जिसने दावा किया है उसके पास दस्तावेज है, या नहीं,उन्होंने बताया कि करीब पांच से छह दिन सर्वे के लिए समय लगेगा जिसके बाद रिपोर्ट बनाकर एसडीएम को सौंपने का कार्य किया जाएगा। जिसके बाद मुआवजा को लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाये गए 29 शिक्षकों का 01 दिन का वेतन काटने का आदेश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा जिले की शालाओ में शिक्षको की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने एवं शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए अन्य विभागो के अधिकारियों को शालाओ का आवंटन कर उनका निरीक्षण करने के निर्देश दिये गए है। अधिकारियों द्वारा किये गए निरीक्षण के दौरान 39 शिक्षक अनुपस्थित पाये गए थे। इन शिक्षको को जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी कर 03 दिनो के भीतर अपना स्पष्टिकरण प्रस्तुत करने कहा गया था। इनमें से 29 शिक्षकों का जवाब संतोषजनक नही पाए जाने पर कलेक्टर श्री मीना के निर्देश पर अनुपस्थित शिक्षकों का अवैतनिक अवकाश स्वीकृत कर माह अगस्त के वेतन से 01 दिन का वेतन काट कर वेतन आहरण करने का आदेश दिया गया है। शालाओं के निरीक्षण में अनुपस्थित पाये गए लालबर्रा विकासखंड के अंतर्गत माध्यमिक शाला कटंगा के प्राथमिक शिक्षक रामसिंह उइके, हायर सेकेंडरी स्कूल गर्रा के उच्च श्रेणी शिक्षक दिलीप बंसोड, किरनापुर विकासखंड के अंतर्गत ईजीएस शाला मोहगांव कला के प्राथमिक शिक्षक जीवनलाल ठाकरे, प्राथमिक शाला बटरमारा के शिक्षक शिवराम मेश्राम, प्राथमिक शाला कोठियाटोला कसंगी के शिक्षक योगराज फासे व राधेश्याम सोनकुसरे, प्राथमिक शाला गुलवा की शिक्षक श्रीमती सरस्वती ग्वालवंशी, प्राथमिक शाला बिठली के शिक्षक शिवचरण बिसेन, प्राथमिक शाला कसंगी के शिक्षक अकल सिंह सरोते, प्राथमिक शाला कन्हारटोला की शिक्षक श्रीमती आनंदा रंगारे, एकीकृत शाला घुसीटोला के शिक्षक लखनलाल भलावी, का एक दिन का वेतन काटने का आदेश दिया गया है। लांजी विकासखंड के अंतर्गत प्राथमिक शाला संदूका के शिक्षक संतोष मरावी, प्राथमिक शाला आवासटोली दहेगांव के शिक्षक मोरीराम मलगाम, प्राथमिक शाला कंसुली की शिक्षक श्रीमती नीतू तोमर, विकासखंड वारासिवनी के अंतर्गत प्राथमिक शाला नदीटोला बुदबुदा के शिक्षक प्रेमचंद राहंगडाले, माध्यमिक शाला बोटेझरी की शिक्षक श्रीमती पवित्रा उके, प्राथमिक शाला आमगांव के शिक्षक श्री भेजनलाल कावरे, प्राथमिक शाला सिंगोड़ी के शिक्षक नंदकिशोर ठाकरे, विकासखंड खैरलांजी के अंतर्गत माध्यमिक शाला पांजरा के शिक्षक भीमप्रकाश लांजेवार, माध्यमिक शाला साकडी की शिक्षक डॉ. नियती संभरकर, हायर सेकेंडरी आरंभा की माध्यमिक शिक्षक श्रीमती अनामिका मेहरबान, हाईस्कूल लावनी के प्राथमिक शिक्षक एसके पालेवार, विकासखंड कटंगी के अंतर्गत माध्यमिक शाला आगरी की शिक्षक अनिता दुबे, हाईस्कूल बनेरा के माध्यमिक शिक्षक ओमप्रकाश नागफासे व श्रीमती लक्ष्मी बिसेन, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वरूड़ की माध्यमिक शिक्षक श्रीमती वच्छला छिपेश्वर व प्राथमिक शिक्षक चंद्रकांत पटले, हाईस्कूल देवरी के प्राथमिक शिक्षक कीर्ति कुमार चौधरी एवं बालाघाट विकासखंड के अंतर्गत प्राथमिक शाला तिवड़ीकला के शिक्षक बसंतराव वासनिक का 01 दिन का वेतन काटने का आदेश दिया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

मधुमक्खी के हमले से बकरी चराने गया व्यक्ति घायल ,जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। रूपझर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कोगेवानी गांव में बकरी चराने गए एक व्यक्ति पर मधुमक्खियो के झुंड ने हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है।घायल व्यक्ति का नाम ग्राम कोगेवानी निवासी 55 वर्षीय विष्णु पिता झरिया डोंगरे बताया गया है।जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विष्णु डोंगरे किसान है जो खेती किसानी का काम करता है। बताया गया कि रविवार की दोपहर करीब 12 बजे वह घर की बकरियों को लेकर खेत की तरफ चराने के लिए गया था। जानकारी के मुताबिक शाम करीब 5 बजे मधुमक्खियो के झुंड ने उसपर अचानक से हमला कर दिया। जहां मधुमक्खियो ने उसे हाथ, पैर, सर व शरीर के अन्य हिस्सों में काट लिया। जैसे तैसे बचते बचाते वह दौड़ते हुए अपने घर आया और मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी। जिसके उपरांत उसके परिजनों ने 108 एंबुलेंस की मदद से उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है।जहां उसका उपचार जारी है।

सर्पदंश से किसान अस्वस्थ, जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। बरसाती सीजन में सर्पदंश के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।जहां जिले भर से सामने आ रहे सर्पदंश के मामलों के बीच वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम रेंगाटोला में सर्पदंश से एक किसान अस्वस्थ हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।सर्पदंश का शिकार हुए किसान का नाम ग्राम रेंगाटोला निवासी 55 वर्षीय ज्ञानचंद पिता टेमनलाल बिसेन बताया गया है।जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्ञानचंद किसान है जो खेती बाड़ी का काम करता है।बताया गया कि सोमवार को ज्ञानचंद सुबह करीब 7:30 बजे अपने खेत में पानी देखने के लिए गया था। जहां खेत में काम करने के दौरान एक अज्ञात सांप ने उसे डस लिया।जिससे उसे खून निकलने लगा ।जिसकी जानकारी उसने अपने भतीजे शंकर बिसेन को दी। जहां भतीजा शंकर बिसेन ने मोटरसाइकिल से ज्ञानचंद को जिला अस्पताल लाकर उपचार के लिए भर्ती कराया है। जहां उसका उपचार जारी है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट